



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA

DELHI

7 DECEMBER 2025

स्थानीय फ्लाइट के बाद शुरू होगी अंतरराष्ट्रीय कॉमर्शियल उड़ानें नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण पूरा, कॉमर्शियल फ्लाइट उड़ान के लिए भी सभी तैयारियां पूरी

संदीप वर्मा

यमुना सिटी। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। वहीं, जल्द ही इसका उद्घाटन और कुछ दिन बाद डोमेस्टिक कॉमर्शियल फ्लाइट शुरू होनी है। डोमेस्टिक फ्लाइट शुरू होने के लगभग एक माह बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शुरू करने की तैयारी है।

अधिकारियों का कहना है कि कॉमर्शियल फ्लाइट उड़ान की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। डोमेस्टिक फ्लाइट शुरू होने के कुछ समय बाद अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट भी शुरू करने की तैयारी है।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन



नोएडा हवाईअड्डे का यात्री टर्मिनस।

सिक्वोरिटो की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद जल्द ही नागर विमान महानिदेशालय (डीजीसीए) जल्द ही एयरोड्रम लाइसेंस जारी कर सकता है। इसके बाद बस हवाई अड्डे के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उद्घाटन का इंतजार है। डीजीसीए के लाइसेंस और उद्घाटन के बाद नियमानुसार

डोमेस्टिक कॉमर्शियल फ्लाइट शुरू होने हैं। शुरुआत में चार मेट्रोपोलिटन शहरों मुंबई, बंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता सहित 12 प्रमुख शहरों में कॉमर्शियल फ्लाइट शुरू होनी है। इन उड़ानों की तिथि आते ही 15 से 20 दिन पहले टिकटों की बिक्री के लिए बुकिंग भी

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए कंपनियों ने संपर्क

डोमेस्टिक कॉमर्शियल फ्लाइट्स के अलावा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए भी विमानन कंपनियों ने एनआईए से संपर्क किया है। अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट शुरू होने पर एयर इंडिया एक्सप्रेस, एयर इंडिया, इंडिगो और विस्तारा एयरलाइंस की कॉमर्शियल फ्लाइटों समेत अन्य देशों की फ्लाइट्स से यात्री जा सकेंगे।

शुरू होगी। वहीं, लगभग 15 दिनों में देश के 35 प्रमुख शहरों के लिए भी डोमेस्टिक कॉमर्शियल फ्लाइट शुरू हो जाएगी। डोमेस्टिक फ्लाइट शुरू होने के एक माह बाद ही अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को शुरू किया जा सकता है। इसके लिए एनआईए ने तैयारी शुरू कर दी है।

नोएडा एयरपोर्ट पर डोमेस्टिक कॉमर्शियल फ्लाइट्स शुरू होने के एक माह बाद से ही अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स शुरू हो सकेंगी। जल्द ही डीजीसीए का लाइसेंस मिल सकता है।
-राकेश सिंह, सीईओ यमुना प्राधिकरण और निचाल

इंडिगो, अकासा और एयर इंडिया से हुई बात : डोमेस्टिक कॉमर्शियल फ्लाइट शुरू करने के लिए एनआईए से अकासा, इंडिगो और एयर इंडिया कंपनियों ने संपर्क किया था। समझौते के अनुसार चरणबद्ध तरीके से इनकी उड़ानें 35 शहरों में शुरू हो सकेंगी।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

BANGLORE MIRROR

BANGLORE

6 DECEMBER 2025

Late movers face fines, towing at Bengaluru Airport

In a major clampdown on mounting chaos at the arrival gates, Kempegowda International Airport has announced that vehicles lingering beyond the eight-minute free pick-up window will face steep penalties—and even towing—starting December 8. Bengaluru International Airport Ltd (BIAL), the airport operator, revealed that the decision comes amid rising congestion, rampant unauthorised halts and growing safety concerns at the terminal forecourts. The new system aims to introduce stricter discipline and restore order to one of the city's busiest transit points.

According to BIAL, both Terminal 1 and Terminal 2 will im-

plement a segregated lane system designed to curb misuse of the arrival pick-up curb. While private cars will continue to enjoy a free entry, any stop beyond eight minutes will activate charges: Rs 150 for 8–13 minutes, Rs 300 for 13–18 minutes, and after that, vehicles will be towed to the nearest police station with additional fines imposed.

Commercial vehicles—including yellow-board taxis and electric cabs—will not be allowed to wait at the arrival kerb at all. Instead, they must use designated parking zones, where the first 10 minutes of parking will be complimentary. Taxis serving T1 must move to P3 and P4, while those serving T2 should head to P2. Hari Marar, MD and CEO of BIAL, said the surge in passenger traffic, especially during the travel season, has made such measures unavoidable.

“This isn't mere enforcement. It's about safeguarding travellers, improving flow and ensuring a trustworthy, orderly system,” he said, urging cooperation from both passengers and cab operators. Airport authorities noted a growing trend of cars loitering near arrival gates, stopping on ramps, or waiting along the roadside—behaviours that have caused unnecessary bottlenecks and increased the risk of accidents.

To maintain smooth operations, passengers have been advised to use only authorised pick-up points and registered cab services such as Airport Taxi, Uber, Ola, OHM electric cabs, Quick Ride and WTI. Any instance of lane blocking, unauthorised halting or overstaying the permitted window will invite penalties for both private motorists and commercial operators. — BMB



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN

KANPUR

6 DECEMBER 2025

इंडिगो की तीनों उड़ानें निरस्त, एयरपोर्ट पर यात्रियों का हंगामा

यात्रियों को मैसेज या मेल से नहीं दी गई सूचना, पहुंचने पर चला पता, आज भी फ्लाइट निरस्त रहने की आशंका

जगरण संवादक, कानपुर: इंडिगो में पिछले चार दिनों से क्रू मेंबर्स की भारी कमी के संकट का सीधा असर शहर की हवाई सेवाओं पर भी पड़ा है। चक्रेरो हवाई अड्डे से चलने वाली दिल्ली, कोलकाता और हैदराबाद की फ्लाइट रद्द हो चुकी हैं। हवाई अड्डे पर भी यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कुछ यात्रियों ने विमान कम्पनी के काउंटर पर खड़ा का दूसरा विकल्प देने और होटल का इंतजाम करने की मांग करते हुए हंगामा किया। उनका कहना है कि उन्हें उड़ानें निरस्त होने की जानकारी फोन न मैसेज और न ही मेल पर दी गई। यहाँ आने पर जानकारी हुई। आने में किराया और समय दोनों का नुकसान हुआ। हंगामा बढ़त देख सोआइसएफ के जवनों ने यात्रियों से बात की।



चक्रेरो एयरपोर्ट स्थित इंडिगो कम्पनी के काउंटर पर फ्लाइट रद्द होने की सूचना पाने न शिर जाने से नाराज यात्रियों ने हंगामा किया - साक्षर



एयरपोर्ट पर उड़ान निरस्त होने की सूचना दर्शाता डिस्प्ले बोर्ड - साक्षर

मैं इंडोनेशिया में केमिकल इंजीनियर हूँ। दिल्ली जाकर इंडोनेशिया की कनेक्टिंग की फ्लाइट पकड़नी थी। उड़ान निरस्त होने से दिक्कत हो गई है। -महुल दीक्षित, वसोदा नगर

मुझे दिल्ली से बीनगर जाना था। जब टैक्सी से एयरपोर्ट पर उतरा तब फ्लाइट निरस्त होने का मैसेज आया। व अब दिल्ली तक दूसरे राहान से जाएंगे। -रहमान, सिविल लाइंस

हैदराबाद की एक बजे की फ्लाइट थी। 11-45 बजे निरस्त होने का खेन आया तब तक अंदर आ चुका था। अब लखनऊ से छिड़क्य दिया। -भोम शंकर, हैदराबाद

गुरगार को पनटी में एक शादी स्मारोह में आया था। अब दूसरी एयरलाइंस का किराया 40 से 45 हजार रुपये है। बस या किसी अन्य माध्यम से दिल्ली जाने के बाद बेचैन जाना पड़ेगा। -सजय कुमार खेमानी, बैंगलुरु

मुझे अपने पति संगीत के सत्र मुंबई जाना था। वहाँ से नासिक पहुंचकर ससुर की अरिख्या विरजित करनी थी। अब समझ नहीं आ रहा है कि क्या करूँ। किसी अन्य सत्रान से मुंबई जाया दिल्ली से उड़ान पकड़े। -तीना सक्सेना, केशवपुरम

दुर्घ के लिए मुंबई से शुक्रवार रात को कनेक्टिंग फ्लाइट थी। उड़ान निरस्त कर सब चौपट कर दिया। निरस्त होने की जानकारी हवाई अड्डे पर ही आकर पत चली। काफी नुकसान हो गया। -विकास पाल, बर्सा

मैं घरनी मोनी गौतम के साथ टैक्सी से यहां पहुंचा तब फ्लाइट निरस्त होने की जानकारी मिली। दूसरी एयरलाइंस के टिकट 45-50 हजार रुपये के हैं। पांच हजार रुपये यहां तक टैक्सी में भी लग गए। -विक्रम गौतम, बादा

कंपनी के अधिकारी ने बताया कि शनिवार को भी तीनों उड़ानें निरस्त रह सकती हैं। वही, इंडिगो कर्मचारी अन्य यात्रियों को उड़ानें निरस्त होने की सूचना मेल और मैसेज से देने नज़ा आया। हालांकि यहाँ पहुंच चुके यात्रियों का गुस्सा कम नहीं हुआ।

2:35 बजे आकर 3:15 बजे चली है। वही, हैदराबाद की उड़ान वाले यात्री सुबह 11:15 से 11:30 बजे तक हवाई अड्डा पहुंचने शुरू हो गए थे। वहाँ पहुंचे यात्रियों की उड़ान निरस्त होने की जानकारी दी गई तो यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दिया।

टिकट वापसी या आगे की उड़ान में रीट बुकिंग का विकल्प दिया : यात्रियों ने खड़ा के दूसरे विकल्प देने का होटल में तयाने के इंतजाम करने की बात कही तो इंडिगो के काउंटर पर भीड़ कर्मचारियों ने इन्कर कर दिया। उच्च अधिकारियों से भी बात

कराने के कर्मचारी तैयार नहीं थे। तभी खंड में पांच हजार की कैश कर पति संग मुंबई जाने की पहुंची महिला ने हंगामा शुरू कर दिया। सोआइसएफ जवनों की मुक्या। वे हंगामा कर रहे यात्रियों का बहिरो बनाने लगे। इस पर यात्री आक्रोशित

हो गए। इंडिगो के अधिकारी ने कहा कि यह समस्या चक्रेरो हवाई अड्डे को ही नहीं पूरे देश को है। टिकट वापसी या आगे की उड़ान में सोट बुकिंग का विकल्प दिया गया। कुछ लोगों को लखनऊ से हवाई खड़ा का विकल्प दिए गया। वही, विमान

प्रदेश में 90 से अधिक उड़ानें रद्द लखनऊ एयरपोर्ट पर फंसा दूल्हा

वाराणसी में 40 और लखनऊ एयरपोर्ट से जुड़ी 44 उड़ानें रद्द हुईं

जागरण टीम, लखनऊ : बीते चार दिनों से जारी हवाई सेवा की अड़चन शुक्रवार को भी दूर नहीं हो सकी। प्रदेश के विभिन्न हवाई अड्डों पर उड़ानों के असामान्य परिचालन ने लोगों को संकट में डाल दिया। प्रदेश में 90 से अधिक उड़ानें निरस्त हुईं। लखनऊ एयरपोर्ट पर दूल्हा अटका रहा तो वाराणसी में दोस्त की शादी में जा रही महिला को निराश होना पड़ा। चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट, लखनऊ में इंडिगो एयरलाइंस की 44 उड़ानें रद्द की गईं। यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा किया। कुछ लोगों को दूसरे विमानों का विकल्प तीन से चार दिन बाद का दिया गया। वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शुक्रवार को इंडिगो एयरलाइंस की भुवनेश्वर और बेंगलुरु को छोड़कर इंडिगो की 40 उड़ानें निरस्त रहीं। सुबह से चेक-इन काउंटरों के बाहर लंबी कतारें लगी रहीं। इंडिगो की उड़ानें रद्द होने का फायदा दूसरी विमानन कंपनियां उठा रही हैं और किराये में कई गुना वृद्धि कर दी है। इंडिगो एयरलाइंस की तकनीकी दिक्कत और क्रू मेंबर की भारी कमी से उपजा समस्या का प्रयागराज पर दूसरे दिन भी असर पड़ा। यहां दो उड़ानें रद्द की गईं। सुबह, दिल्ली से प्रयागराज आने वाली इंडिगो की उड़ान रद्द रही। कानपुर में छह उड़ानें रद्द की गईं।

गोरखपुर के रहने वाले अनुराग मिश्र की शादी दो दिन पहले ही हुई। शनिवार को उनका रिसेप्शन श्रीनगर



लखनऊ में शुक्रवार को चौधरी चरण सिंह अमौसी एयरपोर्ट पर विमान निरस्त होने के कारण परेशान आपर्णा वत्स व आशी • जागरण

में होना था। लखनऊ से कनेक्टिंग विमान से उनके पूरे परिवार को शुक्रवार सुबह रवाना होना था। सड़क मार्ग से वह परिवार के साथ लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे। यहां पता चला कि विमान ही निरस्त हो गया है। इंडिगो के काउंटर पर लाइन लगकर वह कहते रहे कि मैं दूल्हा हूँ, मेरा कल रिसेप्शन है। कुछ तो कीजिए। लेकिन कोई रास्ता नहीं निकला। आखिर में वह परिवार के साथ अपनी कार से ही श्रीनगर सड़क मार्ग से रवाना हुए। वाराणसी में एयरपोर्ट पहुंचे दिल्ली जाने वाले यात्रियों को बाध्य होकर टैक्सी बुक करना पड़ी। दिल्ली के लिए प्रति यात्री 10,000 की दर से टैक्सियों वालों ने किराया वसूला। कुछ लोग शेयरिंग टैक्सी से गए।

बेंगलुरु की शालिनी की दोस्त की शनिवार को शादी है। एयरपोर्ट पहुंचने पर उन्हें उड़ान रद्द होने की जानकारी मिली। वह इस समारोह में

भाग नहीं ले सकेगी।

बहन की शादी के लिए पटना से लखनऊ आया परिवार निराश। पटना निवासी रीतेश की सगी बहन की शादी बड़ोदरा में शनिवार को है। पहले गुरुवार को इंडिगो की पटना-बड़ोदरा उड़ान निरस्त हुई तो एयरलाइन ने शुक्रवार को लखनऊ से अहमदाबाद की उड़ान का टिकट दे दिया। 20 हजार रुपये देकर कार से परिवार लखनऊ पहुंचा तो यहां अहमदाबाद की उड़ान निरस्त हो गई।

अयोध्या में इंडिगो की पांच फ्लाइटें हुई निरस्त, आगरा में भी संकट : तकनीकी और क्रू मेंबरों की कमी के कारण देश भर में प्रभावित हुई इंडिगो की उड़ानों का प्रभाव शनिवार को महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भी दिखा। इंडिगो की पांच फ्लाइटें निरस्त हो गईं। करीब साढ़े आठ सौ यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL

MUMBAI

6 DECEMBER 2025

Airport deploys additional manpower to tackle chaos

PTI

PUNE

Pune Airport on Friday said it has deployed additional manpower and strengthened coordination across all departments to manage passenger movement amid ongoing airline operational disruptions that have led to large-scale cancellations.

Airport officials said between midnight and 8am on Friday, a total of 16 IndiGo arrival flights and 16 IndiGo departure flights were cancelled, while one Nagpur-Pune flight was diverted to Hyderabad due to Flight Duty Time Limitations (FDTL).

Operations of other airlines remained normal, they added.

The airport said congestion at parking bays continued as several IndiGo aircraft remained stationed while awaiting operating crew, resulting in limited bay availability and causing sequential delays to subsequent arrivals and departures of multiple carriers.

"All airport teams remain fully mobilized across operations, terminal management, security, apron services and

passenger facilitation to ensure smooth functioning," the statement said.

Pune Airport said it is closely coordinating with airlines, ground handling agencies, Air Traffic Control, CISF and terminal service partners to manage congestion and assist passengers.

Airport authorities also expressed gratitude to travellers for their patience during the disruption.

In a statement, IndiGo said Friday should be the day with the highest number of cancellations.

"Today should be the day with highest number of cancellations, as we are doing all that is necessary to reboot all our systems and schedules for progressive improvement starting tomorrow," it said in a post on X.

"Short term proactive cancellations are being made to ease operations, decongest the airports to prepare for starting stronger tomorrow," the airline added.

Hundreds of flights have been cancelled and delayed, leaving passengers stranded at airports as the flight disruptions continued for the fourth day on Friday.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN

DELHI

7 DECEMBER 2025

नोएडा एयरपोर्ट जा रही ईंधन की लाइन का विरोध

बल्लभगढ़, संवाददाता। बल्लभगढ़ के गांव प्रह्लादपुर में शनिवार को ग्रामीणों ने जेवर एयरपोर्ट तक बिछाई जा रही ईंधन की पाइपलाइन का काम रुकवाकर हंगामा किया। किसान उचित मुआवजे की मांग कर रहे थे। इस दौरान किसानों की पुलिस से नोकझोंक भी हुई। बाद में अधिकारियों ने किसानों को समझाया तब जाकर काम शुरू हो सका।

शनिवार सुबह दस बजे बीपीसीएल कंपनी के कर्मचारी गांव प्याला से नोएडा एयरपोर्ट तक एयरक्राफ्ट टरबाइन फ्यूल की पाइपलाइन डालने का काम शुरू करने पहुंचे थे। बीपीसीएल कंपनी के कर्मचारियों ने जैसे ही जेसीबी से काम करना शुरू किया तभी काफी संख्या में ग्रामीण भीके

ग्रीवेंस कमेटी में उठा था मुद्दा

प्रह्लादपुर सहित सागरपुर आदि के ग्रामीणों ने मुआवजा बढ़ाने को लेकर ग्रीवेंस कमेटी में मुद्दा उठाया था। उन्होंने अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि यदि उन्हें उचित मुआवजा नहीं मिलेगा तो वह काम नहीं होने देंगे। उस दौरान प्रशासन-कंपनी द्वारा बातचीत कर हल निकालने का भरौसा दिया गया था।

पर आ गए और उन्होंने विरोध करना शुरू कर दिया। ग्रामीणों की मांग थी कि उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए। किसानों ने कहा कि इस संबंध में प्रशासनिक अधिकारियों और कंपनी के अधिकारियों के बीच लिखित बातचीत हो चुकी है, लेकिन मुआवजा अभी तक नहीं मिला है।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES

DELHI

7 DECEMBER 2025

Hindustan Times

Days after cancellations, hunt still on for missing bags at IGI

Ashya Khosla

NEW DELHI: Amid the ongoing chaos at airports across India due to flight cancellations by airline operator Indigo, passengers who had checked in for their flights continued to scramble to find their bags for their baggage at the Indigo lounge last weekend. Airport authorities said...

Many passengers had reported that their baggage was not in the terminal building days after they checked in.

My Chennai Director had been confident that my bag was already checked in Saturday (Friday), when he was allowed back inside to find our baggage, there were three bags of mine from different flights, all packed together in front of each bag. A huge crowd of people was there, all searching for their bags. It was impossible for us to find anything," said Anurag Kumar, 42.

On Saturday afternoon, one bag was not in the terminal building. It was not in the terminal building. It was not in the terminal building. It was not in the terminal building.

Passengers on Saturday spent hours at the airport's baggage claim area, searching for their missing luggage. Many passengers were frustrated and angry. Some passengers were even taking to social media to vent their frustration. The airport authorities were overwhelmed by the situation and were unable to provide any help. The passengers were left to fend for themselves. The airport authorities were unable to provide any help. The passengers were left to fend for themselves.



Passengers on Saturday spent hours at the airport's baggage claim area, searching for their missing luggage.

...searched by airline operator Indigo, thousands of passengers across the country had to wait for hours at their respective airports. Many passengers were frustrated and angry. Some passengers were even taking to social media to vent their frustration. The airport authorities were overwhelmed by the situation and were unable to provide any help. The passengers were left to fend for themselves.

The new system, based on global standards, was supposed to be a better one. It was supposed to be a better one. It was supposed to be a better one. It was supposed to be a better one.

...negatively affected due to the crisis. The passengers were frustrated and angry. Some passengers were even taking to social media to vent their frustration. The airport authorities were overwhelmed by the situation and were unable to provide any help. The passengers were left to fend for themselves.

...from the terminal building. Another passenger, Anurag Kumar, said that he was supposed to go to Pune on Saturday for a meeting, but could not do so as his flight was cancelled. He had to wait for his baggage at the terminal building. He had to wait for his baggage at the terminal building. He had to wait for his baggage at the terminal building.

A similar situation was unfolding at the Indigo lounge at the terminal building. The passengers were frustrated and angry. Some passengers were even taking to social media to vent their frustration. The airport authorities were overwhelmed by the situation and were unable to provide any help. The passengers were left to fend for themselves.

"I have been stuck here with my 1-year-old daughter since Saturday, after my connecting flight to Pune was cancelled. Since then, I have been wondering how the airport is going to get things back to normal. I am still waiting for my baggage, which I still have not found, and at the same time, I am still waiting for my daughter to get home. It is a very stressful situation. I am still waiting for my baggage, which I still have not found, and at the same time, I am still waiting for my daughter to get home. It is a very stressful situation.

Multiple passengers said that while they did not have any direct connection to their baggage, it would still be a huge loss if they did not recover them. My wife and I were going on a holiday, which is now cancelled. Our luggage had stolen, meaning, after several days, nothing would be left. A man at the Indigo lounge said regarding baggage...

Chaos persists as IndiGo cancels 166 flights from Chennai airport

56 flights were delayed, with flyers forming long queues to cancel their tickets, get refunds, or seek updates; as IndiGo handles majority of flights at the airport, there were few options with other airlines, and those available were overpriced

PORT CALL

Sunitha Sekar
CHENNAI

A total of 166 IndiGo flights were cancelled at the Chennai airport and 56 were delayed as of Friday midnight, leaving hundreds of passengers high and dry. The airport saw serpentine queues, with passengers waiting to cancel their tickets, get refunds, or seek updates on flight schedule.

Subendo Majumdar had come to the city from Siliguri for his wife's treatment at a private hospital and was to return home. "I had a flight to Bagdogra, and from there, I was to travel to Siliguri. After I reached the airport, I was informed of the cancellation. We have been sitting at the airport ever since, wondering what to do," he added.

Many were frustrated as there was no information on whether the delayed flights would take off or if they would be accommodated on another flight.

'Absolutely unfair'

Lalitha Krishnan, a resident of Mumbai, said, "It is absolutely unfair that we have been subjected to such suffering. Now, we cannot afford another flight and will have to take a train to Mumbai tonight."

Gyanindra Mishra came from Mumbai to Chennai



Frustrated lot: Passengers were stranded for hours at the city airport on Friday, amid the cancellations and lack of clarity regarding the schedule of delayed flights. B. VELANKANNI RAI

on Thursday for a seminar, and had packed his bags, hoping to return by Friday evening. While he anticipated delays, he was not expecting what unfolded at the city airport. "I left for the airport because the flight status showed 'on time.' Only after I arrived did I learn that hundreds of passengers were stuck here, as all flights had been cancelled. The airline has misled passengers like me," he said.

Flight fares soar

Several passengers must now pay steep fares to reach their destinations, take a train, bus, or cab, or cancel their journeys. Since IndiGo handles the majority of flights at Chennai Airport's T1 terminal, there were few options with other airlines to travel to different cities, and

those that were available were extremely expensive.

Mr. Mishra, for instance, plans to take a cab to Tirupati at a cost of ₹7,000 and spend nearly ₹30,000 for a flight from Tirupati to Mumbai on Saturday.

At 3.30 p.m. on Friday, flight prices were so high that, for a passenger looking to travel to Bengaluru, there was only one other non-stop flight option at 7.25 p.m. with another airline, costing ₹25,000.

A direct flight to Mumbai, which would normally cost between ₹5,000 and ₹6,000, was priced at ₹29,000 from Chennai.

A flight by another airline to New Delhi on Saturday showed a one-way fare ranging from ₹20,000 to ₹72,000. On Friday, there were no other direct flights available from Chennai to New Delhi with any airline.

The available options included stopovers at destinations such as Dubai and Colombo.

Roshan Kumar, another passenger from Patna who has to travel to Bengaluru for work, has been stranded at Chennai airport for over 10 hours. "Since I could not get a direct flight, I booked a Patna-Chennai-Bengaluru flight for ₹20,000 yesterday. Now, my flight has been cancelled, and when I checked with another airline, they said it would cost ₹17,000. How can I afford this?" he asked.

S. Jeyasekaran of the Travel Agents Association of India (TAAI) said flight fares are through the roof, and passengers who have to fly urgently and cannot postpone their trips have ended up paying exorbitant prices. "One of our

clients had to fly from Mumbai to Chennai. Ideally, a normal flight fare would cost only ₹7,000, but because of the last-minute cancellation of the IndiGo flight, he had to book another for ₹12,000," he said.

He said a significant number of flights from Chennai's T1 domestic terminal were operated by IndiGo, and if there was more competition and available flights, passengers would not have been subjected to such hassles.

On Friday, IndiGo CEO Pieter Elbers said: "I, on behalf of all of us at IndiGo, would like to extend our sincerest apologies for the major inconvenience this has caused to many of our customers on account of delays or cancellations."

"Given the size, scale and complexity of our operations, it will take some time to return to full normalcy, which we anticipate [to achieve] between December 10 and 15," he added.

'PM should intervene'

In view of the cancellation of numerous IndiGo flights across the country, Chairman of Non-Resident Tamils Welfare Board Karthikeya Sivasenapathy has urged for the Prime Minister's intervention, saying "there has been no accountability, no transparent communication, and no urgency in response from the Union Ministry or Cabinet."

Chaos persists as IndiGo cancels 166 flights from Chennai airport

56 flights were delayed, with flyers forming long queues to cancel their tickets, get refunds, or seek updates; as IndiGo handles majority of flights at the airport, there were few options with other airlines, and those available were overpriced

PORT CALL

Sunitha Sekar
CHENNAI

A total of 166 IndiGo flights were cancelled at the Chennai airport and 56 were delayed as of Friday midnight, leaving hundreds of passengers high and dry. The airport saw serpentine queues, with passengers waiting to cancel their tickets, get refunds, or seek updates on flight schedule.

Subendo Majumdar had come to the city from Siliguri for his wife's treatment at a private hospital and was to return home. "I had a flight to Bagdogra, and from there, I was to travel to Siliguri. After I reached the airport, I was informed of the cancellation. We have been sitting at the airport ever since, wondering what to do," he added.

Many were frustrated as there was no information on whether the delayed flights would take off or if they would be accommodated on another flight.

'Absolutely unfair'

Lalitha Krishnan, a resident of Mumbai, said, "It is absolutely unfair that we have been subjected to such suffering. Now, we cannot afford another flight and will have to take a train to Mumbai tonight."

Gyanindra Mishra came from Mumbai to Chennai



Frustrated lot: Passengers were stranded for hours at the city airport on Friday, amid the cancellations and lack of clarity regarding the schedule of delayed flights. B. VELANKANNI RAJ

on Thursday for a seminar, and had packed his bags, hoping to return by Friday evening. While he anticipated delays, he was not expecting what unfolded at the city airport. "I left for the airport because the flight status showed 'on time.' Only after I arrived did I learn that hundreds of passengers were stuck here, as all flights had been cancelled. The airline has misled passengers like me," he said.

Flight fares soar

Several passengers must now pay steep fares to reach their destinations, take a train, bus, or cab, or cancel their journeys. Since IndiGo handles the majority of flights at Chennai Airport's T1 terminal, there were few options with other airlines to travel to different cities, and

those that were available were extremely expensive.

Mr. Mishra, for instance, plans to take a cab to Tirupati at a cost of ₹7,000 and spend nearly ₹30,000 for a flight from Tirupati to Mumbai on Saturday.

At 3.30 p.m. on Friday, flight prices were so high that, for a passenger looking to travel to Bengaluru, there was only one other non-stop flight option at 7.25 p.m. with another airline, costing ₹25,000.

A direct flight to Mumbai, which would normally cost between ₹5,000 and ₹6,000, was priced at ₹29,000 from Chennai.

A flight by another airline to New Delhi on Saturday showed a one-way fare ranging from ₹20,000 to ₹72,000. On Friday, there were no other direct flights available from Chennai to New Delhi with any airline.

The available options included stopovers at destinations such as Dubai and Colombo.

Roshan Kumar, another passenger from Patna who has to travel to Bengaluru for work, has been stranded at Chennai airport for over 10 hours. "Since I could not get a direct flight, I booked a Patna-Chennai-Bengaluru flight for ₹20,000 yesterday. Now, my flight has been cancelled, and when I checked with another airline, they said it would cost ₹17,000. How can I afford this?" he asked.

S. Jeyasekaran of the Travel Agents Association of India (TAAI) said flight fares are through the roof, and passengers who have to fly urgently and cannot postpone their trips have ended up paying exorbitant prices. "One of our

clients had to fly from Mumbai to Chennai. Ideally, a normal flight fare would cost only ₹7,000, but because of the last-minute cancellation of the IndiGo flight, he had to book another for ₹12,000," he said.

He said a significant number of flights from Chennai's T1 domestic terminal were operated by IndiGo, and if there was more competition and available flights, passengers would not have been subjected to such hassles.

On Friday, IndiGo CEO Pieter Elbers said: "I, on behalf of all of us at IndiGo, would like to extend our sincerest apologies for the major inconvenience this has caused to many of our customers on account of delays or cancellations."

"Given the size, scale and complexity of our operations, it will take some time to return to full normalcy, which we anticipate [to achieve] between December 10 and 15," he added.

'PM should intervene'

In view of the cancellation of numerous IndiGo flights across the country, Chairman of Non-Resident Tamils Welfare Board Karthikeya Sivasenapathy has urged for the Prime Minister's intervention, saying "there has been no accountability, no transparent communication, and no urgency in response from the Union Ministry or Cabinet."



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

MILLANIUM POST

DELHI

7 DECEMBER 2025

Govt: Normalcy restored at airports across country

MUMBAI: Normalcy is restored at airports across the country and all necessary facilities are being provided to passengers, the Civil Aviation Ministry said on Saturday.

Amid massive disruptions in flight operations due to crew shortage, IndiGo cancelled hundreds of flights, including 1,600 on Friday and over 800 on Saturday, since the crisis started earlier this week, leaving thousands of passengers stranded at airports across the country.

IndiGo operates 2,300 flights across the country in a day. "Normalcy is restored at airports across the country and all necessary facilities are provided to passengers. Check-in and check-out are happening smoothly," the ministry said.

Meanwhile, Mumbai International Airport Ltd (MIAL) said it has made arrangements to accommodate 25 grounded IndiGo aircraft at its facility.

In a statement, MIAL further said it has implemented a range of initiatives to support passengers stranded at the ter-

minal due to flight cancellations and operational disruptions.

These measures have been implemented to enhance passenger comfort, provide clear information and ensure seamless logistics management during these challenging circumstances, MIAL said.

According to MIAL, additional chairs have been placed at multiple locations across both terminals (T1 and T2) to ensure passengers have ample seating while waiting while complimentary refreshments are being served to stranded passengers to help ease their wait. Besides this, additional duty terminal managers and customer service executives have been deployed at both terminals to facilitate passenger movement and cater to their needs, MIAL said.

It also said that airport concessionaires/outlets have been instructed to maintain sufficient supplies of food and beverages for passenger convenience. The airport is also actively monitoring product pricing to ensure fairness.

AGENCIES



Corporate Communications Directorate

MILLANIUM POST

KOLKATA

6 DECEMBER 2025

Mass IndiGo flight cancellations put city airport pax in the lurch

OUR CORRESPONDENT

KOLKATA: Flight operations at Kolkata Airport faced renewed disruption on Friday as IndiGo reportedly cancelled 47 flights through the day, according to the updated list shared by airport sources at the time this report was filed.

The cancellations cover departures scheduled between 3:15 AM and 4:30 pm, affecting flights to Mumbai, Delhi, Hyderabad, Goa, Bengaluru, Imphal and several other destinations.

The fresh cancellations come on top of irregularities reported across the past two days. According to airport data for December 4 (12:00 AM–11:59 PM), IndiGo had 22 arrivals and 17 departures cancelled (total 39 cancellations) and 81 arrivals and 78 departures delayed (total 159 delays).



Stranded passengers at Kolkata airport, on Friday PIC/PTI

For December 5 (12:00 am–9:00 am), the airline reported 8 arrivals and 18 departures cancelled (26 cancellations total) and 13 arrivals and 13 departures delayed (total 26 delays). The updated afternoon list of 47 cancellations reflects additional flights cancelled today beyond the morning data.

Across the period Decem-

ber 3 to December 5 (till 9:00 am), IndiGo recorded a total of 92 cancellations and 320 delays at Kolkata Airport, out of 468 scheduled flights.

Airport officials said Friday's final disruption count may rise further as more schedule changes are expected through the evening. Passengers reported long queues, repeated rebooking attempts and limited availability on alternate flights due to ongoing operational constraints.

Many among the passengers reportedly said they were informed of cancellations after reaching the airport. Others said the delays stretched for hours before the final cancellation notice came through. At one point, travellers were told to take connecting flights through other cities, only to find those too had been cancelled.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

SWATANTRA BHARAT

LUCKNOW

6 DECEMBER 2025

कई हवाई अड्डों से इंडिगो की सभी उड़ानें कैसिल

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन का परिचालन संकट शुक्रवार को और गहरा गया और कई हवाई अड्डों से एयरलाइन ने सभी उड़ानें रद्द कर दीं। अभी यह संकट कुछ दिनों तक और जारी रहेगा। ऐसे में लाखों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। एयरलाइन ने माना है कि वे करू की

■ एयरलाइन ने सरकार से मदद की गुहार लगाई

समस्या का अंदाजा नहीं लगा सके और योजना बनाने के स्तर पर उनसे गलती हुई। अब एयरलाइन ने सरकार से 10 फरवरी तक नियमों में छूट देने की गुहार लगाई है। दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली सभी फ्लाइट्स को कैसिल कर दिया गया है। इससे पहले शुक्रवार को सुबह करीब 11 बजे तक देशभर में इंडिगो की 400 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो चुकी थीं। इनके अलावा बड़ी संख्या

में उड़ानों में देरी भी हुई है। इनमें दिल्ली हवाई अड्डे पर 200 से ज्यादा फ्लाइट्स कैसिल हुई थी। साथ ही बंगलूरु हवाई अड्डे पर 100 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं। हैदराबाद एयरपोर्ट पर भी 90 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुई हैं। इनके अलावा देश के अन्य हवाई अड्डों पर भी कई उड़ानों में देरी हुई है। इंडिगो ने चेन्नई हवाई अड्डे से भी शुक्रवार शाम 6 बजे तक उड़ान भरने वाली सभी फ्लाइट्स कैसिल कर दीं। उड़ानें रद्द होने का इंडिगो के ऑन टाइम परफॉर्मेंस पर बुरा असर पड़ा और गुरुवार को देश के छह प्रमुख हवाई अड्डों पर यह सिर्फ 8.5 प्रतिशत रहा। परिचालन समस्या शुरू होने से पहले अक्टूबर में इंडिगो का ऑन टाइम परफॉर्मेंस करीब 85 प्रतिशत था। इससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि इंडिगो का परिचालन कितनी बुरी तरह से प्रभावित हुआ है।

इंडिगो ने कहा- अगले दो-तीन दिन और बनी रहेगी समस्या

एयरलाइन ने कहा है कि ठंड के मौसम में जब धुंध और भीड़ रहती है, तब करू की कमी की समस्या और गंभीर हो गई। इंडिगो ने कहा है शेड्यूल को स्थिर करने की कोशिशें अगले दो-तीन दिन और जारी रह सकती हैं। जिससे और उड़ानें कैसिल होंगी। हालांकि 8 दिसंबर से एयरलाइन अपने फ्लाइट ऑपरेशन कम कर देगी, जिससे उड़ानें रद्द होने की समस्या कम हो सकती है।

- Govt orders fare cap, refunds by today evening
- Deviation from norms will attract action: Naidu

Govt planning big IndiGo crackdown

AGE CORRESPONDENT
NEW DELHI, DEC. 6

Taking note of the surge in ticket prices amid the IndiGo crisis, the Union government on Saturday capped airfares in the range of ₹7,500 to ₹18,000 depending on the distance with immediate effect. Besides a slew of measures, the government has also directed IndiGo to refund passengers' money for cancelled flights by Sunday evening. The government, according to reports, is also likely to crack down on the IndiGo management for the fiasco.

Meanwhile, flight operations disrupted due to the IndiGo crisis are slowly improving, with the airline saying over 95 per cent of network connectivity has already been re-established. The government said normalcy is restored at airports across the country and all check-ins and check-outs are happening smoothly.

The ministry of civil aviation (MoCA) said it has taken "serious note" of concerns regarding "unusually high airfares"



Passengers check updates on the display board at Terminal 1 of the Indira Gandhi International Airport in New Delhi on Saturday. — PRITAM BANDYOPADHYAY

being charged by certain airlines amid the IndiGo crisis and has invoked its regulatory powers to ensure fair and reasonable fares across all affected routes.

An official directive has been issued to all airlines mandating strict adherence to the fare caps that have now been prescribed. These caps will remain in force until the situation fully stabilises and exclude the user development fee, passenger service fee and taxes on air tickets.

"Taking note of the unreasonable surge in fares due to disruptions in flight operations of IndiGo, the ministry of civil aviation has directed all airlines to maintain strict adherence to prescribed fare caps. The airlines have been asked to extend maximum possible support to affected passengers, including alternate flight options where feasible," said MoCA minister K. Ram Mohan Naidu.

The minister added the

■ Turn to Page 4

Govt planning big IndiGo crackdown

■ Continued from Page 1

government has directed IndiGo to clear all pending passenger refunds without delay and mandated that the refund process for all cancelled or disrupted flights must be fully completed by 8 pm on Sunday.

"The ministry has directed IndiGo to ensure that all baggage that was separated from passengers due to cancellations or delays is traced and delivered to the passenger's residential or chosen address within the next 48 hours. Oversight has been strengthened to ensure zero inconvenience to passengers, with special focus on senior citizens, differently-abled passengers and those requiring urgent travel," Mr Naidu further said.

Under the airfare limits, for a flight flying up to 500 km, the fares are capped at ₹7,500 and for 500-1,000 km, the ticket price cap is ₹12,000. For flights operating 1,000-1,500 km, the fares are limited at ₹15,000 and for above 1,500 km, the cap is ₹18,000. These fare limits, excluding applicable charges, are not applicable for business class and Udan flights. Airlines have been asked to avoid steep or unusual upward fare revisions on sectors affected by cancellations.

"The ministry will continue to closely monitor fare levels through real-time data and active coordination with airlines and online travel platforms. Any deviation from the

prescribed norms will attract immediate corrective action in the larger public interest," Mr Naidu said. Airlines like Air India said they are looking to add capacity to help passengers impacted by the IndiGo flight disruptions. Both Air India and Air India Express have put in place caps on economy class fares. It added that since December 4, economy class airfares on non-stop domestic flights have been proactively capped to prevent the usual demand-and-supply mechanism from being applied by revenue management systems.

Meanwhile, IndiGo operations slowly started limping back after five days of paralysis. IndiGo said it is working determinedly to bring its operations back on track across the network. "Today, we are on our way to operate over 1,500 flights by the end of the day. With regards to destinations, over 95 per cent of network connectivity has already been re-established, as we are able to operate to 135 out of the existing 150 destinations in operation," an IndiGo spokesperson said on Saturday.

According to reports, the government is likely to launch an unprecedented crackdown on IndiGo, including a heavy financial penalty after the airline's chaotic handling of the new rules for pilots' rest hours led to mass cancellations and stranded thousands of passengers across the country.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA

DELHI

7 DECEMBER 2025

पांचवें दिन भी संकट बरकरार... देशभर में हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी का माहौल इंडिगो की 800 से अधिक उड़ानें रद्द, सांसत में यात्री

मनमानी पर अंकुश

सरकार ने तय की किराये की सीमा-500 किमी के 7,500 रुपये ही वसूल सकेंगी विमानन कंपनियां । आज रात तक यात्रियों को रिफंड व 48 घंटे में सामान सौंपे इंडिगो

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी पर्यटन विमान सेवा प्रदाता इंडिगो का संकट पांचवें दिन भी बराबर रहा। शनिवार को एयरलाइन की 800 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं। इससे देशभर में हजारों यात्रियों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। संकट के समय में विमानन कंपनियों को ओर से किराये में असाधारण वृद्धि को देखते हुए सरकार ने दूरी के हिसाब से हवाई किराये की अधिकतम सीमा भी तय कर दी है। सभी कंपनियों को इसका सख्त से पालन करने का निर्देश दिया है। कंपनियां 500 किमी के लिए 7,500 रुपये से अधिक किराया नहीं वसूल सकेंगी। यह सीमा सभी प्रकार की बुकिंग पर लागू होगी, चाहे खरीदारी सीधे एयरलाइन की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से की गई हो या विभिन्न ऑनलाइन ट्रेवल एजेंटों के प्लेटफार्मों के माध्यम से।



तस्वीरें बयां कर रहीं हालात

शुक्र, सरकार ने इंडिगो को उड़ानों के रद्द होने से प्रभावित होने वाले यात्रियों को ठीक-ठाक रात तक पूरा किराया और 48 घंटों के भीतर उनके सामान वापस करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने बताया कि अकेले चार प्रमुख शहरों दिल्ली, मुंबई, बंगलुरु और हैदराबाद हवाई अड्डों पर ही इंडिगो की 400 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं हैं। सबसे ज्यादा बंगलुरु से 124, मुंबई में 109, दिल्ली में 106 और हैदराबाद में 69 उड़ानें रद्द हैं। इंडिगो संकट से देशभर में उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ है। हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी का माहौल है। यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

घंटों इंतजार, बच्चों परेशान, रो पड़े यात्री, कड़वा गुस्सा... देशभर में इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से यात्री संसत में हैं। उन्हें हवाई अड्डों पर घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। इससे चुपचाप और बच्चे सबसे ज्यादा परेशान हैं। अहमदाबाद में तो एक लड़की हालात से हारकर रोने लगी। वहीं, मुंबई में कई यात्री आपा खोते नजर आए।

पीएम मोदी ने ली हालात की जानकारी...इंडिगो के सीईओ को मिला नोटिस

इंडिगो संकट पर पीएम नरेंद्र मोदी की नजर है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने पीएम को हालात की जानकारी दी है। पीएमओ इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स से भी सीधे संपर्क में है। नागरिक उड्डयन मंत्री के रामभद्रान नायर ने इतिहास की पुस्तक के साथ बैठक की। सूत्रों के अनुसार, एल्बर्स ने हालात सामान्य करने के लिए सरकार से करीब दस दिनों की मोहलात मांगी है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो के सीईओ एल्बर्स को कारक बताते नोटिस जारी कर 24 घंटे में जवाब मांगा है। नोटिस के मुताबिक, प्रबंधन में खामियां जर्जर हैं। मुख्य विमानन अधिकारी (सीजेओ) इमिग्रेडो चेरवलेरस को भी नोटिस दिया गया है।

84 विशेष ट्रेनें... इंडिगो संकट के बीच यात्रियों को राहत के लिए रेलवे सभी जोड़ों में 84 विशेष ट्रेनें चलाएगा। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बंगलुरु, पटना व हावड़ा जैसे स्टेशनों से थारो और 104 चक्कर लगाएगी। राजधानी और शताब्दी में अतिरिक्त कोच जोड़े हैं।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सीधी उड़ानों पर हवाई किराये की सीमा तय की...

दूरी	हवाई किराया
500 किमी	7,500 रुपये
500-1,000 किमी	12,000 रुपये
1,000-1,500 किमी	15,000 रुपये
1,500 किमी से अधिक	18,000 रुपये

Mumbai to New Delhi, 7 Dec

Air India	01.00	03.15	₹ 34,222
IndiGo	01.00	03.15	₹ 34,222

बुकिंग टाइम है सबसे कम

गोंडवीली पर एयर इंडिया का दिल्ली से मुंबई का किराया 16,000 से 36,000 तक लिफ्ट रहा है। स्पार्टनजेट भी 34,000 किराया वसूल रही है।

कोलकाता-मुंबई के लिए 90 हजार तक बसूने थे... इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से अन्य कंपनियों ने शुक्रवार को कोलकाता-मुंबई की सीधी उड़ान का 90,000 रुपये तक किराया वसूल था।

यात्रा पुनर्निर्धारित करने पर अतिरिक्त शुल्क नहीं... नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो को उड़ानें रद्द होने की स्थिति में यात्रियों को पूरा पैसा स्टेटाने का निर्देश दिया है।
● यात्रा पुनर्निर्धारित करने वाले यात्रियों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लेने का भी निर्देश दिया है।
● उड़ान रद्द या देरी पर यात्रियों को अगले 48 घंटों में उन्हें सामान सौंप देने को कहा गया है।

amarujala.com

अमर उजाला

नई दिल्ली
शुक्रवार, 7 दिसंबर 2025

इंडिगो फ्लाइट्स रद्द होने से अप्रत्याशित अव्यवस्था

अव्यवस्था से नाराज दिखे यात्री, कहा-किराये का रिफंड केवल नाम मात्र का कर रहे



फ्लाइट रद्द, परेशानियों ने भरी उड़ान लोग बोले, एयरपोर्ट बना रेलवे प्लेटफार्म

इंडिगो की फ्लाइटें लगातार कैंसिल होने से बड़ी परेशानी, यात्रियों की रातें कुर्सियों पर गुजरीं

अलग-अलग रूट के किरायों में अंतर

दिल्ली-पटना

- 5 दिसंबर: कोई सीधी फ्लाइट उपलब्ध नहीं, किराये सिर्फ 2 लाख पर।
- 6 दिसंबर: एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्पार्सजेट के टिकट 24,999 से 40,483 रुपये में।
- 7 दिसंबर: एयर इंडिया की फ्लाइट्स का किराया पटकर 17,273 रुपये तक।

पटना-दिल्ली

- 6 दिसंबर की इंडिगो की 5 फ्लाइट 19,000 से 25,000 रुपये में।
- 6 और 7 दिसंबर के लिए किराया 11,032 से 21,316 रुपये, संकट वाले दिनों में काफी कम।

मुंबई-पटना

- 6 दिसंबर को स्पार्सजेट की सीधी उड़ान 36,333 रुपये में।
- 7 दिसंबर को सीधी सेवा 21,109 रुपये तक घटती।
- एक सीधी वाली फ्लाइट्स 42,347 से 86,733 रुपये के बीच।

बंगलुरु-पटना

- 5 दिसंबर को किराया 72,000 रुपये पर कर गया था।
- 6 दिसंबर को इंडिगो की सीधी सेवा 11,290 और 23,040 रुपये में उपलब्ध।
- 7 दिसंबर को एयर इंडिया एक्सप्रेस की सीधी फ्लाइट 24,999 रुपये में।

दिल्ली/मुंबई-दरभंगा

- 6 और 7 दिसंबर को दिल्ली-दरभंगा का किराया 18,785 से 24,105 रुपये।
- एक सीधी वाली फ्लाइट्स 51,000 से 71,000 रुपये तक।
- मुंबई और बंगलुरु से दरभंगा 23,000 से 70,000 रुपये, 5 दिसंबर के 64,000 रुपये की तुलना में कुछ रहता।

क्यों हो रही हैं इतनी फ्लाइटें कैंसल?



नवंबर-दिसंबर में एयरलाइंस के लिए यह साल का सबसे व्यस्त समय माना जाता है। डीजेलीयर की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि सीधे एक साल में बीएसए, एटएफ की कार्य और टेक्निकल खर्चों को चलाने से 2,900 से ज्यादा फ्लाइटें कैंसल हुईं। इसके नवंबर 2024 में ही 1.2 लाख यात्रियों को फ्लाइट देर-कैंसलेशन का सामना करना पड़ा। वहीं इस बार इंडिगो ने तकनीकी कारण और ऑपरेशनल टिकटों का कारण कई उड़ानें रोक दी हैं, पर यात्रियों को अन्य पर जानकारी न मिलाना सबसे बड़ा परेशानी बन रहा है।

ज्योति मिश्रा

नई दिल्ली। कोई एयरलाइन देने का रास्ता था, कोई पहली बार अकेले सफर कर रहा था, कोई तीन साल की बच्ची को गोद में लेकर लड़कन में खड़ा था। यह सोना आईसीएल का है। जहां उसके दुपट्टे में बच्ची, बालक लोगों की उम्मीदें भी फंस गई हैं।

इन सबके बीच इंडिगो की लगातार कैंसिल फ्लाइटें और टिकटों के दाम में संशय की काल 120 फीसदी तक बढ़ती यात्रियों की मुसीबतें और भी बढ़ा रही हैं। अलग-अलग यह है कि लोग दिल्ली की इस उड़ान में कुर्सी पर रात बिताने को मजबूर हैं। इसके चलते उनका मुहल्ला भी घटती जा रहा है। हालांकि सरकार के इन्फोर्मेशन के बाद इन्फोर्मेशन पर फेरबदल कर रहा है। उम्मीद है कि इससे राहत मिलेगी।

तीन साल की बच्ची के साथ यहां फंसी हूँ

नवपुर के रहने वाले दोनो पुत्र और उनकी इस दिन पहली बार के साथ में इन्फोर्मेशन के बीच में फंसी हूँ। तीन दिनों के बाद दिल्ली के लिए निकली, जहाँ नवपुर जाना था। पूरा नै बताना कि दो रात 12-55 बजे इस दिल्ली एयरपोर्ट पर, उसके बाद रात दिसंबर को सुबह 4-40 बजे हमारी फ्लाइट थी।

घोड़ी हो दो में बैसिन आज कि फ्लाइट कैंसल हो गई है। तीन रातें तक मैं अपनी तीन साल की बच्ची को लेकर खड़ी बस में खड़ी रही, लकी फ्लाइट 'रिस्किलेस' बताना सही। इन्फोर्मेशन के लिए, लेकिन नहीं बने। जहाँ मुझे आज के 6-45 बजे की फ्लाइट मिली। हमने नवपुरन भी भी खोजकर कर लिया, लेकिन सुबह जानकारी मिली की पति की फ्लाइट फिर कैंसल हो गई है। और अब जहाँ 8 दिसंबर को फ्लाइट देने को कहा गया।

फ्लाइट कैंसिल होने से बिगड़ी परीक्षा की तैयारी

अनुभव बीकानेर की छात्र हैं और चंडीगढ़ में उनकी परीक्षा है। उनका पूरा परिवार दो दिनों से दिल्ली एयरपोर्ट पर अपनी फ्लाइट का इंतजार कर रहा है। अनुभव के पिता ने बताया कि इन दिनों में आ रहे हैं और हमें चंडीगढ़ जाना था, लेकिन दिल्ली आने का पता चला कि हमारी फ्लाइट कैंसल है। इसके बाद चंडी लड़कन में लगातार एक दिवस को फ्लाइट ली, लेकिन आज यह पता चला कि फ्लाइट रद्द हो गई है। अब हमें रोकना बस या फिर कैंसिल से पता होगा। क्योंकि चंडी की परीक्षा है, उनसे संपर्कित नहीं कर सकता। इन्फोर्मेशन के लिए अपनी फ्लाइट का इन्फोर्मेशन, बस से जाने का इंतजार करना सही है।



परीक्षा देने के लिए अनुभव को जाना है चंडीगढ़, लेकिन रात फंस गई है। अनुराग

पत्नी की पहली फ्लाइट वो भी इस तरह से

होमलवार्ड के रिजर्वेशन के रहने वाले अनुभव हरियाणा के पटौली में करीब हैं। उनकी पत्नी किशुन ने पिछले से दिल्ली के लिए फ्लाइट ली है, लेकिन वो सात घंटे देरी से है। अनुभव ने बताया कि उनकी पत्नी ने बस से भी बच्ची अकेले सफर नहीं किया है।

वह उनकी पत्नी फ्लाइट है, जो कि सात घंटे देरी से चलेगी। अनुभव ने कहा, कि मैं भूख से बिना कुछ खाए-पिए चली कुर्सी पर बैठा हूँ। जो मेरी पत्नी की फ्लाइट हो रही है, जो पैनल हो रही होगी। उनका पता अकेले सफर है।



फ्लाइट कैंसिल होने से फंसी मां-बेटी। अनुराग



लोगों की रातें दिल्ली बॉर्ड पर लगातार गुजरीं हैं। अनुराग

'किसी ने पानी तक नहीं दिया'

संवाद न्यून एजेंसी

नई दिल्ली। रात भर से कुर्सी पर बैठा हूँ, किसी ने पानी तक नहीं दिया। उड़ान के चलते रातभर परेशानी हुई, लेकिन किसी को कुछ पानी नहीं दिया। कुछ इस तरह की नाराजगी इंडिगो की फ्लाइटें कैंसिल होने पर आईसीएल पर चले यात्रियों ने जताई। उन्होंने कहा कि दो रात भूखे पेट इंतजार करना पड़ रहा है। साथ ही एयरपोर्ट पर अव्यवस्था की शिकायतें बढ़ा, न बैठने को पड़ती कुर्सी और न खाने-पाने की व्यवस्था। महिलाएं बच्चों, छोटे बच्चों को अव्यवस्था में संभालना किसी तप से काम नहीं। अपने तीन साल की बच्ची के साथ सफर कर रही कुछ महिला हैं कि रात कुर्सी पर से गुजरी है। तीन साल की बच्ची को लेकर चंडी नगरान किसी रात से काम नहीं। यहां आम-व्यस न खाने की कुछ है और न पाने से बेतुकी को। हमें तो लगा फ्लाइट है, लेकिन स्टेशन छोड़ी नहीं, बरना पता लेकर आते। काम से काम मेरी बच्ची को खाना तो मिलता। इसी उड़ान में इस बच्ची को लेकर कड़ा जाम। कार से हमें अंदर बैठने नहीं दे रहे हैं। मेरी पति रात से चंडी के लिए खाने के लिए कुछ लगाना रहे हैं। वहीं एक और महिला हैं जो कि चंडीगढ़ी से अपने एक साल के बच्चे के साथ अकेली सफर कर रही हैं। उनके बच्चे को तैम सुझाना भी है, अनुभव इसके पता दो दिनों से लगातार अपनी फ्लाइट का इंतजार कर रही हैं।

12 हजार का रिफंड दो हजार दे रहे

पूरा के पूरा रिफंड बताने हैं कि खाने-पाने और जल के अभाव में उनकी तीन साल की बच्ची रात भर नहीं सोई। वो बताते हैं, कि टिकट कैंसिल करके बस दो हजार दे रहे हैं, जो 12 हजार का दो हजार रिफंड दे रहे हैं, जो बच्चा का खाना है। वहीं दूसरी फ्लाइट करने पर पति कायरट टैग्स को पड़ रही है। हम तो जल में अटक रहे हैं। न पानी टिकट खरीद सकते हैं, और न ही कैंसिल करके इनका मुहल्ला कम है।

रेलवे प्लेटफॉर्म जैसा हुआ एयरपोर्ट

इन सब आईसीएल एयरपोर्ट के इंतजार कुछ दिनों हैं कि जो एयरपोर्ट काम और तेजी से खाल जमा कर आ रहा है। कुर्सी पर लोग, लड़कन में खड़े पानी, पैसे में एयरपोर्ट सफर इंतजार में बसता रहा। अव्यवस्था को कुर्सी पर रात खाने खाते और अलग करते नजर आए। दिल्ली एयरपोर्ट पर दो रात तक यात्रियों की भीड़ लगी रही। कई लोग कुर्सी पर बैठे पड़े, कुछ कंकाल से बच्ची को सुझाने हुए। एक कुर्सी वाले ने कहा इतना सफर इन्फोर्मेशन, पुनर्निर्माण कि सफर करने पर पता तो सफर, पैसे और सामान सब टॉप पर रख गए। रात भर उड़ान में बाधा खाना पड़ रहा है। हमें पैसे देने के बाद भी रिफंड चंडीगढ़ लौटने हो गई है। यहां जाम मिला रही है लोग वहीं इंतजार करके बैठ जा रहे हैं।

एयरलाइन संकट में सरकार की अक्षमता हुई उजागर : आप

नई दिल्ली। आप पार्टी ने कहा कि इंडिगो एयरलाइन संकट ने केंद्र की मोदी सरकार की अक्षमता को पूरी तरह उजागर किया है। आप ने विधानसभा सत्र, यात्रियों की सुविधा और कार्यवाही के अधिकारों के उल्लंघन को लेकर भी केंद्र सरकार पर तीव्र हमला किया है। राष्ट्रीय लोकतान्त्रिक आंदोलन ने कहा कि इंडिगो एयरलाइन संकट ने मोदी सरकार अक्षम है कि फिर इसकी किसी निलो बगल के साथ मित्रवत को दिखाते हैं। केला का इंतजार है। आम जनता को जो कष्ट हुए हैं, वे पहले काफी नहीं देखे गए। नवंबर प्रदर्श और बीस दिन प्रतीक विरोध में कहा कि इसकी यात्रियों को सुझाने को सुविधाएं करने में उलट एन और फ्लाइटों-दू सार्वभौम का शोषण किया। मुझे



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA

DELHI

7 DECEMBER 2025

एअर इंडिया हादसा : भारत और अमेरिका के जांचकर्ता अफसर अगले हफते मिलेंगे
नई दिल्ली। जून में हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच को आगे बढ़ाने के लिए भारत के जांचकर्ता अगले सप्ताह संयुक्त राज्य अमेरिका जाएंगे। वहां वे नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) के साथ अब तक जुटाए गए सबूतों पर चर्चा करेंगे। यह जानकारी ब्लूमबर्ग ने शनिवार को अपनी रिपोर्ट में दी है। एजेसी

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA

DELHI

7 DECEMBER 2025

देशभर में हवाई अड्डों पर अव्यवस्था से अफरा-तफरी

- सरकार का आदेश...आज रात तक रिफंड और 48 घंटों में सामान सौंपे इंडिगो
- 500 किमी के 7,500 रुपये ही यात्रियों से वसूल सकेंगी विमानन कंपनियां

पांचवें दिन भी इंडिगो की 800 से अधिक उड़ानें रद्द संकट की घड़ी में सरकार ने तय की किराये की सीमा

अमर उजाला नेटवर्क

तस्वीरें बयां कर रहीं हालात : घंटों इंतजार, बच्चे परेशान, रो पड़े यात्री...बढ़ रहा गुस्सा



इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से यात्री संकट में हैं। उन्हें हवाई अड्डों पर घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। इसमें बच्चों और बूढ़ों परेशान हैं। आगरा-मुंबई में तो एका लड़ाकी हालात से हारकर रोने लगी। वहीं, मुंबई में कई यात्री प्राण खोते नजर आए।

पीएम मोदी ने ली हालात की जानकारी...इंडिगो ने हालात सुधारने के लिए 10 दिनों की मांगी मोहलत

इंडिगो संकट पर पीएम मोदी की नजर है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने पीएम को पूरे हालात की जानकारी दी है। पीएम ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्ट से भी सीधे बात की है। उड़ानों को जल्द से जल्द सामान्य करने के लिए दबाव बढ़ाया जा रहा है। मुंबई के अड्डे पर, एयरलाइंस ने हालात सामान्य करने के लिए सरकार से कठोर टोन दिने की मांग रखी है।

(51 प्रस्थान, 58 आगमन), दिल्ली और हैदराबाद में 69 (43 प्रस्थान, 106 (54 प्रस्थान, 52 आगमन) 26 आगमन) उड़ानें शामिल हैं।

परिचालन बहाली पर काम तेज रिफंड में भी जुटे : इंडिगो

इंडिगो ने बयान में कहा कि वह परिचालन को बहाली पर लाने के लिए दृष्टान्तपूर्ण काम कर रही है। संकट को रद्द उड़ानों को संलग्न 650 से नीचे आ गई। बुकबंद को एक हजार उड़ानें रद्द हुई थीं। यात्री को बगल पर अपडेट के लिए हम सभी हवाई अड्डों व साइडरोडों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। एयरलाइंस ने कहा कि रिफंड के लिए वेबसाइट पर जा सकते हैं या यात्रा सहायता से संपर्क कर सकते हैं।

यात्रा पुनर्निर्धारित करने पर अतिरिक्त शुल्क नहीं

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो को उड़ानें रद्द होने की स्थिति में व्यवस्थित रूप से यात्रियों को पूरा पैसा लौटाने का निर्देश दिया है। इसके लिए एयरलाइंस से व्यवस्था बनाने को कहा गया है। यात्रा को पुनर्निर्धारित करने वाले यात्रियों से किसी तरह का अतिरिक्त शुल्क नहीं लेने का भी निर्देश है। उड़ान रद्द होने या देरी के कारण यात्रियों को आगे 48 घंटों के भीतर उन्हें उनके अड्डे सौंप देने को कहा गया है।

कोलकाता-मुंबई के लिए 90 हजार रुपये तक वसूले

इंडिगो को उड़ानें रद्द होने से अन्य विमानन कंपनियों समकक्ष किराया वसूलने लगी थी। कोलकाता-मुंबई की तुलना को सीधे उड़ान का किराया 90,000 रुपये तक पहुंच गया था। इसे देखते हुए नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने हवाई किराये की सीमा तय कर दी।

हवाई किराये की सीमा तय	
दूरी	किराया (₹. में)
500- किमी	7,500
500-1,000 किमी	12,000
1,000-1,500 किमी	15,000
1,500 किमी से अधिक	18,000

राहत के लिए 84 विशेष ट्रेनें चलाने का एलान

नई दिल्ली: देशभर में इंडिगो एयरलाइंस के कारण यात्रियों का संकट का रहे यात्रियों को राहत देने के लिए रेलवे ने अपने सभी जंशनों में 84 विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की। रेल मंत्रालय ने कहा है कि नई दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बंगलुरु, पटना और हावड़ा जैसे प्रमुख शहरों में रेल यातायात की स्थिति का अवलोकन करने के बाद इन ट्रेनें को व्यवस्था की गई है। या ट्रेनें 104 चक्कर लगाएंगी।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA

DELHI

7 DECEMBER 2025

इंडिगो की बदइंतजामी



बीते दिनों इंडिगो एयरलाइन की बदइंतजामी का खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ा। यह घटना साबित करती है कि हवाई यात्री कितने असहाय हैं। जरूरत है कि सरकार संकट के समय किराया नियंत्रण सुनिश्चित करे, एयरपोर्ट सुविधाएं बढ़ाए और यात्रियों के अधिकार मजबूत बनाए, ताकि ऐसी अव्यवस्था दोबारा न हो।

सैकड़ों फ्लाइट के रद्द होने और लंबे इंतजार की वजह से 2 और 3 दिसंबर 2025 का दिन इंडिगो एयरलाइन से यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों के लिए नाईटमेयर साबित हुआ, जिसका गवाह रहा भुवनेश्वर, मुंबई, बंगलूरु, अहमदाबाद, दिल्ली आदि एयरपोर्ट। एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी का माहौल था, न बैठने की व्यवस्था थी, न खाने की और न ही पेयजल का इंतजाम, मोबाइल चार्जिंग के लिए लंबी लाइन लगी थी, लोग जमीन पर बैठे व लेटे हुए थे, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन से भी बुरा हाल था। कुछ यात्री लंबे इंतजार और एयरपोर्ट पर कुव्यवस्था के कारण बीमार हो गए। उन्हें अस्पताल जाना पड़ा, बच्चों और महिलाओं की हालत बदतर और दयनीय थी। किसी की कनेक्टिंग फ्लाइट छूटी, तो किसी का ऑफिस तो किसी की बिजनेस मीटिंग, दूल्हा मंडप तक नहीं पहुंच पाया, कमरों की बुकिंग कैंसिल करनी पड़ी और कई दूसरी तरह

के नुकसान झेलने पड़े। मानसिक प्रताड़ना से भी गुजरना पड़ा। दूसरी तरफ गिद्ध की तरह दूसरे एयरलाइन्स यात्रियों की जेबों पर नजर गड़ाए हुए थे। भुवनेश्वर से मुंबई का किराया 15,000-48,000 रुपये तक पहुंच गया था। दूसरे शहरों के लिए भी किराया आसमान को छू रहा था। टैक्सी वाले मनमाना किराया वसूल रहे थे तो एयरपोर्ट के आस-पास स्थित होटलों ने भी बहती गंगा में हाथ धोते हुए कमरे का किराया बढ़ा दिया था। हवाई यात्री बेचारे और निरीह थे। इंडिगो एयरलाइन का कोई भी सीनियर अधिकारी मौके पर उपलब्ध नहीं था। जो थे, वे लगातार झूठ बोल रहे थे। भुवनेश्वर एयरपोर्ट पर फ्लाइट कैंसिल होने के बाद प्लान "बी" के तहत वैसे फ्लाइट में यात्रा करने के ऑफर यात्रियों को दिए गए, जो स्वीकार्य नहीं थे। यही नहीं, यात्रियों से लगातार से लगातार झूठ बोला गया और भ्रामक सूचना दी गई।

- सतीश सिंह, खुला आकाश

Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE

DELHI

7 DECEMBER 2025

Govt caps fares, asks IndiGo to clear refunds

CANCELLATION FALLOUT. Invokes regulatory powers to prevent opportunistic pricing as passengers face widespread disruption

Our Bureaus

New Delhi/Mumbai/Chennai/
Hyderabad/Bengaluru

The Centre has imposed a cap on airfares after taking cognisance of the unusually high tariffs, even as the embattled IndiGo cancelled around 850 flights on Saturday.

In addition, IndiGo has been directed to clear all pending passenger refunds without delay. Accordingly, the Ministry of Civil Aviation (MoCA) has mandated that the refund process for all cancelled or disrupted flights must be fully completed by Sunday 8 pm.

In terms of pricing, all domestic airlines have been directed to adhere to newly prescribed maximum fare limits of ₹7,500 for routes up to 500 km, ₹12,000 for 500-1,000 km, ₹15,000 for 1,000-1,500 km and ₹18,000 for sectors above 1,500 km.

Per the Ministry, these limits exclude user development fee, passenger service fee and taxes, and are not applicable to business class or RCS UDAN flights.

The move, said the Ministry, aims to ensure that passengers are not burdened with opportunistic pricing during the period of operational irregularities. Airlines have been instructed not to levy any rescheduling charges for passengers whose travel plans were affected by cancellations. Any delay or non-compliance in refund processing, the Ministry said, will invite immediate regulatory action.

REFUND CELLS

IndiGo has been instructed to set up dedicated passenger support and refund facilitation cells, which have been tasked to proactively contact affected passengers and ensure that refunds and alternative travel arrangements are processed without the need for multiple follow-ups.

"The system of automatic refunds will remain active until operations stabilise completely," the Ministry said.

Additionally, IndiGo has been directed to ensure that all baggage is traced and delivered to the pas-



GROUNDING. Travellers continue to throng the IndiGo counter for clarifications regarding their schedule even as few flights began operations on Saturday from the Chennai airport.

senger's residential or chosen address within the next 48 hours. The new directives came after MoCA invoked its regulatory powers on Saturday.

A press release from IndiGo said, "...we are on our way to operate over 1,500

flights by end of day. With regards to destinations, over 95 per cent of network connectivity has already been re-established as we are able to operate to 135 out of the existing 138 destinations in operations."

Reacting to the move on capping prices, an Air India spokesperson said, "Air India and Air India Express clarify that, since December 4, 2025, economy class airfares on non-stop domestic flights have been proactively capped to pre-

vent the usual demand-and-supply mechanism being applied by revenue management systems."

SpiceJet has said it plans to operate hundred extra flights over the next few days, while Goa-based regional airline Fly91 is adding extra flights to Hyderabad.

On its part, IndiGo said its customer refunds are being processed on priority and it is coordinating with airports and partners to ensure timely updates through terminals, its website and direct notifications.

Meanwhile, passengers continued to face hardships across airports. IndiGo cancelled 144 flights, including 74 departures and 70 arrivals by the evening in Hyderabad. In Bengaluru, the carrier cancelled 104 flights — 61 arrivals and 63 departures. IndiGo partially resumed services at the Chennai airport by flying to a few destinations like Pune, Ahmedabad, Port Blair, Coimbatore, Guwahati, Kolkata, Bhubuneshwar, Jaipur and Kochi.



Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE

DELHI

7 DECEMBER 2025

Air India caps economy fare, plans more flights for stranded IndiGo passengers

Our Bureau
Mumbai

Air India has capped economy-class fares on its non-stop domestic flights from Thursday and is looking to add capacity to cater to the needs of stranded travellers, the airline said on Saturday.

The statement comes as airfares skyrocketed after IndiGo cancelled scores of flights due to pilot roster-

ing issues. Air India and Air India Express said in the statement that economy-class airfares on non-stop domestic flights have been capped since Thursday to prevent revenue management systems from triggering the demand-and-supply mechanism.

"We are aware of screenshots of last minute itineraries with one-stop or two-stop flights or a combination of economy and premium economy or

business cabins taken from third-party platforms.

"It is not technically possible to cap all such permutations, but we are engaging such platforms to exercise oversight," Air India said.

MORE AIRLINES ACT

Other airlines, too, are adding flights to help stranded passengers. SpiceJet said it plans to operate 100 extra flights over

the next few days. Goa-based regional airline Fly91 will offer extra flights to Hyderabad.

"What happened is extremely unfortunate, and it has caused a huge amount of inconvenience to passengers...

"I am sure the government is working really hard to make sure the problem is resolved at the earliest," SpiceJet Chairman Ajay Singh told ANI on Friday.

Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR

DELHI

7 DECEMBER 2025

इंडिगो संकट पांचवें दिन 800 उड़ानें रद्द, 2 लाख यात्री प्रभावित, कई एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी

सरकारी दावा... किराये की सीमा तय की हकीकत... 250 किमी का फेयर 44 हजार

• इंडिगो को नोटिस, 24 घंटे में जवाब न दिया तो कार्रवाई

• रद्द उड़ानों का रिफंड आज रात 8 बजे तक देना होगा

• इंडिगो ने दावा किया 95% नेटवर्क कनेक्टिविटी बहाल

लापरवाही...

इंडिगो: 6,000 पायलट चाहिए थे, 400 की कमी दो साल में बाकी कंपनियों ने कू बहाया, इंडिगो अटकी रही
एन. विजयलक्ष्मी | नई दिल्ली

संवादकर्ता | नई दिल्ली

इंडिगो संकट रविवार को भी जारी रहा। पांचवें दिन इसकी 800 उड़ानें रद्द रही। रद्द होने वाले उड़ानों में 2 लाख यात्री प्रभावित हुए हैं। इससे देशभर के हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी का माहौल बना। वहीं, इंडिगो ने दावा किया कि 95% नेटवर्क कनेक्टिविटी बहाल हो चुकी है। एयरलाइन को कंपनी को 1600 उड़ानें रद्द हुईं थीं। देश के इतिहास में पहली बार एक दिन में एक साथ इतनी उड़ानें रद्द हुईं थीं।

कई एयरपोर्ट पर किराया 8 गुना तक बढ़ गया। इन्फ्लायर की कोलकाता-मुंबई कन-स्टीप इकोनॉमी टिकट ₹90,000 और एका इंडिया की मुंबई-मुम्बैनगर टिकट ₹84,445 की हो गई। इलाहाबाद से नाग विष्णुवन भंडारन ने दूरी के अलावा या किराया खींचा था। हालांकि, विशेषज्ञों ने बताया, किराया कानून उड़ानों के बीच फेयर था है। कनेक्टिविटी उड़ानें, साधारण और अन्य शुल्क किराया से कम है। ऐसे में, यात्रियों को ज्यादा किराया चुकाना पड़ा।

• रविवार को उड़ानों का रिफंड रविवार रात 8 बजे तक देना होगा। कनेक्टिविटी प्रभावित यात्रियों से रि-रूटिंग/रेटिंग प्रोग्राम भी नहीं ले सकेंगे।
• इंडिगो ने इंडिगो के एयरपोर्ट को संकट का जिम्मेदार ठहराते हुए नोटिस दिया: 24 घंटे में जवाब न देने पर कार्रवाई होगी। - रोष पैज 12 पर

परेशानी ऐसी कि आंसू निकल आए



मुंबई एयरपोर्ट



आमदावादा एयरपोर्ट

घरेलू रूट पर अधिकतम किराया सीमा 18 हजार

दूरी के अलावा या किराया पर बिजनेस क्लास या 'उड़ान' सेक्शन को यात्रियों पर लागू नहीं होगा। यह भी स्पष्ट नहीं कि रोजाना इकोनॉमी पर लागू है या प्रतिपात्र एकोनॉमी पर भी। फीस-चार्ज अलग है।

दूरी (किमी)	किराया सीमा
500	7,500
500-1,000	12,000
1,000 से 1,500	15,000
1,500 से ज्यादा	18,000

कई घरेलू रूट्स पर किराया कई गुना ज्यादा



- दिल्ली-मुम्बई की दूरी करीब 240 किमी है। किराया पैर ₹7,500 है। एयर इंडिया को रविवार रात 11:45 को कन-स्टीप फ्लाइट का इकोनॉमी क्लास का फेयर इनकी वेबसाइट पर ₹45,305 दिखा रहा था। वहीं, एयरलाइन मुम्बई एनो-स्टीप की उड़ान 3524 ₹ की है।
- दिल्ली-मुम्बई का औसत किराया 10,000-12,000 ₹ रहता था, जबकि रविवार को यह 55,000 से 70,000 रूपए तक गया।

लगेज 48 घंटे में घर पहुंचाने के निर्देश... पांच दिन से पंजाब यात्रियों के घेरे में जबरन रिया तै कई लाख इंडिगो यात्रियों से खबर हुई। दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और केरलक एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में यात्रियों का सन्तान नहीं मिल पाया। सहायता ने उड़ान रद्द होने या देरी होने से छूटे सभी लगेज 48 घंटे में घरों के भी पर पहुंचाने का निर्देश दिया है।

या जबकि इंडिगो एयर लिमिटेड (IIGL) नियंत्रण ने इंडिगो के मामले सबसे बड़ा परिष्कार संकट खड़ा कर दिया। दो साल का दुर्भाग्य परिष्कार बिजनेस के बावजूद इंडिगो ने पायलट बेस नहीं बढ़ाया, जबकि अन्य वैरियंटों ने होटल और फेयरवाय टोर्नो से-विजल का लिए। फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (FIA) का कहना है कि यह संकट नियंत्रण से नहीं, बल्कि इंडिगो की हायरिंग-प्रॉब्लम, ऑन-टोर्न और लॉन-स्टैबिल जैसी का परिणाम है। टोर्नोनेर ने जनवरी 2024 में पायलटों को बर्बाद कराने के लिए सोवेली सेट खींच कई नियम बदले। इन्हें लागू करने के लिए वे कल मिले। एक जनवरी से दूरवा फेज लागू हुआ तो इंडिगो कमीन पर आ गई।

• मार्च 2025 तक इंडिगो के पास 5,463 पायलट थे। रविवार को 410-420 विमानों का। औसतन 13 पायलट प्रति विमान। घुमने नियमों में यह 'टाइट रेजिडेंस क्लॉसे प्रोग्राम' था। नए नियम ने बाद 14-16 पायलट प्रति विमान जरूरी।
• 5,800 से 6,500 के बीच पायलट की जरूरत थी। ऐसे में न्यूनतम 400 से 1,000 तक की कमी आ गई। इसी पैर ने नेटवर्क को असंतुलित किया और जीवूटा केरलकान सन्ताने अलग।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU

DELHI

7 DECEMBER 2025

इंडिगो संकट से यात्री बेहाल

देशभर में हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी का माहौल

- शनिवार को भी 800 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं
- 3 दिन में 2 हजार से अधिक उड़ानें रद्द हो चुकीं



यात्रियों में लात-घूँसे चले एयरपोर्ट पर सूटकेस के ढेर लगे

शुक्र मंथर को कर्मियों का सामना कर रही इंडिगो एयरलाइन को फ्लाइट्स कैन्सिल होने से लगातार पांचवें दिन लोग परेशान हैं। कई जगह परेशान पैसेंजर्स ने जमकर हंगामा किया। एयरपोर्ट पर सूटकेस के ढेर पड़े हैं। 3 से 4 दिनों से लोगों को सामान नहीं मिला है। फ्लाइट का इंतजार कर रहे लोगों ने जमीन पर रात गुजारी। फ्लाइट कैन्सिल होने के चलते चैंगलुरु एयरपोर्ट पर यात्री रोते नजर आए। इधर लखनऊ एयरपोर्ट पर यात्री लाइन में खड़े होने के विवाद में आपस में भिड़ गए।

यात्रियों को पूरा रिफंड दे

मंत्रालय ने इंडिगो से कहा है कि वह बिना किसी देरी के सभी प्रभावित यात्रियों को पूरा रिफंड दे। रद्द या प्रभावित उड़ानों के मामले में रिफंड का काम रविवार 07 दिसंबर 2025 को रात आठ बजे तक पूरा करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही, इंडिगो संकट के प्रभावित यात्री अगर अपनी यात्रा की तारीख या समय में बदलाव करते हैं तो उनसे कोई रिशिद्यूएलिंग चार्ज न लेने की सलाह दी गई है। उनके बेरोज यात्री के घर पर या उनके द्वारा उपलब्ध कराए गए पते पर भिजवा दिए जाएं।

48 घंटे में सामान लौटाए

सरकार ने अधिकतम किराया तय किया

अब 500 किमी तक 7,500 लगेगे

संकट के कारण आसमान उठे हवाई किराए और यात्रियों को हो रही परेशानी को देखते हुए सरकार ने दूरी के हिसाब से अधिकतम किराया तय कर दिया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि 500 किमी तक की दूरी तक के लिए अधिकतम किराया 7,500 रुपए होगा। वहीं, 500 किमी से 1,000 किमी तक की दूरी के लिए किराए की सीमा 12,000 रुपए तय की गई है। एयरलाइंस 1,000 किमी से 1,500 किमी के लिए 15,000 रुपए से ज्यादा नहीं ले सकेंगी। वहीं, 1,500 किमी से ज्यादा की सभी दूरी के लिए अधिकतम किराया 18,000 रुपए तय किया गया है।

अधिक और 06 दिसंबर को 800 से ज्यादा उड़ानें रद्द रही हैं। शनिवार को दिल्ली में कम से कम 106, मुंबई में 109, चेन्नई में 50 से अधिक, अहमदाबाद में 62 और बhopal में 25 उड़ानें रद्द हुई हैं।

नई दिल्ली, 6 दिसंबर (देशबन्धु)। इंडिगो संकट से देशभर में यात्री बेहाल हैं। हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी का माहौल है। निजी विमान सेवा कंपनियों इंडिगो को शनिवार को देशभर में 800 से अधिक उड़ानें रद्द रहीं जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

एयरलाइंस ने आज एक मीटिंग को जारी एक बयान में बताया कि शनिवार को रद्द उड़ानों की संख्या घटकर 850 से कम रह गई है। उसने कहा है कि आने वाले दिनों में इस संख्या को और कम करने तथा परिचालन सामान्य करने के लिए वह प्रयासरत है।

स्टाफ की कमी से संकट गहराया

गत 1 नवंबर को फ्लाइट ड्यूटी संबंधी नए नियम लागू होने के बाद पायलट की कमी के कारण उड्डयन गह संकट दिसंबर आते-आते काफी गहरा गया। एयरलाइंस ने उड़ानों में लगातार चढ़ती देरी के बाद सैकड़ों की संख्या में उड़ानें रद्द करने का फैसला किया। तीन दिन में दो हजार से अधिक उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। गत 4 दिसंबर में करीब 400, 05 दिसंबर को 1,000 से



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU

DELHI

7 DECEMBER 2025

श्रीनगर एयरपोर्ट पर इंडिगो की फ्लाइटों में रुकावट जारी

सुबह के समय 16 फ्लाइट्स पर असर पड़ा

जम्मू, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इंडिगो की फ्लाइट में रुकावट लगातार दूसरे दिन भी जारी रही, शनिवार सुबह 8 बजे तक 16 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गईं। एक अधिकारी ने बताया कि एयरपोर्ट पर शनिवार को कुल 64 फ्लाइट्स शेड्यूल थीं, जिनमें दिन भर की 32 फ्लाइट्स अराइवल और 32 डिपार्टर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से इंडिगो एयरलाइंस की 36 फ्लाइट्स, 18 अराइवल और 18 डिपार्टर थीं।

उन्होंने कहा कि हालांकि, इंडिगो की 14 फ्लाइट्स (7 अराइवल और 7 डिपार्टर) कैंसिल कर दी गईं, जबकि सुबह की फ्लाइट में किसी देरी की खबर नहीं है। इसके अलावा, एयरपोर्ट अधिकारी ने बताया कि दूसरी एयरलाइंस की दो फ्लाइट्स भी कैंसिल कर दी गईं, जिससे कैंसिल होने वाली फ्लाइट्स की कुल संख्या 16 हो गई। इसके अलावा, एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि बाकी आपरेशन शेड्यूल के हिस्से से चल रहे हैं, लेकिन यात्रियों को एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करने की



सलाह दी गई है। एयरपोर्ट के एक अन्य अधिकारी के वकील, हम यात्रियों से गुजारिश करते हैं कि वे अपनी फ्लाइट का समय कन्फर्म करें और परेशानी से बचने के लिए काफ़ी पहले एयरपोर्ट पहुंच जाएं। एयरलाइन ने जम्मू एयरपोर्ट से 11 उड़ानों का संचालन फिर से शुरू कर दिया है। हालांकि, श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थिति अभी सामान्य नहीं हुई है, जहां शनिवार को सात उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। यह रद्दीकरण उसी व्यवधान का हिस्सा है जो पायलट रोस्टिंग में आई गड़बड़ियों के कारण पूरे देश में पिछले पांच दिनों से जारी है। जम्मू एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में लोग फंसे हुए हैं और उड़ानों में लगातार हो रही देरी और रद्दीकरण से स्थिति और गंभीर हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि जिन 11 उड़ानों को बहाल किया गया है, उनमें से नौ उड़ानें तय समय पर चलेंगी।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU

DELHI

7 DECEMBER 2025

धामी सरकार की बड़ी पहल : अब गढ़वाल मंडल भी जुड़ा हवाई सेवाओं से

नई हेली सेवा देहरादून से नई टिहरी के कोटी कॉलोनी हेलीपैड, श्रीनगर और गोचर के लिए प्रतिदिन दो उड़ानें संचालित करेगी

■ हेली सेवा ने जीता यात्रियों का दिल, समय और सुरक्षा दोनों में फायदेमंद

■ अमरनाथ तिवारी

देहरादून, 6 दिसम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का पहाड़ों पर एयर कनेक्टिविटी का संकल्प अब तेजी से भरतल पर उतर रहा है। कुमाऊँ मंडल के बाद अब गढ़वाल मंडल में भी हवाई सेवाओं का अध्याय शुरू हो गया है। शनिवार को जॉलीग्रॉन्ट एयरपोर्ट से गढ़वाल मंडल के प्रमुख शहर देहरादून, टिहरी, श्रीनगर और गोचर के लिए हवाई सेवा की शुरुआत हुई। इन नए रूटों के शुरू होने से पूरे क्षेत्र में नई ऊर्जा और उत्साह का माहौल है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल पर रोजनल कनेक्टिविटी स्कीम (उड़ान) के तहत नई 6-सीटर हेली सेवा की



शुरुआत की गई है, जो गढ़वाल मंडल के प्रमुख शहरों को सीधे राजधानी से जोड़ने का काम

करेगी। नई हेली सेवा देहरादून से नई टिहरी के कोटी कॉलोनी हेलीपैड, श्रीनगर और गोचर के

लिए प्रतिदिन दो उड़ानें संचालित करेगी। इससे यात्रा समय में बड़ी कमी आएगी तथा इन क्षेत्रों में आवागमन और सुविधाजनक होगा। राज्य सरकार का कहना है कि इन सेवाओं से न केवल पहाड़ी इलाकों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी, बल्कि पर्यटन, रोजगार और आपदा प्रबंधन के क्षेत्रों में भी बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। सुबह की पहली हेली सेवा 10.15 बजे जॉली ग्रॉन्ट एयरपोर्ट से टिहरी, श्रीनगर और

गोचर के लिए उड़ान भरेगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, यह हेली सेवा 11 बजे सीधे देहरादून के लिए वापसी करेगी। इसी क्रम को ध्यान में रखते हुए दूसरी उड़ान दोपहर 2.30 बजे जॉली ग्रॉन्ट से संचालित होगी, जो टिहरी, श्रीनगर और गोचर के लिए ही निर्धारित रूट का पालन करेगी।

जॉली ग्रॉन्ट एयरपोर्ट से टिहरी का किराया 2 हजार रुपये प्रति यात्री निर्धारित किया गया है। टिहरी से आगे श्रीनगर तक का किराया 1000 रुपये प्रति व्यक्ति रखा गया है, जबकि श्रीनगर से गोचर तक यात्रा करने पर भी यात्रियों को 1000 रुपये प्रति व्यक्ति का किराया देना होगा। हेली सेवा के पहले दिन देहरादून से गोचर के लिए रवाना हुई पहली फ्लाइट में 3 यात्री सवार थे। वहीं दोपहर की फ्लाइट में 5 यात्रियों ने देहरादून से टिहरी और गोचर का सफर तय किया।

पर्यटन को बढ़ावा, स्थानीय लोगों के लिए तेज आवाजाही और व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति मिली

देहरादून। यात्रा कर रहे यात्रियों ने बताया कि इस हेली सेवा से न केवल सफर आसान हुआ है, बल्कि इससे पर्यटन को बढ़ावा, स्थानीय लोगों के लिए तेज आवाजाही और व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति मिल रही है। देहरादून से गोपेश्वर की ओर यात्रा कर रहे विकास चौहान ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि "मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा रोजनल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई हेली सेवा वाकई कारबिले तारीफ है। इससे हम कम समय में यात्रा कर पा रहे हैं और इमरजेंसी के वक्त भी हेली सेवा बड़ी मददगार साबित होगी।" इससे पूर्व में मुख्यमंत्री की रोजनल कनेक्टिविटी स्कीम के तहत दून नैनीताल, बागेश्वर और हल्द्वानी से चंपावत, पिथौरागढ़, मुनस्वारी, अल्मोड़ा जैसे प्रमुख शहरों को एयर कनेक्टिविटी से जोड़ा जा चुका है। यह हेली सेवा केवल एक हवाई सफर नहीं बल्कि पहाड़ की कठिनाइयों को सरल व सुगम बनाने का संकल्प है।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DECCAN CHRONICAL

HYDERABAD

6 DECEMBER 2025

Indigo flight gets threat, diverted

DC CORRESPONDENT
HYDERABAD, DEC. 2

A threat mail warning of a bomb placed in an aircraft, received by the GMR customer support team at the Rajiv Gandhi International Airport (RGIA) on Tuesday morning, led to diversion of an IndiGo flight arriving from Kuwait to the city.

According to RGIA inspector S Kanakaiah, the email claimed that a woman onboard flight 6E1234, travelling from Kuwait to Hyderabad, was carrying explosives and would trigger a suicide blast after landing. Following protocol, the threat assessment committee reviewed the message and advised diversion of the aircraft as a precaution.

● **THE FLIGHT** was diverted to the Mumbai Airport, where CISF, local police and bomb squad conducted checks.

The flight was diverted to the Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport in Mumbai and landed around 7.30 am, where CISF, local police and bomb squad conducted thorough checks. The threat was later declared a hoax.

Based on a complaint from GMR officials, RGIA police have registered a case. The email was reportedly sent from an address under the name "Dawoodi Emails." "Our teams are working to trace the sender," Inspector Kanakaiah said.



Corporate Communications Directorate

DECCAN CHRONICAL

HYDERABAD

6 DECEMBER 2025

DGCA LAUNCHES PROBE ON AI FOR LACK OF PAPERS

DC CORRESPONDENT
NEW DELHI, DEC. 2

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has launched a probe on Air India for operating an A320 neo plane without having a requisite airworthiness certification on at least eight routes. The DGCA has also ordered de-rostered of the personnel concerned till completion of the investigation.

Air India is also carrying out an internal investigation to identify deficiencies in their system and put corrective measures in place to prevent such failures from occurring in future, a statement from the company said on Tuesday.

Flyers left high & dry as IndiGo disruptions stretch into Day 4

Some miss funerals as airline offers little clarity

ASRA MAVAD
BENGALURU, DHNS

With IndiGo flight cancellations continuing for a fourth day, the Kempegowda International Airport (KIA) remained in turmoil as stranded passengers searched for alternatives.

By Friday afternoon, this *DH* reporter found passengers affected by IndiGo's disruptions crowding every area near Terminal 1's departure gates.

Three friends returning from Tirupati were stranded for more than 24 hours without their luggage. "We are visiting from Bhopal. After Tir-

upati, we reached Bengaluru at 2 am on Thursday for a 12.30 pm connecting flight. IndiGo staff said we could leave and return by 10 am, but at 9.30 am, we were told our flight was cancelled. After 24 hours, we have no update about our luggage, which is still inside," said Abhishek Khatti.

Passengers said IndiGo staff presence was minimal throughout Friday.

"Occasionally, one or two officials stop by, take our PNR numbers, ask us to remain patient and leave. Not one official has given us any update," another passenger said.

Passengers recounted being forced to sleep at the



Passengers stranded at Kempegowda International Airport amid flight cancellations, in Bengaluru, on Friday.

DH PHOTO/PUSHKAR V

airport as delays turned into cancellations, with little clarity from staff about hotel accommodation. Affected travellers included children and senior citizens.

A mother-of-two said she planned to sue IndiGo for emotional and physical distress.

"With IndiGo's website

down and slow network here, we have to queue at the counter for refunds. We have been stuck for over five hours. I have two toddlers and nearly had a panic attack seeing the chaos at the counters. No IndiGo employee has helped," said an Ahmedabad-bound passenger.

With flight prices soaring, many opted for overnight buses. Some said one-way tickets to Delhi, Kolkata or Mumbai cost Rs 30,000 to Rs 50,000.

Some passengers marked birthdays and anniversaries at the airport, while others missed funerals of loved ones.

Two travellers from Mangaluru, heading for a funeral in Kolkata, took an overnight bus to the airport, only to find their flight cancelled on arrival.

Lack of information about cancellations and delays was the main complaint.

"They did not inform us our flight was cancelled. Now, they say there is no refund for our upcoming flights. How can we trust this airline? It is appalling they still sell tickets given the situation," said Ruchita, a Whitefield resident.

Throughout the day, angry passengers argued with IndiGo staff and airport security. Some staged small protests inside the terminal.

FLIGHT PANGS

Chaos, anger at Bengaluru airport; guards claim 'all IndiGo flights' cancelled

Many travellers
spend 48 hours
at the airport

ASRA MAVAD
BENGALURU, DHNS

Frustrated and chaotic passengers swarmed Terminal 1 of Bengaluru's Kempegowda International Airport on

Friday as IndiGo flight cancellations stretched into the fourth day.

India's largest airline cancelled a total of 282 flights at the city airport as of 7 pm, Friday, including 125 arrivals and 157 departures. Only 38 IndiGo flights took off from the airport on Friday evening.

IndiGo cancelled all flights from Bengaluru to Delhi and Mumbai until midnight.

Around 4 pm, security staff at the departure gates began asking IndiGo



Passengers crowd in front of a counter following cancellation of IndiGo flights in Bengaluru, on Friday. DHNS/PTC/PUSKASARV

passengers to return home, claiming "all IndiGo flights have been cancelled for the next three to five days".

"When we questioned the security about the cancellations, one of the guards said that as IndiGo passengers were causing a ruckus inside, they had decided not to allow any more passengers," said an Ahmedabad-bound passenger.

While an IndiGo representative claimed that no such announcements had been made for the Bengaluru

airport, an airport source stated that the cancellations mainly impacted passengers travelling to Delhi, Mumbai, Hyderabad, Chennai and Pune.

Many passengers raised complaints about the last minute cancellations after receiving no prior intimation from the airline.

A passenger flying to New Delhi was seen having a heated argument with the IndiGo ground staff about the lack of communication.

"They're saying that due

AN AHMEDABAD-BOUND PASSENGER

When we questioned the security about the cancellations, one of the guards said that as IndiGo passengers were causing a ruckus inside, they had decided not to allow any more passengers.

to the sheer lack of cancellations, some cancellation messages might not have gone through. But what's amusing is that they're sending me messages if I enjoyed my flight. And this was for my flight they cancelled yesterday. My flight today was again cancelled. I slept

at the airport last night," he told *DHNS*.

Similar arguments took place throughout the day, as passengers grew impatient — many having spent over 48 hours at the airport without their luggage. The growing queue for a refund added to the chaos.

DIGGING DEEP: Committee has 15 days to report on 'deficiencies' that warrant 'independent examination'

DGCA orders high-level probe into IndiGo lapses

SHEMIN JOY
NEW DELHI, DHHS

PANEL DETAILS

■ Panel to be led by DGCA Joint Director General Sanjay K Bramhane

■ Other members are Deputy Director General Amit Gupta, Senior Flight Operations Inspector Captain Kapil Manglik, and Flight Operations Inspector Lokesh Rampal

■ All airlines, including IndiGo, were 'repeatedly advised' to undertake manpower planning, roster restructuring, and implementation preparedness, says DGCA

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on Friday ordered a high-level inquiry, headed by Joint Director General Sanjay K Bramhane, to investigate what went wrong with IndiGo, whose schedules went haywire over the past few days, leading to the cancellation of a large number of flights.

It prima facie felt there were "deficiencies" in internal oversight, operational preparedness, and compliance planning, "warranting an independent examination". The DGCA said its four-member committee would undertake a "comprehensive review and assessment of the circumstances" that led to "such a massive disruption".

Hundreds of IndiGo flights were cancelled in the past few days as the airline struggled to assign crew in accordance with the new Flight Duty Time Limitations (FDTL) norms, which mandate 48-hour uninterrupted rest a week, only two consecutive night duties, and other measures.

Besides Bramhane, the other members of the DGCA panel are Deputy Director General Amit Gupta, Senior Flight Operations Inspector Captain Kapil Manglik, and Flight Operations Inspector Lokesh Rampal. They have been given 15 days to submit their report.

What to expect

The terms of reference include identifying the causes behind the widespread operational disruptions, assessing the adequacy of manpower planning, rostering system fluctuations and implementation preparedness, and reviewing the extent of compliance with the revised FDTL provisions, including the analysis of gaps admitted by the airline.

The panel is also expected to ascertain accountability and

responsibility for planning failures that led to the breakdown of operational stability, review the mitigation measures being undertaken by IndiGo in connection with the one-time exemption granted, and assess whether the airline was taking adequate steps to restore flight operations.

The regulator said all scheduled airlines, including IndiGo, were "repeatedly advised" to undertake comprehensive manpower planning, roster restructuring, and implementation preparedness to ensure seamless transition to the revised fatigue-management framework.

The DGCA order said it observed that the airline's inability to accurately forecast crew availability, conduct timely training, and realign rosters despite advance regulatory intimation "resulted in cascading delays and cancellations" across its network, beginning late November.

The airline acknowledged in a review meeting on Thursday that it had "failed to anticipate" the crew requirement under the new norms, and "significant gaps existed" in implementing Phase-II of the FDTL.



Stranded passengers interact with IndiGo officials at Raipur airport in Chhattisgarh. #11

Pilots' association slams DGCA, airline

MRITYUNJAY BOSE
MUMBAI, DHHS

Amid the crisis involving the operations of IndiGo, the Airline Pilots Association of India (ALPA) has slammed the Directorate General of Civil Aviation (DGCA), objecting strongly to what it said were selective and unsafe dispensations granted to IndiGo under the revised Flight Duty Time Limit (FDTL) CAR Phase-II implementation.

"The situation concerning the recent flight cancellations across India, allegedly attributed to pilot shortage due to new

FDTL norms, raises significant questions about the airline's management, regulatory oversight by the DGCA, and market fairness," said ALPA President San Thomas.

"Granting continuous or unwarranted exemptions to FDTL norms would compromise passenger and crew safety, as the entire purpose of the new norms is to reduce pilot fatigue. Any relaxation granted should be based on scientific assessment and adequate risk mitigation," he added.

Slamming the management oversight, he said all airlines were aware of the revised

FDTL norms, issued by the DGCA in January 2024.

"Despite sufficient time being accorded, most airlines started preparing rather late, failing to properly adjust crew rosters 15 days in advance, as required. This suggests an initial managerial underestimation or delay in the strategic planning necessary to provision the crew accordingly. While the new norms mandate increased rest periods and other restrictions to combat pilot fatigue, this does not necessarily increase the total number of pilots needed to maintain a schedule," he said.



Grounded giant: Inside IndiGo's crew crunch

IndiGo Airlines, which dominates the Indian civil aviation market, has hit major turbulence following the implementation of the new Flight Duty Time Limitation (FDTL) norms mandated by the Directorate General of Civil Aviation (DGCA). In the first three days of this week, the airline cancelled over 200 flights, with the number of cancellations surging past 500 on Thursday. Shemin Joy decodes the crisis.

Why is IndiGo cancelling a large number of flights?

The airline has not been able to assign enough crew to operate its services after regulatory changes in rostering norms aimed at reducing stress and fatigue. The company had 18 months to prepare for the implementation of the FDTL norms, but it was slow to hire, resulting in insufficient crew strength to run its large-scale operations. It was clear from the outset that even if it did not increase the number of planes, IndiGo would need to hire more crew to adhere to the norms.

Why is it having a huge impact on the aviation sector?

IndiGo is the market leader in India, commanding 65% of the business. Its nearest competitor, Air India, is way behind with a

What prompted the changes in FDTL norms?

Pilots had been complaining about hectic scheduling that caused stress and fatigue, impacting flight security. The FDTL norms guarantee sufficient rest for pilots, minimising the risk of untoward incidents. The issue reached the courts, and in 2023, the DGCA said it would revise the norms. The regulator rolled out new norms in January 2024, with a roadmap for implementation from June 2024, but it was deferred after airlines said they would need more time. It was subsequently decided to implement the rules in two phases on July 1 and November 1 this year.

What is the roadmap that IndiGo presented before the authorities?

IndiGo expects its operations to normalise by February 10 next year. This weekend could see more cancellations as part of schedule stabilisation efforts. From December 8, it will

What are the changes in FDTL norms?

Flight crew now have 48 hours of uninterrupted rest each week, up from 36 hours earlier. Night landings have been capped at two, compared to six previously, and crew should not be assigned more than two consecutive night duties. Airlines must also submit quarterly fatigue reports after analysis.

What did the airline tell the Ministry of Civil Aviation and DGCA?

IndiGo said it was facing significant transitional challenges in roster planning and crew availability under Phase 2 of the FDTL requirements. These issues, combined with

Why did IndiGo face trouble?

The airline's current crisis did not come out of the blue. Experts point to its slow pace of hiring despite being aware of the new FDTL norms. While it continued to add aircraft to its fleet weekly, recruitment did not match the pace. Over 1,200 services of IndiGo were cancelled in November. Its On-Time Performance fell from a high of 91.4% in July to 67.7% in November. On

Airfares skyrocket as IndiGo crisis deepens

HRITHIK KIRAN BAGADE
BENGALURU, DHNS

Airfares across the country skyrocketed (in excess of Rs 1 lakh on certain routes) on Friday, following the cancellation of almost 1,000 flights on major domestic routes by India's largest airline, IndiGo — leaving thousands of passengers stranded and scrambling for alternatives at many airports.

Many passengers were forced to pay steep last-minute prices to travel on competing airlines. The impact was especially felt on India's busiest corridors: the Mumbai-Delhi sector — ranked the eighth busiest domestic route globally in 2024 — followed by Delhi-Bengaluru and Mumbai-Bengaluru.

With demand shifting abruptly to other carriers, fares soared. On Friday, tickets were seen priced as high as Rs 1.2 lakh in some sectors. A Delhi-Chennai fare, typically around Rs 10,000, was available in the Rs 40,000-90,000 band. Delhi-Bengaluru tickets were seen between Rs 93,000 and Rs 1,00,000, while even the lowest fares on budget carriers hovered around Rs 35,000. A Delhi-Mumbai tick-



Luggage of stranded passengers at the Kempegowda International Airport in Bengaluru on Friday. PTI

et was selling at Rs 50,000-60,000.

Industry experts say such price shocks are the natural outcome of supply-demand imbalance. Airlines operate as capacity-based businesses, and ticket prices fluctuate dynamically based on demand, availability, and route load.

"Presently, IndiGo operates flights throughout India, covering most sectors. With its reach and seat availability, it's able to provide good service at a competitive fare. But when a situation like this arises, it puts passengers in the lurch, and that demand must be borne by other airlines, who would then tend to hike prices," said

Vignesh Kamath, Managing Director of Travel Bird Vacations Pvt Ltd.

Kamath added that the situation is amplified during the festive season. Many of his own customers faced disruptions this week, after IndiGo cancelled flights to holiday destinations. Tickets on alternate carriers, he said, are now about 30% costlier on average.

Another industry expert, requesting anonymity, shared a recent experience: "An IndiGo ticket from Bengaluru to Mumbai had to be cancelled. When we checked later, Air India was pricing seats at Rs 40,000, while SpiceJet and Akasa Air were around

Rs 35,000."

He explained that a "revenue management system" drives such price movement. "Suppose there's a plane with 180 seats, all won't be sold at the same price. It's like a see-saw. Some seats are initially sold at a loss to meet break-even. After that point, the fares rise sharply. In high-demand situations, the spike becomes extremely visible. It's all demand and supply."

He noted that this pricing logic is automated and designed to adjust in real time, adding, "Even if an upper price cap is introduced, the lower cap will start climbing. Discounts won't function the same way."

Meanwhile, travel platforms are seeing a surge in support requests. A spokesperson for EaseMyTrip said: "We are witnessing a higher-than-usual inflow of customer queries and uptick in prices due to increased demand. We have strengthened our 24/7 customer support to offer timely assistance, real-time updates, and clear communication. Our priority is to minimise inconvenience and ensure every traveller receives the highest level of service."



इंडिगो की मनमानी पर सरकार सख्त, किराये की सीमा तय

डीजीसीए ने सीईओ को भेजा नोटिस, कंपनी को आज शाम तक देना होगा रिफंड, 48 घंटे में पहुंचाना होगा सामान

पांचवें दिन भी रद्द की गई 800 से अधिक उड़ानें

जामरुण खुरो, नई दिल्ली : पांच दिनों तक इंडिगो द्वारा मनमाने तरीके से हजारों उड़ानें रद्द करने, लाखों यात्रियों को बेवजह छोड़ने और ऐसी स्थिति में लाभ कमाने के लिए विमानन कंपनियों की ओर से घरेलू किराये को असमान पर पहुंचा देने के बाद रजिस्ट्रार को जातिरकार न्यायिक उद्घरण मंत्रालय सख्त कार्रवाई करवा दिया। रजिस्ट्रार को घरेलू उड़ानों के इकोनमी क्लास के किराये पर उत्पन्न प्रभाव से ऊपरी सीमा (कैप) लगा दी गई। दूरी के हिसाब से अब किराया 7500 रुपये से 18,000 रुपये तक सीमित कर दिया गया है। साथ ही इस अवधि में इंडिगो को निर्देश दिया गया है कि रद्द उड़ानों का पूरा रिफंड रजिस्ट्रार शम अंत बजे तक पूरा किया जाए और यात्रियों का सामान 48 घंटे में उन तक पहुंचाया जाए। वहीं, देर रात डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को नोटिस भेजकर 24 घंटे में जवाब मांगे हैं।

● मंत्रालय ने घरेलू उड़ानों के लिए अधिकतम 18,000 रुपये किराया तय किया

● बिजनेस क्लास या उड़ान स्कॉम पर लागू नहीं होगी किराये की निर्धारित सीमा



आइजीआईए एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर इंडिगो के टिकट काउंटर पर लगी यात्रियों की भीड़



मनमानी पर हमेशा के लिए लगाम की तैयारी

नई दिल्ली : इंडिगो की मनमानी और उड़ानों की रणनीति में जिस तरह यात्री बेचारा हुए और उद्घरण निग्रमण डीजीसीए भी यात्रियों की सुरक्षा को धिक्का रखते हुए शुल्क को मजबूर हुआ, उससे सरकार को भी झटका लगा है। इसलिए जहां इंडिगो पर सख्त कार्रवाई की तैयारी है, वहीं हमेशा के लिए एयरलाइंस को लेकर सख्त नियमों का बंधन भी लागू करने की कोशिश है। इनमें किराये को लेकर मनमानी पर भी हर उचित अवसर पर कदम उठाया जा सकता है। बताया जाता है कि खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्घरण मंत्रालय को इस मामले में सख्त से निपटने का निर्देश दिया है।

पांच दिनों से जारी अफरातफरी के बाद यात्री एयरलाइंस ने किराये असमान पर पहुंचा दिए। शुक्रवार को कोलकाता-मुंबई का घन-वे टिकट कोलकाता-लंदन से ज्यादा था। मुंबई-मुंबनेवार का टिकट 84,000 रुपये तक पहुंच गया था। ऐसी स्थिति को देखते हुए सरकार सरकार में आई और किराये को

सीमा तय कर दी। यह सीमा बिजनेस क्लास या उड़ान स्कॉम के तहत लागू किराये के लिए नहीं है। दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-बैंगलूर, मुंबई-कोलकाता जैसे ज्यादातर प्रमुख रूट अब अधिकतम 18,000 रुपये तक ही रहेंगे। यह कैप तब तक लागू रहेगी, जब तक स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो जाती है। इस बीच डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को नोटिस भेजकर पूछा है कि एयरलाइंस के

रिजल्ट कबों न निग्रमण कार्रवाई की जाए, जिसमें गुमान और अधिकांशों का निग्रमण शामिल हो सकता है। नोटिस में कहा गया है कि डीजीसीए के रूप में आप निग्रमण नीति परिचालन के लिए समय पर जवाबदायिता सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं। उन्हें जवाब देने के लिए 24 घंटे का समय दिया गया है।

री-बुकिंग या री-बुकिंग का शुल्क नहीं : मंत्रालय ने कहा है कि प्रभावित यात्रियों से री-बुकिंग या री-बुकिंग का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इंडिगो को विशेष ध्यान देना होगा, जो स्वयं यात्रियों से संपर्क कर रिफंड और वैकल्पिक व्यवस्था करेगा। परिश्रम न्यायिक, टिकांग, मरीज, छात्र आदि को प्राथमिकता के साथ सहायता देने होगी। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह सभी एयरलाइंस और आनलाइन ट्रेवल पोर्टल पर रिवाल-टाइम किराया निग्रमण कर रहा है।

इंडियन एक्सप्रेसरेशन आफ टूर अपरेटर्स और फेडरेशन आफ एरोस्पेसर्स इन इंडियन टूरिज्म पंड हासिपैलिटी ने हवाई किराये की सीमा तय करने का स्वागत किया है। उन्होंने स्वाधीनी नीति, बेहतर आपात योजना और परदर्शी किराया निग्रमण की मांग की है। नगरिक उद्घरण मंत्रालय ने कहा है कि वह सभी प्रितधरणों के साथ लगातार सम्न्वय बनाए हुए है।

जामरुण खुरो, नई दिल्ली : इंडिगो की रजिस्ट्रार को लगातार पांचवें दिन 800 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। इनमें आइजीआईए एयरपोर्ट से 106 उड़ानें शामिल हैं। बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने से घरेलू विमान यात्र व्यवस्था ठप पड़ी है। घरेलू विमानन सेवा में इंडिगो की 64 प्रतिशत हिस्सेदारी है, इसलिए उड़ानें बन्द होने से हजारों यात्री फंसे रहे। कई यात्री टै-टैम दिनों से हवाईअड्डे पर फंसे हैं। इस बीच, इंडिगो ने कहा कि 95 प्रतिशत से अधिक नेटवर्क कनेक्टिविटी बहाल हो चुकी है। मौजूदा 138 गंतव्यों में से 135 पर परिचालन फिर से शुरू हो गया है। इंडिगो ने शुक्रवार को 1600 उड़ानें रद्द की थीं। देश के विमानन इतिहास में किसी भी भारतीय एयरलाइन द्वारा एक दिन में उड़ानें रद्द करने का यह एक रिकार्ड है। इंडिगो सामान्यतः प्रतिदिन 2300 उड़ानें संचालित करती है। एयरलाइन ने कहा कि रजिस्ट्रार को उसने 1500 उड़ानें संचालित कीं। मनमन्ने लौ-लरीके व नैरपेसोपर व्यवहार का आरोप ग्रेल हों इंडिगो ने एक्स और अन्य इंटरनेट प्लेटिवा प्लेटफार्म पर बयान जारी कर कहा

कि उड़ानें रद्द का देरी होने का मुख्य कारण अचानक बढ़ी संख्या में स्टाफ की अनुपस्थिति, कू की कमी, आपरांशनाल मैनेजमेंट और सिस्टम सिंक्रोनाइजेशन में गड़बड़ी है। शुक्रवार को तुलना में रजिस्ट्रार को कम उड़ानें रद्द हुईं। हम इस संख्या को धीरे-धीरे कम करने की दिशा में काम कर रहे हैं। एएनआई के अनुसार, भारतीय विमानन परिषद के अध्यक्ष विजय जयरा ने कहा कि ऐसी स्थिति के लिए इंडिगो प्रबंधन जिम्मेदार है, फायलट नहीं। टोडोमरीए उद्योग सम्न्वय कर रहा है। मैं टोडोमरीए व इंडिगो की सीबीआई ज्वर की मांग करता हूँ। इसके पीछे एक छिपा एजेंडा है। वहीं, एयरलाइंस फायलटस एरोस्पेसरेशन इंडिया ने टोडोमरीए द्वारा इंडिगो को टी नई रूट पर आपात जताई है। कहा-इन रूट ने न सिर्फ निग्रमण सम्न्वय को नष्ट किया है, बल्कि यात्रियों को नैरिग्रम में डाला है।



Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN

DELHI

7 DECEMBER 2025

गयाजी पहुंचने की थी योजना, इंडिगो की लापरवाही से जाना पड़ गया वाराणसी

जगरण टीम, नई दिल्ली: लखनऊ के बुजुर्ग दंपती का जंग दोड़ें और उनकी पत्नी रिजियामो एक महाने की धार्मिक यात्रा पर लखनऊ से चार दिनों के दिल्ली पहुंचने थे। वहां से उन्हें कनेक्टिंग फ्लाइट लेकर गयाजी जाना था लेकिन, इंडिगो संकट के कारण उनका उड़ान रद्द हो गई और पिछले दो दिन से दोनों वहीं फंसे हुए थे। अंततः शनिवार को कोई और रास्ता नहीं दिखने के बाद उन्होंने दिल्ली से वाराणसी की टिकट ली और वहां के लिए रवाना हो गए। यह स्थिति आइजोआइ एयरपोर्ट पर कई यात्रियों की थी, जिन्हें दिल्ली से कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी थी।



बुजुर्ग दंपती को जंग दोड़ें और उनकी पत्नी रिजियामो • जगजग

चार घंटे एयरपोर्ट पर फंसा रहा परिवार : संजु सूद
अभिनेता संजु सूद ने भी इस स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इंटरनेट पर एक वीडियो जारी कर बताया कि उनका परिवार भी वंदीगढ़ एयरपोर्ट पर चार घंटे तक फंसा रहा। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे अपनी बतलानी वाउड स्टैक पर न निकालें।

दोड़ें ने बताया कि लखनऊ में उनकी जन्मदिन है, जहां वह पशुपालन और खेती करते हैं। का पत्नी के साथ देहा के प्रमुख धार्मिक स्थानों के भ्रमण के लिए निकले हैं, जिसमें सबसे पहले उन्होंने शोधगवा में जाकर पूजा की योजना बनाई थी। उसके बाद उन्हें बिहार और देहा के अन्य धार्मिक स्थानों का भ्रमण करना था। अब वह वाराणसी जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वाराणसी जाकर देहात हूँ कि वहां से फ्लाइट को क्या स्थिति है, नहीं तो ट्रेन से जाऊंगा।

डाक्टर से परतर्ना लेने दिल्ली से कोलकाता जाना
वा। शुक्रवार शाम 4.30 की फ्लाइट थी, रविवार को वापसी की लेकिन फ्लाइट रद्द हो गई, इससे रविवार की रिटर्न टिकट भी खर्च हो गई। अब केसाइट जाव कर रहा हू तो कोई अपडेट नहीं है। खर तक कि बिना रिफंड के ही केस क्लोज कर मैरेज ४ मेल भेज दिव्य गया।
-संजु कुमार, कां

मुझे बंगलुरु में होने वाले एजीकेशन में नौ दिनों से पहले इंस्टालेशन का काम पूरा करना था। इसके लिए पहले इंडिगो की 12,500 रुपये की टिकट लेनी थी। उसके रिफंड का कोई पत्र नहीं, इसके कारण फिर से 23 हजार रुपये की एअर इंडिया की टिकट लेनी पड़ी है। इसके अलावा घर से पिछले दो दिन से सामान लेकर टैक्सी से अपने-जाने का खर्च अलग से हुआ। -भन्नु प्रकाश सिंह, एजीकेशन इन्स्टाल डिवाइजन

आधुनिकी सुनाओ भ्रतक पड़ा यात्रियों का दर्द: आधुनिकी सुनाते हुए राजेश अग्रवाल का दर्द आंसुओं के रूप में छलक पड़ा। उन्होंने कहा कि बेटी और पत्नी के साथ सामान लेकर बिना पैसे और गर्म कपड़े के एयरपोर्ट पर फंसा हूँ। छाने-पाने के लिए रोस्तो से पैसा उधार मांग रहे हैं। तीन दिनों से भुवनेश्वर की फ्लाइट बैरिगल है। अगर दूसरी एयरलाइन की फ्लाइट में जाने को सोच रहा हूँ तो उसका बहिस्ताव विधायक देखकर ही सहम जाता हूँ।

बेटी की वरिधा के लिए तीन दिन से लगा रहे गुदर: आइजोआइ के टर्मिनल- एक पर पिछले तीन दिनों से परिवार के साथ फंसे भुवनेश्वर के राजेश अग्रवाल और उनकी पत्नी संतोषी की आंखें तब नम हो गई जब उन्होंने बताया कि शनिवार को उनकी बेटी की बीए के प्रीक्लिग परीक्षा है और वह इंडिगो कर्मचारियों से पिछले तीन दिनों से अपने घर जाने के लिए फ्लाइट री-बुकिंग करने को गुदर लगा रहे हैं, लेकिन कोई रास्ता से लकाब नहीं दे रहा है।

बेटी-उमाद को निमंत्रण देने आई थी, बेटे की शादी छूटी: चेन्नई की छाने वाली 56 वर्षीय शील शर्मा ने बताया कि वह एक सप्ताह पहले पति के साथ दिल्ली बेटी-उमाद को शादी में आने के लिए निमंत्रण देने आई थीं। वापसी की टिकट चार दिनों की थी, लेकिन उस दिन शाम को मैरेज उलाह कि फ्लाइट बैरिगल हो गई। इसके बाद शनिवार को फिर बेटी ने फ्लाइट की नई महंगी टिकट खरीदी, लेकिन वह भी बैरिगल दिख रही है। शाम को बेटे की शादी है। वह भी छूट जाएगा।

तास एजिक्स नहीं पहुंचे छाया परिवार: जम्मू में अपने परिवार के साथ आए रोहित शर्मा इंडिगो का

एच टयू हेल्पलाइन बंद और यात्री हैं पूरी तरह से वेवस
यात्रियों ने आरोप है कि इंडिगो की कस्टमर केयर व ऑनलाइन टिकट बैरिगलेशन सेवा भी टीफ से काम नहीं कर रही है, जिससे एयरपोर्ट के टर्मिनल पर भीड़ व भ्रम की स्थिति रही। **कस्टमर केयर में एक- एक घंटा इंतजार के बाद काल बिना जवाब के फाट दी जाती है।** इंडिगो का एच टयू ही गलत है। स्थिति यह है कि पीएनआर स्टेटस की जांच करने के लिए एयरलाइन ने जो एप उपलब्ध कराए हैं। उस पर तुरन्त उड़ान के बारे में भी नो स्टेटस लिक्विड आता है। यही स्थिति रद्द हो चुकी उड़ानों की भी है। जबकि एयरलाइन द्वारा अपील की जा रही है कि वे एप में स्टेटस जांच करके ही एयरपोर्ट पहुंचें। कंपनी का कस्टमर केयर हेल्पलाइन और ई-मेल भी इससे अक्षर नहीं है। स्थिति यह है कि जिन यात्रियों की उड़ान रद्द हो गई है, जब वे उला ईमेल पर रिफंड के लिए मेल कर रहे हैं तो जाइव में केस क्लोज कर मैरेज आ रहा है। जबकि उन्हें रिफंड नहीं मिला।

बरतियों के साथ एयरपोर्ट पर फंस गए दूल्हा-दुल्हन
अमित व रिखा की हाल ही में शदी हुई है। इनका वीडियो इंटरनेट वीडियो पर वरिगल हो रहा है। इंडिगो फ्लाइट रद्द होने के कारण रिखा उनके पति व बसती दिल्ली एयरपोर्ट पर फंसा है। अह दिसंबर को इनका भुवनेश्वर में रिसेप्शन है। छह को तीन बजे फ्लाइट थी, लेकिन री-बुकिंग कन्से कर बजे दिख गया। वह भी बैरिगल हो गई है। अब इंडिगो के



दूल्हा दूल्हन
कर्मचारी अह दिसंबर को फ्लाइट री-बुकिंग करने की बात कर रहे हैं, लेकिन वह भी फ्लाइट उड़ान भर पाएगी या नहीं। यह कर्कम नहीं है।

परिचालन बाधित होने के कारण अमेरिका के लस एंजिल्स नहीं पहुंच पाए। उनकी शुक्रवार को जम्मू से इंडिगो की उड़ान थी, जिससे उन्हें दिल्ली पहुंचना था और आगे दिल्ली से लस एंजिल्स जाना था। रोहित स्टेट आफ कैस्कोर्निया में कंजरवेशन विभाग में चीफ शिफ्टी आर्पोरन्सल के पद पर तैनात हैं। वह कुछ दिन पहले दो बेटीयों व पत्नी के साथ जम्मू आए थे। उन्होंने

बताया कि उन्हें इंडिगो से विमान रद्द होने की कोई जानकारी नहीं मिली। वे परिवार के साथ जम्मू एयरपोर्ट पर पहुंचे तो उनकी इंडिगो की ओर से बार्दिंग पास भी दिया गया। लेकिन वह आया ही नहीं। इसके बाद उन्होंने दूसरी एयरलाइंस से टिकट की कोशिश की तो वहां दिल्ली से प्रति सदस्य 50 हजार रुपये मांगे गए। अब रोहित लस एंजिल्स के लिए दोबारा टिकट लेने।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN

DELHI

7 DECEMBER 2025

साप्ताहिक अवकाश और आराम के नियम वापस, फ्लाइट क्रू मेंबर्स में निराशा

दुर्लभ चित्र - साक्षात्कार

मई स्ट्रेचर: भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (डीजीसीए) ने इंडिये सहित अन्य एयरलाइन कंपनियों के दबाव के बाद फ्लाइट क्रू (प्रायवलेट और केबिन क्रू) के नियम लागू किए गए साप्ताहिक अवकाश और आराम के नियमों में अतिरिक्त आराम के समय को लुप्त आदेश को लागू करने के साथ वापस ले लिया है। यह फैसला एयरलाइन कंपनियों के परिचालन में आ रही बाधाओं और लगातार बढ़ती हुई उड़ानों के बाद लिया गया है।
डीजीसीए ने नियम वापस लेने के

- डीजीसीए के इस फैसले के बाद क्रू मेंबर्स ने कल, फैसले के साथ समझौता
- कल, पहले क्रू मेंबर्स को सप्ताह में पर्याप्त आराम का समय मिलना अनिवार्य था

साथ ही इंडिये को फ्लाइट क्रू को सप्ताह विविधता (एफटीटी) नियमों में अंतर्भाव देना भी है। नियमों मुहल रूप से यह भी दुर्लभ और आराम संबंधी नियम शामिल है। डीजीसीए का कहना है कि यह दृष्टिकोण में निराशा और निराशा

सुनिश्चित करने के लिए ही है। हालांकि परिचालन पूरी तरह से सामान्य होने में 10 जनवरी 2026 तक का समय लग सकता है।
डीजीसीए के इस फैसले के अनुसार क्रू मेंबर्स में निराशा है। क्रू का मानना है कि यह फैसला उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ समझौता है, क्योंकि इन नियमों का उद्देश्य क्रू को उड़ान से पहले पर्याप्त आराम देना था। इंडिये के एक सैनिक प्रायवलेट के अनुसार, यह पूरा परिचालन संकट जलबुद्धि बनना रहा था। कंपनियों ने ऐसा इस्तेफा किया ताकि एफटीटी के नियमों में खल प्राप्त कर सकें।

पहले यह थे डीजीसीए के नियम

डीजीसीए ने पहले विमानपत्तन उद्योग के नियमों के तहत फ्लाइट क्रू को एक दिन की छुट्टी देनी थी। यह नियम था कि फ्लाइट क्रू को सप्ताह में पर्याप्त आराम का समय मिलना अनिवार्य था और केबिन क्रू के साथ भी अतिरिक्त आराम के समय को लुप्त आदेश को लागू करने के साथ वापस ले लिया गया है।
इन नियमों में यह भी शामिल था कि फ्लाइट क्रू के काम के दौरान उनका स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए पर्याप्त आराम देना था।

इससे पहले फ्लाइट क्रू के काम के दौरान उनका स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए पर्याप्त आराम देना था। फ्लाइट क्रू के काम के दौरान उनका स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए पर्याप्त आराम देना था। फ्लाइट क्रू के काम के दौरान उनका स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए पर्याप्त आराम देना था।



कब खत्म होगा इंतजार
दिल्ली से मुंबई जाने वाली उड़ान पर होने के बाद फ्लाइट क्रू को परेशान करने वाली बातें भी दिख रही हैं। हालांकि को ये कमी कमजोर करने-करते जाने लगे पर अब इस तरह से फिर बहकने को गरा • ३८

एयरलाइंस की मनमानी पर हमेशा के लिए लगाम लगाने की हो रही तैयारी

इंडिगो पर लग सकता है भारी जुर्माना, हटाए जा सकते हैं इसके सीईओ

जामरुण ब्यूरो, नई दिल्ली: देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की मनमानी और दबाव की रणनीति में जिस तरह यात्री बेहाल हुए और उड़ड़यन नियामक डीजीसीए भी यात्रियों की सुरक्षा को किनारे रखते हुए झुकने को मजबूर हुआ, उससे सरकार को झटका भी लगा है और यह शुभ्व भी है। ऐसे में एक तरफ जहां इंडिगो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी है, वहीं हमेशा के लिए एयरलाइंस को लेकर सख्त निगरानी व्यवस्था भी लागू करने की कोशिश है। इसमें किराये को लेकर मनमानी पर भी हर उचित अवसर पर कदम उठाया जा सकता है। बताया जाता है कि खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उड़ड़यन मंत्रालय को इस मामले में सख्ती से निपटने का निर्देश दिया है।



इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार को इंडिगो एयरलाइन के काउंटर पर इंतजार कर रहे यात्री • प्रेट

एअर इंडिया ने घरेलू विमान यात्रियों को दी 'विशेष छूट'

मुंबई, प्रेट: इंडिगो की उड़ड़ान बाधाओं से देशभर में यात्रियों की फर्जीहत जारी है, ऐसे में टाटा समूह की एअर इंडिया ने शनिवार को एक बड़ा राहत पैकेज घोषित किया। एयरलाइन ने घरेलू टिकटों पर परिवर्तन या रद्दीकरण शुल्क पूरी तरह माफ करने की घोषणा की है, ताकि प्रभावित यात्रियों को तुरंत विकल्प मिल सके। कंपनी ने बताया कि एअर इंडिया और इसकी सहायक एअर

इंडिया एक्सप्रेस ने 4 दिसंबर से सभी नान-स्टाफ घरेलू उड़ड़ानों में इकोनमी किराये पर सक्रिय तौर पर 'विशेष किराया सीमा' व्यवस्था लागू की है, ताकि मांग-आपूर्ति के चलते स्वतः बढ़ने वाले किरायों पर रोक लगाई जा सके। दोनों एयरलाइंस नागरिक उड़ड़यन मंत्रालय द्वारा घोषित नए किराया प्रतिबंधों के अनुरूप अपनी प्रणाली अपडेट कर रही हैं। राहत योजना के तहत ये यात्री

जिन्होंने चार दिसंबर तक टिकट बुक किए थे और 15 दिसंबर तक यात्रा निर्धारित थी, वे बिना किसी रीबुकिंग शुल्क के अपनी यात्रा आगे बढ़ा सकते हैं। साथ ही, यदि वे यात्रा रद्द करना चाहें तो उन्हें पूरी रकम वापस मिलेगी और रद्दीकरण शुल्क नहीं लिया जाएगा। यह वन-टाइम विशेष छूट आठ दिसंबर, 2025 तक किए गए परिवर्तन या रद्दीकरण पर लागू होगी।

सूत्रों के अनुसार, जांच के लिए बनाई गई चार सदस्यीय कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद बड़े कदम उठाए जाएंगे। इसमें इंडिगो पर भारी जुर्माना समेत अन्य कदम शामिल हो सकते हैं। इंडिगो से कुछ स्टूट पर विमान कम भी कराए जा सकते हैं। जरूरी हुई तो कुछ स्टूट वापस भी लिए जा

सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, सरकार इंडिगो के सीईओ को हटाने के लिए कह सकती है। यह संदेश होगा कि देश किसी कंपनी के दबाव में आने के लिए तैयार नहीं है। लेकिन उससे

पहले सरकार की प्राथमिकता है कि अगले दो तीन दिनों में इंडिगो के सभी उड़ड़ान सामान्य किए जाएं। सूत्रों का कहना है कि एयरलाइंस के लिए जो वैश्विक स्थिति है, उसमें

किराये पर नियंत्रण करना संभव नहीं है। लेकिन, समय-समय पर जिस तरह विमानन कंपनियां अनुचित फायदा उठाती हैं, उसके लिए कुछ दिशा-निर्देश बनाए जा सकते हैं।

एयरलाइंस की मनमानी पर हमेशा के लिए लगाम लगाने की हो रही तैयारी

इंडिगो पर लग सकता है भारी जुर्माना, हटाए जा सकते हैं इसके सीईओ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की मनमानी और दबाव की रणनीति में जिस तरह यात्री बेहल हुए और उड्डयन नियामक डीजिसीए भी यात्रियों की सुरक्षा को किनारे रखते हुए झुकने को मजबूर हुआ, उससे सरकार को झटका भी लगा है और वह क्षुब्ध भी है। ऐसे में एक तरफ जहां इंडिगो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी है, वहीं हमेशा के लिए एयरलाइंस को लेकर सख्त निगरानी व्यवस्था भी लागू करने की कोशिश है। इसमें किराये को लेकर मनमानी पर भी हर उचित अवसर पर कदम उठाया जा सकता है। बताया जाता है कि खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उड्डयन मंत्रालय को इस मामले में सख्तों से निपटने का निर्देश दिया है।

उड्डयन मंत्रालय के अधिकारियों के साथ मंत्री राममोहन नायडू ने प्रधानमंत्री को स्थिति से अवगत कराया है। प्रधानमंत्री ने यह सुनिश्चित करने को कहा है कि विमानन कंपनियां यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को नजरअंदाज न करें। जाहिर तौर पर यह संदेश है कि फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) फिलहाल भले ही वापस हो गया हो, लेकिन इंडिगो को भी इसे मानना ही पड़ेगा।

सूत्रों के अनुसार, जांच के लिए बनाई गई चार सदस्यीय कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद बड़े कदम उठाए जाएंगे। इसमें इंडिगो पर भारी जुर्माना समेत अन्य कदम शामिल हो सकते हैं। इंडिगो से कुछ रूट पर विमान कम भी कराए जा सकते हैं। जरूरी हुई तो कुछ रूट वापस भी लिए जा



इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार को इंडिगो एयरलाइन के काउंटर पर इंतजार कर रहे यात्री • प्रे

एअर इंडिया ने घरेलू विमान यात्रियों को दी 'विशेष छूट'

मुंबई प्रे: इंडिगो की उड़ान बाधाओं से देशभर में यात्रियों की फजीहत जारी है, ऐसे में टाटा समूह की एअर इंडिया ने शनिवार को एक बड़ा राहत पैकेज घोषित किया। एयरलाइन ने घरेलू टिकटों पर परिवर्तन या रद्दीकरण शुल्क पूरी तरह माफ करने की घोषणा की है, ताकि प्रभावित यात्रियों को तुरंत विकल्प मिल सके। कंपनी ने बताया कि एअर इंडिया और इसकी सहायक एअर

इंडिया एक्सप्रेस ने 4 दिसंबर से सभी नॉन-स्टॉप घरेलू उड़ानों में इकोनमी किराये पर सक्रिय तौर पर 'विशेष किराया सीमा' व्यवस्था लागू की है, ताकि मांग-आपूर्ति के चलते स्वतः बढ़ने वाले किरायों पर रोक लगाई जा सके। दोनों एयरलाइंस नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा घोषित नए किराया प्रतिबंधों के अनुरूप अपनी प्रणाली अपडेट कर रही हैं। राहत योजना के तहत वे यात्री

जिनोंने चार दिसंबर तक टिकट बुक किए थे और 15 दिसंबर तक यात्रा निर्धारित थी, वे बिना किसी रीबुकिंग शुल्क के अपनी यात्रा आगे बढ़ा सकते हैं। साथ ही, यदि वे यात्रा रद्द करना चाहें तो उन्हें पूरी रकम वापस मिलेगी और रद्दीकरण शुल्क नहीं लिया जाएगा। यह वन-टाइम विशेष छूट आठ दिसंबर, 2025 तक किए गए परिवर्तन या रद्दीकरण पर लागू होगी।

सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, सरकार इंडिगो के सीईओ को हटाने के लिए कह सकती है। यह संदेश होगा कि देश किसी कंपनी के दबाव में आने के लिए तैयार नहीं है। लेकिन उससे

पहले सरकार की प्राथमिकता है कि अगले दो तीन दिनों में इंडिगो के सभी उड़ान सामान्य किए जाएं।

सूत्रों का कहना है कि एयरलाइंस के लिए जो वैश्विक स्थिति है, उसमें

किराये पर नियंत्रण करना संभव नहीं है। लेकिन, समय-समय पर जिस तरह विमानन कंपनियां अनुचित फायदा उठाती हैं, उसके लिए कुछ दिशा-निर्देश बनाए जा सकते हैं।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN

DELHI

7 DECEMBER 2025

इंडिगो से नाराज यात्री चाहते हैं 'क्लास एक्शन'

नई दिल्ली, प्रेटर: इंडिगो एयरलाइंस के लगातार उड़ानें रद्द करने और खराब सेवा को लेकर देशभर के यात्रियों में नाराजगी है। चार दिनों में एयरलाइन ने सैकड़ों उड़ानें रद्द कीं, जिससे हजारों यात्री हवाई अड्डों पर फंसे हैं। इसका असर विमान किरायों पर पड़ा है, जो कई रूटों पर बेतहाशा बढ़ गए हैं। प्रभावित यात्रियों का कहना है कि इंडिगो पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी अराजकता दोबारा न हो।

'लोकल सर्कल्स' के सर्वेक्षण में शामिल 32,547 यात्रियों में से 87% ने स्पष्ट रूप से कहा कि इंडिगो के खिलाफ उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के 'क्लास एक्शन' प्रविधान के तहत कार्रवाई हो। 3% ने कहा कि इसकी जरूरत नहीं, 10% अपने उत्तर को लेकर अनिश्चित रहे। सर्वे में यात्रियों से पूछा गया था कि क्या सीसीपीए (कंज्यूमर प्रोटेक्शन काउंसिल अथारिटी) को इंडिगो की सेवा कर्मों के खिलाफ सामूहिक कानूनी

32,547

यात्री शामिल हुए
'लोकल सर्कल्स'
के सर्वेक्षण में

87%

यात्री चाहते हैं
इंडिगो पर क्लास
एक्शन



आइजीआई एयरपोर्ट टर्मिनल एक पर इंडिगो की फ्लाइटे रद्द होने के बाद बैटे परेशान यात्री • सुत कुमार

कार्रवाई करनी चाहिए। बता दें कि लोकल सर्कल्स ने देशभर के 303 जिलों में सर्वेक्षण अभियान चलाया।

सर्वे में रद्द उड़ानों और देरी के साथ-साथ रिफंड न मिलने की शिकायतें अधिक थीं। यात्रियों का आरोप है कि एयरलाइन ने 100% रिफंड का वादा किया था, पर अधिकांश मामलों में पूरा पैसा नहीं दिया। जिन लोगों ने स्वयं टिकट रद्द किए या रद्दीकरण स्वीकार किया, उन्हें भी पूर्ण भुगतान नहीं मिला।

क्या होता है क्लास एक्शन

क्लास एक्शन वह कानूनी प्रक्रिया है, जिसमें एक समान शिकायत वाले लोगों के समूह की ओर से आरोपित कंपनी पर कुप्रबंधन या धोखाधड़ी जैसे कृत्यों के लिए सामूहिक रूप से केस किया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसे कई उदाहरण हैं। यात्री संगठनों ने कहा, कि भारत में भी अब इस माडल को लागू करने का समय आ गया है।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN

DELHI

7 DECEMBER 2025

इंडिगो एयरलाइंस का संकट मोदी सरकार की असफलता : केजरीवाल

राज्य खूरी, जागरण • नई दिल्ली: आप ने आरोप लगाया है कि इंडिगो एयरलाइन संकट ने केंद्र की मोदी सरकार की अक्षमताओं को उजागर कर दिया है। आप के नेताओं ने विमानन सुरक्षा और यात्रियों की सुविधाओं में आई भारी गिरावट को लेकर पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि इंडिगो एयरलाइन संकट यह दिखाता है कि मोदी सरकार या तो अक्षम है या फिर उसकी मिलीभगत है। दोनों ही मामलों में भारत इससे बेहतर का हकदार है। लोगों को इतना कष्ट पहले कभी नहीं हुआ। वहीं आप के वरिष्ठ नेता और पंजाब के प्रभारी मनीष सिंसोदिया ने एक्स पर कहा कि यह एक ऐसा खेल है, जिसमें जनता हार गई। हजारों-लाखों यात्रियों की सुरक्षा को खुलेआम खतरे में डाला गया।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN

DELHI

7 DECEMBER 2025

मनमानी की शर्मनाक कहानी



संजय गुप्त

तब टीक नलें कि कोई कंपनी बाजार में अपनी अधिक हिस्सेदारी के लक्ष्य के लक्ष्य करे और तब तक कि निर्यात संस्था को एक जरूरी फैसला लागू करने में अक्षम कर दे

देश को सबसे बड़े एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने भारतीय यात्रियों को पिछले एक सप्ताह में जितना अधिक परेशान किया, उसकी मिसाल मिलना मुश्किल है। इंडिगो के यात्रियों को इसलिए परेशान होना पड़ा, क्योंकि उसने सुरक्षित विमान यात्रा के लिए नागरिक विमानों के संचालन की नियामक संस्था डीजीसीए के नए नियमों का पालन करने की कोई तैयारी नहीं कर रखी थी। ये नियम अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत बनाए गए थे और सभी एयरलाइंस को उन्हें लागू करने के लिए पर्याप्त समय भी दिया गया था। इन नियमों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि पायलट एक निश्चित समय से अधिक ड्यूटी न करें। सुरक्षित विमान यात्रा के लिए यह आवश्यक होता है कि पायलट लंबे ड्यूटी के चलते थकान का शिकार न हों।

पायलटों को थकान से बचाने के लिए बनाए गए नियमों का पालन करने के लिए जहां एअर इंडिया, स्पाइसजेट और

अकास एयरलाइन ने पर्याप्त व्यवस्था की, वहीं इंडिगो ने ऐसा कुछ करना आवश्यक नहीं समझा और वह भी तब, जब नए नियम लागू करने की समयसीमा बढ़ाई गई थी। इससे यही पता चलता है कि इंडिगो नए नियम लागू करने के लिए तैयार हो नहीं थी। डीजीसीए को इसकी निगरानी करना चाहिए थी कि इंडिगो समेत सभी एयरलाइंस नए नियमों का पालन करने के लिए उपयुक्त व्यवस्था कर रही हैं या नहीं? उसे इंडिगो पर इसलिए अधिक निगाह रखनी चाहिए थी, क्योंकि वह घरेलू विमान सेवा की सबसे बड़ी एयरलाइन है और उसकी हिस्सेदारों 60 प्रतिशत से अधिक हैं।

जहां डीजीसीए ने अपने हिस्से की जिम्मेदारियों का निर्वाह नहीं किया, वहीं इंडिगो ने भी उसे यह सूचित करना आवश्यक नहीं समझा कि वह नए नियमों का पालन करने की स्थिति में नहीं है या फिर उसे पायलट और अन्य कर्मचारियों को परेशान करने के लिए कुछ और मोहलता दी जाए। चूंकि डीजीसीए ने सजगता नहीं बरती, इसलिए जब 1 दिसंबर से नए नियम लागू हुए तो इंडिगो की उड़ानें या तो रद्द होने लगीं या फिर विलंब से चलने लगीं। चूंकि रद्द और विलंब से चलने वाली उड़ानों की संख्या सीकटों में पहुंचने लगी, इसलिए परेशान होने वाले यात्रियों की संख्या भी बढ़ने लगी। बड़ी संख्या में इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से हवाई किराया भी महंगा होने लगा। हजारों विमान यात्रा केवल समय पर अपने गंतव्य तक ही नहीं पहुंच सके, बल्कि उन्हें अतिरिक्त किराया भी देना पड़ा। इसका केवल आकलन ही नहीं किया जाना चाहिए कि डीजीसीए और इंडिगो को हिलाई के कारण लोगों के समय और धन की कितनी बर्बादी हुई,



अश्वेत राजगुप्त

बल्कि उसका भुगतान भी किया जाना चाहिए। इसके लिए किसी की अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए। इसका कोई मतलब नहीं कि इंडिगो केवल खेद जताकर कार्तव्य को इतिश्री कर ले। यदि उसे यात्रियों के समय और धन की बर्बादी की भरपाई के लिए विवश नहीं किया गया तो उसका स्वैया सुधरन कठिन ही है।

इंडिगो को किसी न किसी स्तर पर टैंट का भागीदार इसलिए भी बनाया जाना चाहिए, क्योंकि उसने एक तरह से जानबूझकर ऐसी परिस्थितियां पैदा कीं, जिससे यात्रियों को परेशान होना पड़ा और साथ ही डीजीसीए को नए नियम लागू करने के अपने ऐसे फैसले को वापस लेना पड़ा, जो विमान यात्रियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक था। डीजीसीए को इसका आभास होना चाहिए कि एक नियामक संस्था के रूप में उसकी क्षमता और साख पर गंभीर सवाल उठे हैं।

भारतीय विमानन बाजार इस समय विश्व का तीसरे नंबर का बड़ा बाजार है। विमान यात्री इंडिगो और एअर इंडिया पर ही अधिक निर्भर हैं। यह साफ दिखा कि इंडिगो ने डीजीसीए को दबाव में लेने की

रणनीति पर काम किया और जानबूझकर जरूरत से ज्यादा उड़ानें रद्द कीं। इसका कारण अपने मुनाफे की अधिक चिंता करना ही रहा होगा। निःसंदेह हर कंपनी को अपने मुनाफे की चिंता करने का अधिकार है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि कोई कंपनी बाजार में अपने एकाधिकार वाली स्थिति का ब्रेजा लाभ उठाकर नियामक संस्था के उन नियम-कानूनों का भी पालन न करे, जो लोगों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य हैं।

इंडिगो चाहती तो डीजीसीए के नए नियमों का पालन करने के लिए आवश्यक पायलट और कर्मचारियों आसानी से भर्ती कर सकती थी, लेकिन ऐसा लगता है कि उसने यह मान लिया कि डीजीसीए उस पर एक सीमा से अधिक दबाव नहीं डाल पाएगा। सच जो भी हो, केवल इतना ही पर्याप्त नहीं कि सरकार ने इस पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं, क्योंकि डीजीसीए को नए नियमों पर अमल को दो माह के लिए टालना पड़ा है। इससे देश-दुनिया को यही संदेश जाएगा कि भारत सुरक्षित विमान संचालन के प्रति सतर्क नहीं।

इंडिगो के मामले में इसकी अनदेखी

नहीं की जा सकती कि वह पहले भी यात्रियों की सुविधा का ध्यान न रखने के लिए जानी जाती रही है। इंडिगो से यात्रा करने वालों को यह शिकायत रहती है कि उसके संचालक दल के सदस्य उनसे सख्त व्यवहार करते हैं और वैसा कोई रिवाज नहीं देते, जैसा अन्य एयरलाइंस दे देती हैं। इन शिकायतों के बाद भी विमान यात्रा इंडिगो से यात्रा करना इसलिए पसंद करते थे, क्योंकि उनका परिचालन समय पर होता था। इसे के चलते एविएशन बाजार में इंडिगो की हिस्सेदारी बढ़ती गई, लेकिन यही बढ़ी हुई हिस्सेदारी अब एक समस्या के रूप में उभर आई। डीजीसीए कुछ भी टाका करे, इंडिगो ने नए नियमों को लागू करने के बजाय अपनी उड़ानों को स्थगित करके केवल लोगों को परेशान ही नहीं किया, बल्कि एक तरह से उसे झुकाने के लिए भी बाध्य किया। यह कोई अच्छी स्थिति नहीं कि कोई कंपनी बाजार में अपनी अधिक हिस्सेदारी के लक्ष्य के लक्ष्य करे और यहाँ तक कि नियामक संस्था को अपना एक जरूरी फैसला लागू करने में अक्षम कर दे।

भले ही नागरिक उड्डयन मंत्रों यह कह रहे हों कि सुरक्षा से समझौता किए बिना विमान संचालन संबंधी नए नियमों को स्थगित करने का फैसला किया गया है, लेकिन तब्व तो यही है कि पायलटों को कम आराम के साथ विमानों का संचालन करना पड़ेगा। इंडिगो के स्वैये के कारण जो संकट खड़ा हुआ, उससे सरकार को सबक लेना होगा और यह देखना होगा कि नए विमान खरीद रही एयरलाइन को विमान संचालन की अनुमति तभी मिले, जब वे जरूरी नियमों का पालन करने में सक्षम दिखें।

response@jagran.com



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN

DELHI

7 DECEMBER 2025

एयरबस के विमानों में सौर तूफान से गड़बड़ी पर उठे सवाल

नई दिल्ली, प्रेस: एयरबस के ए320 श्रेणी के छह हजार विमानों को वैश्विक स्तर पर जमीन पर उतारने और साफ्टवेयर अपडेट करने के पीछे सौर तूफान को जिम्मेदार बताने पर अब विशेषज्ञ गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। कंपनी के 55 साल के इतिहास में पहली बार इतने बड़े पैमाने पर विमान ग्राउंड किए गए थे। कंपनी का दावा था कि 30 अक्टूबर को मेक्सिको-अमेरिका उड़ान के दौरान एक विमान अचानक नीचे आने लगा, जिसकी वजह उच्च-



ऊर्जा सौर विकिरण से इलेक्ट्रॉनिक्स प्रभावित होना बताया गया।

हालांकि, भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान उत्कृष्टता केंद्र (सीईएसएसआई) और आईआइएसईआर -कोलकाता के प्रोफेसर दिव्येंद्रु नंदी ने कहा कि

क्या हैं सौर तूफान : सौर तूफान सूर्य की 11 वर्षीय चुंबकीय गतिविधि चक्र का हिस्सा होते हैं। वर्तमान 'सौर चक्र 25' अपनी चरम अवस्था में है, इस दौरान सूर्य से बड़ी मात्रा में आवेशित कण व ऊर्जा अंतरिक्ष में फैलते हैं। दुनियाभर की एजेंसियां ऐसी घटनाओं की निगरानी करती हैं, ताकि संचार ब्लैकआउट, उपग्रहों में व्यवधान और विमानन सुरक्षा पर संभावित प्रभावों का पूर्वानुमान लगाया जा सके।

30 अक्टूबर को अंतरिक्ष मौसम में ऐसी कोई गतिविधि नहीं दिखाई जो विमान को सिस्टम फेलियर जैसी गंभीर घटना का कारण बन सके।

साफ्टवेयर में गड़बड़ी कैसे पैदा करते हैं सौर कण: अमेरिकी

खगोलशास्त्री आसा स्टाहल के अनुसार, सूर्य से आने वाले उच्च-ऊर्जा कण विमान के कंप्यूटर चिपस से टकराकर डाटा को अस्थायी रूप से भ्रष्ट कर सकते हैं या इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

एयरलाइंस की मनमानी पर हमेशा के लिए लगाम की तैयारी

कार्रवाई की तैयारी ▶ इंडिगो पर लग सकता है भारी जुर्माना, हटाए जा सकते हैं इसके सीईओ

पीएम ने उड़डयन मंत्रालय को इस मामले में सख्ती से निपटने को कहा

जगरण श्यूरी, नई दिल्ली

देश को सबसे बड़े एयरलाइन इंडिगो की मनमानी और दबाव की रणनीति में जिस तरह यात्री वेहल हुए और उड़डयन निगमक डीजैसीसी भी यात्रियों की सुरक्षा को किनारे रखते हुए झुकने को मजबूर हुआ, उससे सरकार को झटका भी लगा है और वह धुंका भी है। ऐसे में एक तरह जहाँ इंडिगो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी है, वहीं हमेशा के लिए एयरलाइंस को लेकर सख्त निगरानी व्यवस्था भी लागू करने की कोशिश है। इसमें किराये को लेकर मनमानों पर भी हर उचित अवसर पर कदम उठाया जा सकता है। बताया जाता है कि शूरी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उड़डयन मंत्रालय को इस मामले में सख्ती से निपटने का निर्देश दिया है। उड़डयन मंत्रालय के अधिकारियों के साथ मंत्री राममोहन नयडू ने प्रधानमंत्री को विधि से अवगत कराया है। प्रधानमंत्री ने यह सुनिश्चित करने को कहा है कि विमानन कंपनियों यात्रियों की सुरक्षा और सुरक्षा को नजरअंदाज न करें। ज़रूरत पड़े पर

यह संदेश है कि फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एकलौटीपल) फिलहाल चले ही जायस हो गय हो, लेकिन इंडिगो को भी इसे मानस हो पड़ेगा।

सूत्रों के अनुसार, जांच के लिए बनाई गई चार सदस्यीय कमेटी को रिपोर्ट आने के बाद बड़े कदम उठाए जायेंगे। इसमें इंडिगो पर भारी जुर्माना समेत अन्य कदम शामिल हो सकते हैं। इंडिगो से कुछ सट पर विमान कम भी कराया जा सकता है। ज़रूरी हुई तो कुछ सट वापस भी लिए जा सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, सरकार इंडिगो के सीईओ को हटाने के लिए कल सकता है। यह संदेश होगा कि देश किसी कंपनी के दबाव में आने के लिए तैयार नहीं है। लेकिन उससे पहले सरकार की प्राथमिकता है कि अगले दो तीन दिनों में इंडिगो के सभी उड़डयन सवामान्य किए जाएं। हालाँकि इंडिगो अब भी कम से कम एक सप्ताह का समय ले रहा है।

सूत्रों का कहना है कि एयरलाइंस के लिए जो वैश्विक स्थिति है, उसमें किराये पर नियंत्रण करना संभव नहीं है। लेकिन, समय-समय पर जिस तरह विमानन कंपनियों अनुचित फायदा उठाती हैं, उसके लिए कुछ दिशा-निर्देश बनाए जा सकते हैं।

कोरोना के समय सरकार ने किराया तय कर दिया था। इस काल भी तय किया गया है। बड़े पर्व त्योहार के पकल



इंडिगो की उड़डयन रद्द होने के बाद सूबई के एकबड़ी शिकारी सार्वजनिक आवागमन एयरपोर्ट पर पेशीन यात्रियों ने एयरलाइंस स्टॉक पर गुस्सा उठाया।

के लिए भी कुछ नियम बनाए जा सकते हैं। लेकिन, यह निगरानी तंत्र को मजबूत करने से होगा। डीजैसीसी को भी निर्देश दिया गया है कि वह निगरानी व्यवस्था नियमित करे और उच्च स्तर पर उसकी

रिपोर्टिंग भी करे। इस मामले से निपटने हो डीजैसीसी को आने वाले दिनों में कोहरे के कारण बड़ी संख्या में प्रभावित होने वाली उड़डयनों के लिए भी व्यवस्था बनाने को कहा गया है।

नाराज 87% विमान यात्री चाहते हैं कार्रवाई

नई दिल्ली, 8: इंडिगो एयरलाइंस के लगातार उड़डयन रद्द करने और सवाम सेवा को लेकर देशभर के यात्रियों में भारी नाराजगी है। बीते चार दिनों में एयरलाइन ने सीकड़ों उड़डयन रद्द कर ले हैं, जिससे हजारों यात्री हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं। इसका सीधा असर विमान किराये पर पड़ा है, जो कई सटों पर खेताया बढ़ गए हैं। प्रभावित यात्रियों का कहना है कि इंडिगो पर कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी अराजकता दोबारा न हो। 'लोकल सर्वेल्स' के सर्वेक्षण में शामिल 32,547 यात्रियों में से 87% ने स्पष्ट रूप से कहा कि इंडिगो के खिलाफ उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के 'क्लाम एक्शन' प्रविधान के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। केवल 3% ने कहा कि इसकी ज़रूरत नहीं है, जबकि 10% अपने उत्तर को लेकर अनिश्चित रहे। सर्वाँ में यात्रियों से पूछा गया था कि क्या डीजैसीसी को इंडिगो की सेवा कमी के खिलाफ सवामुलिक कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। लोकल सर्वेल्स ने देशभर के 303 जिलों में सर्वेक्षण अधिनियम चलाया।

रिफंड में भी कोवारी की शिकायत : सर्वाँ में रद्द उड़डयनों और देरी के साथ-साथ रिफंड न मिलने की शिकायतें सबसे अधिक थीं। यात्रियों का आरोप है कि एयरलाइन ने "100% रिफंड" का वादा

लोकल सर्वेल्स के सर्वे में 32547 विमान यात्रियों ने दी प्रतिक्रिया

रिफंड प्राप्ति से भी लोगों में नाराजगी, कहा- पूरे पैसे वापस नहीं किए

- सर्वे के आंकड़े**
- 28315 विमान यात्री चाहते हैं उड़डयन पर कार्रवाई
 - 3254 लोगों ने स्पष्ट जवाब नहीं दिया
 - 976 विमान यात्रियों ने कलर कार्रवाई की ज़रूरत नहीं

किया था, लेकिन अधिकांश मामलों में पूरा पैसा वापस नहीं किया गया। जिन लोगों ने स्पष्ट टिकट रद्द किए या खोखरण स्वीकार किया, उनमें भी पूर्ण धुगतान नहीं मिला। बला दें, 'क्लाम एक्शन' में एक समान शिकायत वाले लोगों के समूह को तरफ से आरंभित केवली पर कुप्रबंधन या धोखाधड़ी जैसे कृत्यों के लिए सामुहिक रूप से मुकदमा किया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसे कई उदाहरण हैं- जैसे 2023 में अमेरिका में डेल्टा एयरलाइंस, 2022 में सलथोवैस्ट एयरलाइंस और 2020 में कोरोना काल के दौरान अमेरिकन एयरलाइंस पर बड़े पैमाने पर क्लाम एक्शन अधिकायत टावर की गई थी।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN

DELHI

7 DECEMBER 2025

भारतीय विमानन परिषद के अध्यक्ष ने की जांच की मांग

प्रथम पृष्ठ से आगे

एएनआइ के अनुसार, भारतीय विमानन परिषद के अध्यक्ष नितिन जाधव ने इंडिगो की उड़ानें रद्द होने की जांच की मांग की है। उन्होंने कहा, इसके लिए इंडिगो प्रबंधन ही जिम्मेदार है, पायलट नहीं... डीजीसीए (नागरिक विमानन महानिदेशालय) उसका समर्थन कर रहा है। मैं डीजीसीए और इंडिगो की सीबीआई जांच की मांग करता हूँ। इसके पीछे एक छिपा हुआ एजेंडा है।

पायलटों के संगठन एयरलाइंस पायलट्स एसोसिएशन इंडिया ने डीजीसीए द्वारा इंडिगो को ठीक रहत पर कड़ी आपत्ति जताई है। इसने कहा कि इन छूटों ने न केवल नियामक समानता को नष्ट किया है, बल्कि लाखों यात्रियों को जोखिम में भी डाल दिया है।

क्षमता बढ़ाने पर विचार कर रही एअर इंडिया : प्रेट के अनुसार, एअर इंडिया समूह ने कहा है कि वह इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान से प्रभावित यात्रियों की मदद के लिए क्षमता बढ़ाने पर विचार कर रहा है। इसके साथ ही एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस, दोनों ने इकोनॉमी क्लास के किराये पर सरकार द्वारा निर्धारित सीमा लागू कर दी है। एअर इंडिया का कहना है कि सभी उड़ानों के लिए किराये की सीमा तय करना तकनीकी रूप से संभव नहीं है।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN

DELHI

7 DECEMBER 2025

एयरबस के विमानों में सौर तूफान को गड़बड़ी की वजह बताने पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 07: एयरबस के ए320 श्रेणी के छह हजार विमानों को वैश्विक स्तर पर जमीन पर उतारने व साफ्टवेयर अपडेट करने के पीछे सौर तूफान को जिम्मेदार बताने पर अब विरोध नबीर स्वाल खड़े कर रहे हैं। कंपनी के 55 साल के इतिहास में पहली बार इतने बड़े विमानों पर विमान घाटंड किए गए थे। कंपनी ने उका किया था कि 30 अक्टूबर को मेक्सिको-अमेरिका उड़ान के दौरान एक विमान अचानक लींचे जाने लगा, जिसको वजह सौर विकिरण से इलेक्ट्रॉनिक प्रभावित होना बताया गया।

हालांकि, अंतरिक्ष मौसम विद्वानों का कहना है कि उस दिन कोई बड़ी सौर घटना दर्ज हो नहीं की गई। भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान उल्कशुद्धा केंद्र (सीआईएसएच) और अडवाइजर्स/आर-कोलकाता के प्रोफेसर शिवेंद्र नंदा ने कहा कि 30 अक्टूबर को अंतरिक्ष मौसम में ऐसे कोई गतिविधि नहीं दिखाई जो विमानों की सिस्टम पैलिडर जैसे गंभीर घटना का कारण बन सके। उन्होंने यह भी

- 30 अक्टूबर को कोई उल्लेखनीय सौर घटना नहीं - वैज्ञानिकों ने एयरबस के दावे पर जखवा संदेह
- सौर कण कैसे विगाड़ते हैं विमान का साफ्टवेयर, विशेषज्ञों ने समझाई पूरी वैज्ञानिक प्रक्रिया
- एयरबस के 6,000 विमान जमीन पर उतारकर साफ्टवेयर अपडेट कराया था
- 30 अक्टूबर को मैक्सिको-अमेरिका फ्लाइट उड़ानों से अचानक नीचे आने लगी थी



एयरबस के ए320 श्रेणी विमान।

सूर्य की 11-वर्षीय चुंबकीय गतिविधि चक्र का हिस्सा होते हैं सौर तूफान
सौर तूफान सूर्य की 11-वर्षीय चुंबकीय गतिविधि चक्र का हिस्सा होते हैं। वर्तमान 'सौर घटा 25' अपनी चरम अवस्था में है, जिसके दौरान सूर्य से बड़ी मात्रा में आर्गनिक कण और ऊर्जा अंतरिक्ष में फैलते हैं। दुनियाभर की पर्यटिकापीसी घटनाओं को निराकनी करती हैं, जोकि संसार लोकअघट, जखवाँ से वातमान और विमानन सुरक्षा पर संभावित प्रभावों का एवांजुमन कराया जा सके।

ऊंचाई पर क्यों बढ़ जाता है जोखिम
भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान, बंगलुरु के प्रो. आन. रमेश ने कहा कि 30-40 हजार फीट की ऊंचाई पर पृथ्वी का चुंबकीय कवच कमजोर हो जाता है, जिससे विमान सौर कणों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। हालांकि, वे बताते हैं कि विमानों इलेक्ट्रॉनिक ऐसी परिस्थितियों को संभालने के लिए डिजाइन किए जाते हैं। प्रो. सुब्रह्मण्यम ने 29 से 31 अक्टूबर के बीच सौर कणों आकाशवाणी को जख की, लेकिन उन्हें किसी बड़ी घटना का उल्लेख नहीं मिला। उन्होंने कहा कि एयरबस के निष्कर्ष का अभाव अभी अस्पष्ट है।

साफ्टवेयर में गड़बड़ी कैसे पैदा करते हैं सौर कण
अमेरिकी खगोलशास्त्री आका स्टडलर के अनुसार, सूर्य से आने वाले उच्च-ऊर्जा कण विमानों के कंप्यूटर सिस्टम से टकराकर डाटा की अस्थायी रूप से अघट कर सकते हैं या इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आइएएस/आर-पुणे के प्रो. प्रसाद सुब्रह्मण्यम ने बताया कि तीव्र सौर कणों के दौरान 'सिंगल बिट अघट' हो सकता है, जिसमें बड़बड़ी कोड का '1' अचानक '0' में बदल जाए या उल्टा। विमानों इलेक्ट्रॉनिक में यह बदलाव वैश्व वातमानक स्थिति हो सकता है।

किया कि एयरबस ने पूरे बेड़े को घाटंड करने का आस्तविक कारण तकनीक रूप से नहीं बताया है। प्रो. नंदा ने बताया कि उन्होंने उस दिन के सौर विकिरण और संभावित आकाशवाणी कणों की एंटी का विश्लेषण किया, लेकिन कोई उल्लेखनीय सक्रिय नहीं मिला। वे मानते हैं कि संभव है पहले हुई किसी सौर घटना का प्रभाव रुटीन जांच में न फकटा गया हो, लेकिन 30 अक्टूबर का दिन सौर गतिविधि के लिहाज से सामान्य था।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN

DELHI

7 DECEMBER 2025

फ्लाइट रद्द होने पर बस से 19 घंटे में जबलपुर पहुंची टीम

लोकेश शर्मा • जागरण

नई दिल्ली: दिल्ली जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) की भारी लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। कूच बिहार ट्राफी के लिए दिल्ली अंडर-19 टीम को मध्य प्रदेश के जबलपुर भेजने के दौरान खिलाड़ियों और सपोर्टिंग स्टाफ को अनावश्यक परेशानियां झेलनी पड़ीं। पिछले कुछ दिनों से फ्लाइट सेवाएं बाधित होने की जानकारी पहले से मौजूद होने के बावजूद डीडीसीए ने सभी 27 खिलाड़ियों और 10 सपोर्ट स्टाफ को शुक्रवार दोपहर 12 बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रिपोर्ट करने के निर्देश दे दिए। वहां पहुंचने पर टीम को जब पता चला कि सभी फ्लाइट रद्द हैं तो ऐसे में जल्दबाजी

दिल्ली अंडर-19 क्रिकेट टीम ने डीडीसीए की लापरवाही के चलते झेलीं तमाम परेशानियां

में दो बसों से टीम 19 घंटे का सफर करके जबलपुर पहुंची। फ्लाइट रद्द होने के मामले में डीडीसीए ने न तो पहले से कोई वैकल्पिक व्यवस्था की, न ही खिलाड़ियों को समय रहते सूचित किया। थककर सफर के बाद खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है। उधर, अंडर-16 टीम के साथ भी इसी तरह की स्थिति देखी गई। इस टीम को तो पहले ही आंध्र प्रदेश के मालपाटु भेज दिया गया, लेकिन खिलाड़ियों का सामान दिल्ली में ही फंसा रहा। तीन दिन के बाद भी उनकी किट, खेल सामग्री और कपड़े वहां पहुंच नहीं पाए हैं।

एयरपोर्ट-होटल में फंसी रही उग्र अंडर-16 टीम

विष्णु मिश्र • जागरण

लखनऊ: फ्लाइट रद्द होने की वजह से उत्तर प्रदेश की दो क्रिकेट टीमों दो अलग-अलग एयरपोर्ट पर दो दिन तक फंसी रहीं। लखनऊ में यूपी अंडर-16 और दिल्ली में अंडर-19 टीम को इन दिक्कों का सामना करना पड़ा।

यूपी अंडर-16 टीम लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर फंसी रही। इस टीम को बेंगलुरु में विजय मर्चेंट ट्राफी में हिस्सा लेने चार दिसंबर को ही पहुंचना था, जहां सात दिसंबर को कर्नाटक के सिमोगा

में उनका मुकाबला त्रिपुरा से होना था, लेकिन अब तक टीम बेंगलुरु नहीं पहुंच पाई है।

यूपी के खिलाड़ी शनिवार देर शाम सड़क यात्रा से दिल्ली पहुंचे और रविवार को एयर इंडिया की फ्लाइट से बेंगलुरु रवाना होंगे। ऐसे में यूपी और त्रिपुरा का मैच सोमवार को होगा। वहीं उग्र अंडर-19 टीम को कूच बिहार ट्राफी में हिस्सा लेने पांच दिसंबर को गोवा से दिल्ली के रास्ते असम पहुंचना था पर टीम शनिवार शाम तक दिल्ली में फंसी रही। इस टीम का मुकाबला सोमवार को असम से है, जिसके लिए टीम रविवार को दिल्ली से गोहाटी रवाना होगी।

Corporate Communications Directorate

ECONOMIC TIMES

DELHI

7 DECEMBER 2025

CHAOS IN THE AIR

Amid IndiGo Turbulence, Ministry Flies in Relief

'Clear All Refunds'

From Page 1

"The main objective was to reboot the network, systems, and rosters so that we could start afresh today with a higher number of flights, improved stability, and there are some early signs of improvement."

The country's largest airline expected to operate over 1,500 flights by the end of the day on Saturday, restoring 95% of its network coverage, with cancellations dropping below 100 flights. "We apologise once again," the spokesperson said.

The disruption triggered a surge in last-minute fares on several trunk routes, as displaced IndiGo passengers sought alternative carriers, prompting the government to step in to protect passengers from "opportunistic pricing." Data showed that Air India and Air India Express had already recorded a 40% rise in searches and bookings by late Friday.

The government invoked its regulatory powers to prescribe fare caps across affected routes. Maximum fares have been set at ₹7,500 for flights up to 500 kilometres, ₹12,000 for 500-1,000 km, ₹15,000 for 1,000-1,500 km, and ₹18,000 for flights above 1,500 km.

"An official directive has been issued to all airlines mandating strict adherence to the fare caps that have now been prescribed," the aviation ministry said in a statement.

"These caps will remain in force until the situation fully stabilises. The objective is to maintain pricing discipline, prevent exploitation of passengers in distress, and ensure that citizens who urgently need to travel—including senior citizens, students, and patients—are not subjected to financial

hardship during this period."

The fare caps exclude user development fees (UDF), passenger service fees (PSF), and taxes, and do not apply to Business Class or routes under the RCS Udaan scheme. Other carriers have also adjusted fares. Air India and Air India Express stated they had proactively capped economy fares on domestic one-stop flights since Thursday.

"It is not technically possible to cap all permutations, but we are engaging platforms to exercise oversight," the airline said, adding that additional capacity is being deployed to support affected travellers.

In response to mounting passenger frustration, the aviation ministry instructed IndiGo to "clear all pending passenger refunds without delay" and complete the process by 8 pm on Sunday. Airlines have also been barred from charging rescheduling penalties to affected passengers.

To strengthen support, IndiGo has been asked to set up dedicated refund and passenger support cells to proactively contact affected travellers.

The ministry stressed that automatic refund systems must remain active until operations fully stabilise.

It directed IndiGo to trace and deliver all stranded or misplaced bags to passengers' addresses within 48 hours, with compensation applicable under passenger rights rules.

The ministry also said it is coordinating with airports, airlines, and security agencies to assist senior citizens, medical travellers, students, and passengers requiring special assistance. Oversight will remain strict until operations return to full normalcy.

Fare cap on affected routes as 850 flights cancelled on Saturday, hiking prices to 40%

Our Bureau

Mumbai: The civil aviation ministry stepped in to cap economy-class fares on routes affected as IndiGo's nationwide operational disruptions continued on Saturday with nearly 850 flight cancellations, triggering a last-minute scramble for seats and up to 40% spike in fares.

The ministry also directed IndiGo to process refunds immediately and strengthen passenger assistance amid widespread chaos at airports across the country, with reports of delayed communications, stranded luggage, and sudden fare surges on booking platforms.

The crisis has intensified scrutiny of airlines' crew ma-



Fares Capped			
STAGE LENGTH AND MAXIMUM FARE (IN ₹)			
Upto 500 KM	500-1,000 KM	1,000-1,500 KM	Above 1,500 KM
7,500	12,000	15,000	18,000

Passengers wait outside Indira Gandhi International Airport in New Delhi

nagement and Flight Duty Time Limitation (FDTL) compliance, a framework designed to prevent fatigue among pilots and cabin crew.

Experts noted that while FDTL rules are crucial for safety, inadequate planning or staffing gaps during peak traffic can trigger network-wide disruption, as grounded crew re-

duce the airline's operational capacity. IndiGo described the cancellations as part of a "planned reset" to stabilise operations.

The airline operated little above 700 flights on Friday, connecting 113 destinations, a company spokesperson said.

'Clear All Refunds' → 7

Corporate Communications Directorate

ECONOMIC TIMES

DELHI

7 DECEMBER 2025

HOLIDAY SEASON TURNS SOUR

Flight Fallout Spills Over, Leaving Passengers Stranded Overseas

Long-planned foreign vacations turn messy as travellers cope with uncertainty

Anumeha Chaturvedi
& Arindam Majumder

New Delhi: Urvashi booked an IndiGo flight to Ho Chi Minh City from Kolkata for Sunday. With no updates from the airline on the flight in sight, and getting increasingly anxious about the status of her trip, the mar-

keting professional has now booked a one-way layover Air Asia flight to Kuala Lumpur that has set her back by ₹40,000.

A spate of flight cancellations by IndiGo, India's largest airli-

ne, has caused a surge in airfares on international routes the airline flies, besides to local destinations. While the government on Saturday put upper limits on fares on domestic

flights, international rates are unlikely to be affected by the direction. Since foreign travel often involves multiple legs, hotel bookings and formalities like visa and immigration checks, the impact is more pronounced on international travellers.

For people like Urvashi, it also means a long-planned holiday trip turning into a mess.

"I don't know if my flight will get cancelled or not, and I don't want to take a chance," she said, asking not to reveal her full name.

IndiGo has heavily expanded its global presence with share of international routes going up to **30% from 21% over the last 2 yrs**



Carrier operates flights

to Male, Ho Chi Minh City, Istanbul, Dubai, Abu Dhabi, Copenhagen

Industry insiders said travellers are also missing connecting flights to int'l destinations

No refunds will be issued by overseas flights and hotels if travellers don't show up



Lack of Clarity Hurts Pax

→ From Page 1

IndiGo for the last two years has pressed an international expansion, with 30% of its 2,300 daily flights now on international routes. It plans to increase this to 40% by next year.

The airline has non-stop flights to Male, Istanbul, Denpasar, Manchester and Amsterdam, besides operations to several neighbouring countries and the Gulf. The latest addition was in October, when it launched direct flights between Mumbai and Copenhagen, its 44th international destination. Many of these flights were cancelled in the last few days due to a shortage of pilots, after the airline failed to rework crew scheduling to meet new duty regulations. It also has multiple codeshares with foreign airlines where it feeds into flights of international carriers like British Airways, KLM and Air France. With IndiGo's flights getting cancelled, many passengers of these airlines also miss their flights.

Many passengers are stranded in foreign airports.

Holiday travellers, who often book flights and accommodation well in advance, are among the worst affected, say travel industry executives. Many may also lose money on hotel bookings.

Corporate Communications Directorate

ECONOMIC TIMES

DELHI

7 DECEMBER 2025

Weekend Jobs

China's rapid expansion of foreign air routes is a cause for concern, says a senior Airports Authority of India (AAI) official. The AAI official says that the rapid expansion of foreign air routes by China is a cause for concern because it could lead to a near-duopoly in the Indian civil aviation market. The AAI official says that the rapid expansion of foreign air routes by China is a cause for concern because it could lead to a near-duopoly in the Indian civil aviation market. The AAI official says that the rapid expansion of foreign air routes by China is a cause for concern because it could lead to a near-duopoly in the Indian civil aviation market.

It is a vicious cycle. Since costs stay high, airlines remain unprofitable, because of which they go bankrupt, resulting in constant change in the management of airlines which in turn drives up costs for aircraft acquisition and operation, which results in even higher operating expenses.

AAI's role is to ensure that the market is not skewed towards a few airlines. We are working towards a more competitive market where there is a level playing field for all airlines. We are also working towards a more efficient and cost-effective airport infrastructure. We are also working towards a more sustainable and green aviation sector.

AAI is committed to providing a safe, secure and efficient air travel experience for all passengers. We are also committed to providing a more sustainable and green aviation sector. We are also committed to providing a more efficient and cost-effective airport infrastructure. We are also committed to providing a more sustainable and green aviation sector.

Murky Air

Flights are full. Fares are high. And a near-duopoly denies passengers choice. Welcome to the mayhem called Indian civil aviation



FLYING HIGH



Source: AAI. Note: Passengers in 2020 were significantly lower than previous years due to the impact of the COVID-19 pandemic.

Today an 100 seats 7300 at an airport. Along with the low fare, it can cost enough to pay an airport as it takes to buy a ticket. That is not the way to grow the market.



CHIRANJEV
Founder, Travelix

India never experienced the classic low-cost carrier explosion where cheap flights, secondary airports and flexible routes helped to create a national jet cascade. Instead, the sector leaptfrogged directly into multi-tiered air travel without an enabling ecosystem.



LAKSHMI NARAYAN
Founder, AAI

Post-Covid, fares did increase but most airlines have lost, except Indigo. Running an airline is not adequately compensated by fare levels.



43% of airlines in India have lost since 2021. The industry is facing a near-duopoly where Indigo and Air India dominate the market. This has led to a lack of competition and higher fares for passengers. The industry is also facing a shortage of pilots and ground crew, which is further exacerbating the problem.

75000+ of passengers are affected by the current situation. The industry is facing a near-duopoly where Indigo and Air India dominate the market. This has led to a lack of competition and higher fares for passengers. The industry is also facing a shortage of pilots and ground crew, which is further exacerbating the problem.

India never experienced the classic low-cost carrier explosion where cheap flights, secondary airports and flexible routes helped to create a national jet cascade. Instead, the sector leaptfrogged directly into multi-tiered air travel without an enabling ecosystem.

Corporate Communications Directorate

FINANCIAL EXPRESS

DELHI

7 DECEMBER 2025

Govt caps airfares to check aviation chaos

Resumed pilot hiring, says IndiGo

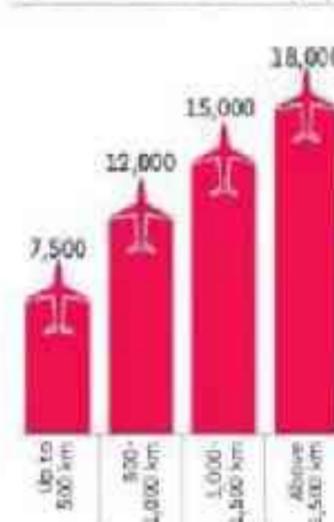
● IndiGo told to clear all refunds by today evening

YARUQHULLAH KHAN & AKBAR MERCHANT
New Delhi/Mumbai, December 6

THE MINISTRY OF civil aviation on Saturday capped airfares to check a surge in prices following a breakdown in services of the country's largest carrier, IndiGo. In an order, the government asked airlines not to charge passengers over ₹7,500 for distances up to 500 km, ₹12,000 for 500-1,000 km, ₹15,000 for 1,000-1,500 km, and ₹18,000 for distances above 1,500 km for economy tickets.

The order said these fare limits will apply until airfares stabilise or until further review, and are valid for all types of bookings, whether through airlines' official websites or online agents. Airlines have also been instructed to maintain ticket availability across all fare buckets and to consider capacity enhancement on sectors showing high demand to manage the surge in fares. The fare caps,

CAPPED FARES (₹)



Fare limits exclusive of applicable charges; taxes not applicable to business class, UDAN flights



INSIDE
RAILWAYS ANNOUNCES 89 SPECIAL TRAINS
PAGE 2

Resumed pilot hiring; 1,500 flights operated, says IndiGo

NITIN KUMAR
New Delhi, December 6

INDIGO SAID ON Saturday it operated 1,500 flights by end of the day. "Over 95% of network connectivity has been re-established as we have been able to operate 135 of the exist-

ing 138 destinations," the airline said.

Ending months of a hiring freeze, IndiGo also resumed recruitment for captains and senior first officers (type-rated) for its Airbus A320 fleet on Saturday.

Continued on Page 2

THE MOVE COINCIDED with a temporary waiver from the regulator on compliance with new Flight Duty Time Limit (FDTL) norms. On December 6, the airline issued a recruitment call for A320 captains and above. Only Indian nationals and Overseas Citizen of India cardholders below the age of 55 can apply, with a requirement of at least 200 hours of flying experience as first officer on the A320 family post line release, along with an accident- and incident-free record. For senior roles, Indian nationals or OCI cardholders below the age of 62 must have a total of 3,000 flying hours, including a minimum of 100 hours as pilot-in-command post line release on the A320 family. IndiGo's on-time performance had plunged to 3.7% on Friday as the airline grappled with an acute staff shortage.

Also, as the government moved to cap domestic airfares, Air India, the country's second-largest airline, on Saturday said it

had already been limiting fares on domestic routes. In a statement, the airline clarified that it has been capping economy fares on all non-stop domestic flights since December 4. The government's directive followed widespread chaos in air travel, with domestic airfares surging, even tripling or quadrupling for major routes. For instance, a non-stop Delhi to Mumbai fare climbed to ₹65,500, while one-stop itineraries were selling for up to ₹50,000.

Air India, in its statement, also acknowledged that screenshots circulating online showing significantly higher fares were mostly for multi-stop itineraries or combinations involving different cabin classes. Amid the travel chaos, the airline said it was working to increase capacity to ease the burden on passengers. "Air India and Air India Express are seeking to add capacity to help travellers and their baggage reach their destinations as quickly as possible," it said.

Govt caps airfares

MCA HAS ALSO directed IndiGo to clear all pending passenger refunds without delay. The ministry has mandated that the refund process for all cancelled or disrupted flights must be fully completed by 8 pm on Sunday, December 7. Airlines have been instructed not to levy any rescheduling charges for passengers whose travel plans were affected by cancellations. The ministry has clarified that any delay or non-compliance in refund processing will invite immediate regulatory action.

"To ensure seamless grievance redressal, IndiGo has been instructed to set up dedicated passenger support and refund facilitation cells. These cells have been tasked to proactively contact affected passengers and ensure that refunds and alternative travel arrangements are processed without the need for multiple follow-ups. The system of automatic refunds will remain active until operations stabilise completely," the government said in a statement. IndiGo's flight cancella-

tions continued on Saturday, but the airlines said the number of cancelled flights reduced to less than 850, while over a 1,000 flights were cancelled Friday. As per data shared with FE, Delhi saw the highest disruptions with 106 cancellations, followed by Bengaluru with 124 cancellations, Mumbai with 109, and Hyderabad with 66 cancelled flights.

"IndiGo is working determinedly to bring its operations back on track across the network. Our teams are focused on stabilising schedules, reducing delays, and supporting customers through this period," the airline said in a statement. IndiGo said it expects the situation to improve progressively over the next few days. "We would take this moment to thank all IndiGo employees and ground staff for their tireless support and commitment to our customers. IndiGo sincerely apologises for the inconvenience caused to our customers and remains focused on restoring normalcy across our operations at the earliest," the airline added.

Continued on Page 2



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

FINANCIAL EXPRESS

DELHI

7 DECEMBER 2025

AI crash: Investigators from India, US to meet

BLOOMBERG
December 6

INDIA IS SENDING investigators to the US next week to go over data with the National Transportation Safety Board gathered so far on the deadly crash in June of an Air India flight. The Indian investigators plan to share their findings, including any information gleaned from the plane's cockpit voice and flight data recorders, according to a person familiar with the meeting. India's Aircraft Accident Investigation Bureau has been leading the probe into crash, which killed 241 passengers and crew on the ill-fated Boeing Co 787 Dreamliner. The meeting will occur at the NTSB's

headquarters in Washington, the person said on the condition of anonymity because the information isn't public. Representatives from other parties to the investigation, including Boeing, will also be present, the person said. A spokesperson for the NTSB said it didn't have any information to provide at this time and referred questions to Indian authorities. Boeing referred all questions to AAIB. AAIB and India's aviation ministry didn't immediately respond to a request for comment over the weekend.

The meeting between the Indian and US investigators comes after reports of tension between the two countries over the handling of the crash probe.

PLANE TRUTHS | Despite massive cancellations, airline still selling tickets even as Congress voices concerns in Parliament

‘IndiGo fiasco cost of govt’s monopoly model’



Passengers wait in queues to enquire about flight status at Chennai Airport amid IndiGo flight disruptions, on Friday

FPJ NEWS SERVICE

NEW DELHI

Congress member Pramod Tiwari on Friday expressed concern in the Rajya Sabha over the cancellation of around 500 flights by IndiGo in the last two days, saying the airline’s monopoly is impacting parliamentarians as well as common citizens.

Raising the matter during Zero Hour, Tiwari said the flight cancellations had affected several MPs who had made travel plans for the weekend. “On one issue, many are concerned, and you will also agree with me. One airline, IndiGo, has cancelled 500 flights yesterday (Thursday) and the day before yesterday (Wednesday). I am raising the current issue (which concerns all),” Tiwari said.

“The problem has arisen due to the monopoly of one airline. I want to request through you the minister in charge who has made this rule due to which the problem has arisen, and update the House

when the problem will be addressed. Is the government taking any steps?” the Congress MP asked.

Responding to the concerns, Parliamentary Affairs Minister Kiren Rijji assured the House that the government was looking into the matter. In an X post, Rahul Gandhi attributed the recent disruptions in the airlines to a monopoly in the aviation sector, demanding “fair competition” in the market.

As IndiGo continues to struggle with massive operational disruptions, many have asked the same two questions - a) if it is cancelling hundreds of flights every day, then how is it still selling tickets, and b) why are fares so high, even on routes where cancellations are widespread? The answer to both is simple - despite unprecedented cancellations, IndiGo has not grounded its entire fleet or cancelled all of its over 2,200 daily domestic and international flights.



COMPENSATION: WHAT FLYERS NEED TO KNOW

For passengers whose flight has been delayed, their rights depend on the length of the delay relative to their flight duration. They can expect free meals and refreshments if the flight delay is:

- Over two hours (for flights with duration > 2.5 hours).
- Over three hours (for flights with duration 2.5-5 hours).
- Four-plus hours (for flights with duration > 5 hours).
- If the flight is delayed by more than six hours, you can either reschedule or demand a full refund of the ticket.

Airlines have to financially compensate flyers if they fail to apprise them of the flight cancellation at least two weeks before the scheduled departure.



Why pilots blame the management

Pilot unions allege IndiGo ignored warnings and failed to prepare staffing rosters:

- A prolonged hiring freeze despite knowing new rules were imminent
- Lean manpower strategy for years to cut costs
- Non-poaching pacts and pay freezes
- Schedule planning that didn’t factor in new rest norms

The Federation of Indian Pilots says the chaos is a direct consequence of these choices, claiming other airlines prepared better and remained largely unaffected. Unions also criticised DGCA for approving winter flights without verifying pilot availability under the new norms.

Compensation amount depends on

- Flights up to one hour: Rs 5,000 (or basic fare + fuel charge, whichever is less).
- Flights between one and two hours: Rs 7,500 (or basic fare + fuel charge, whichever is less)
- Flights over two hours: Rs 10,000 (or basic fare + fuel charge, whichever is less)

Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL

MUMBAI

6 DECEMBER 2025

IndiGo request prompts entry closure at Chennai terminal

HD Bureau

CHENNAI

A directive from IndiGo to halt the entry of departing passengers at Chennai airport until early evening created disruption across multiple airline operations as staff worked to manage a heavy build-up of travellers already inside the terminal. Officials from the Airports Authority of India confirmed that the airline had requested Central Industrial Security Force personnel to restrict access to the departure hall until 6 p. m., citing congestion caused by a backlog of base-flight passengers who remained in the check-in and boarding zones.

Airport sources said the request stemmed from an extended stretch of operational strain linked to weather-related challenges and air-side constraints, which



Boarding gates were gridlocked with travellers awaiting movement clearance, preventing fresh rounds of check-in from proceeding

contributed to significant delays through the week. Chennai airport has struggled with uneven passenger flow since mid-week, with airlines reporting difficulty in processing travellers at peak hours. The situation intensified when dozens of aircraft faced turnaround slowdowns, leaving ground crews unable to clear passengers from holding zones at the expected pace.

Airline staff described conditions where boarding gates were gridlocked with travellers awaiting movement clearance, preventing fresh rounds of check-in from proceeding.

The airport witnessed another wave of cancellations on Thursday, when 31 flights were withdrawn from scheduled operations as carriers assessed route viability and ground capacity. Flight disruption data showed multiple

short-haul services among those cancelled, with operators pointing to a combination of operational and meteorological constraints. Passengers affected by cancellations queued at airline counters seeking rebooking options, with many expressing concern over repeated timetable changes across two consecutive days. Some reported receiving notifications shortly before departure, forcing last-minute adjustments to travel plans.

IndiGo has been running dense rotations at Chennai due to its presence as a key operational base. The airline's internal coordination teams were said to be monitoring aircraft placement, crew availability and passenger loads to restore predictable flow. A senior airport official noted that IndiGo's request to stop further entry was prompted by the need to prevent overcrowding.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL

MUMBAI

6 DECEMBER 2025

DGCA's risky retreat

India's civil aviation sector has entered a moment of reckoning. The extraordinary chaos unleashed by IndiGo approximately 1,000 flight cancellations in a single day, terminals overflowing with stranded passengers and mounting public anger — has exposed not merely an airline in disarray but a regulatory system now forced to walk back its own rules. The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) decision to keep the revised Flight Duty Time Limitations (FDTL) in abeyance is not a minor administrative tweak; it is an alarming acknowledgement that India's aviation regulator cannot enforce safety reforms without destabilising the country's largest airline.

The new FDTL norms were introduced for one fundamental reason: pilot fatigue is a safety risk. Increasing weekly rest from 36 to 48 hours and limiting night landings were based on global standards.

Yet when IndiGo faltered — largely because it failed to plan adequately for the second phase of implementation — the DGCA yielded. A two-year exemption on night-duty clauses for IndiGo's A320 fleet effectively diluted the regulator's own rules. The move was justified as being "in public interest", but it underscores an uncomfortable reality: in a duopoly, safety regulations become negotiable when the dominant player stumbles. When a regulator must dilute safety rules to preserve flight schedules, the balance of power has tipped dangerously.

IndiGo, with nearly 70 per cent market share, has become too big to fail and, increasingly, too big to regulate. Its tight, high-frequency scheduling model left no buffer for crew-rest reforms. Once the new rules took effect, its fragile operational web collapsed. Passengers bore the brunt — from mass cancellations and missing refunds to being stranded for hours at overcrowded terminals with little clarity. The government has now announced a high-level probe to determine what went wrong with IndiGo's crew management and why passengers were pushed into such distress. This inquiry is necessary, but it must go beyond apportioning blame. The deeper flaw lies in the skewed market structure. With Air India still rebuilding and other carriers too small to absorb shocks, IndiGo's operational chaos automatically becomes a national aviation crisis.

India's aviation boom was built on reliability, affordability and safety. Today, reliability is shaky, affordability is inconsistent and safety norms appear flexible. The DGCA must reassert its authority and ensure that reforms meant to protect pilots and passengers are not compromised under operational pressure. IndiGo must also recognise that market dominance brings responsibility, not immunity. An apology simply doesn't cut it.

The deeper flaw lies in the skewed market structure. Air India is still rebuilding and other carriers are too small to absorb shocks



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL

MUMBAI

6 DECEMBER 2025

ROSTER RUPTURE | The revised Flight Duty Time Limitations rules immediately rendered a large portion of its pre-planned roster illegal, forcing pilots into compulsory rest periods and eliminating the small crew buffer the airline typically maintained

HOW NEW RULES EXPOSED INDIGO'S FLAWS

FLYERS' FLIGHT

There were expecting mothers, infants and elderly senior citizens waiting for their flight. It was very sad to see the kind of ordeal they went through. A colleague of mine was travelling from Amritsar to Guwahati via Kolkata. The flight landed five hours late at Kolkata and then had to wait for 14 hours on a lounge chair. This was a man-made situation

Dr Samir Dalwal

I joined tens of thousands of passengers stranded by IndiGo. My sincere apologies to my young staff waiting for me to attend his shaadi. Lost for words

Simon Wong

Singapore's High Commissioner in India

My flight 6E3324 from Edinburgh to Amsterdam was delayed due to IT issues at Edinburgh. Flight delayed and missed the connecting flight from Amsterdam to Mumbai. There is no support from IndiGo for this issue and customer care. I am stuck in Amsterdam

Sradha Sreedhar

I lodged an official complaint to the customer care and their response was to contact the ground staff. No food or water, no water in washrooms. What was surprising was the people. No complaints, some were singing to pass time and others making videos of singers despite being stranded for hours

Dr. Mayuri Bagde



Stranded passengers at the IndiGo counter —PTI

Dhairya Gajera

MUMBAI

The scene at major Indian airports this week was one of escalating chaos — hundreds of flights cancelled, on-time performance plummeting to single digits and thousands of frustrated passengers stranded in lines that stretched across terminals. The carrier at the center of this storm was IndiGo, India's largest airline, whose massive operational disruption was not triggered by a single catastrophic event, but rather a perfect storm of new regulatory mandates colliding with years of lean, high-utilisation planning.

The crisis, which saw the airline cancel over 1,000 flights in a single day, highest ever cancellation recorded by any airline, and forced the regulator to intervene, stems primarily from a drastic mismatch between IndiGo's operational footprint and its available crew strength under newly enforced safety rules.

The immediate trigger for the meltdown was the full

implementation of the Directorate General of Civil Aviation's (DGCA) revised Flight Duty Time Limitations (FDTL) rules, which came into effect on November 1. Designed to combat pilot fatigue, the new rules significantly tightened crew rest requirements. It increased the mandatory weekly rest periods for flight crew from 30 hours to 48 consecutive hours. Moreover, restrictions were placed on night flying. The definition of night duty was extended from up to 11pm to 1am, and critically, the maximum number of permitted night landings was sharply reduced from six to just two per week per pilot.

The restrictions immediately rendered a large portion of its pre-planned roster illegal, forcing pilots into compulsory rest periods and eliminating the small crew buffer the airline typically maintained. However, experts have questioned the disruption faced by the airline after more than a month of following the new rules.

Though the FDTL rules apply to all airlines, insiders

and pilot unions say IndiGo's crisis reflects a deeper failure in preparedness. The Federation of Indian Pilots (FIP), a key petitioner pushing for FDTL enactment, said the chaos was a 'direct consequence of IndiGo's prolonged and unorthodox lean manpower strategy.' Despite years of notice and phased implementation, they argue IndiGo's cost-driven management failed to scale up pilot recruitment and training during the preparation window.

Sources said the airline assumed the DGCA would again defer the November 1 deadline. Once the full norms kicked in, its limited buffer crew caused even minor disruptions to cascade across its 2,000-plus daily flight network.

This already fragile system was tipped into crisis by a minor, temporary Airbus A320 software advisory in late November. These delays pushed numerous flight arrivals and departures past midnight, instantly activating the stricter night duty rules and mandating extended rest for

pilots who would otherwise have flown the next morning's rotations. The resulting crew gaps led to mass cancellations in a devastating domino effect.

The collapse triggered nationwide chaos, with passengers facing hours-long standstills at major airports, often without clear information on delays or cancellations.

IndiGo's mismanagement has also hit travelers financially, with the sudden drop in capacity sending domestic airfares soaring — some one-way economy tickets reportedly crossing Rs40,000 on key routes. The DGCA scrutinised IndiGo's top leadership, seeking explanations and a mitigation plan. In an unusual step, the regulator briefly relaxed a minor FDTL clause on substituting weekly rest with leave, giving the airline limited room to rebalance crew rosters. The Civil Aviation Ministry has also ordered a high-level inquiry.

However, later in the evening, the ministry came up with an unexpected step and temporarily suspended the implementation of FDTL rules.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL

MUMBAI

6 DECEMBER 2025

Safety of flying public gravely compromised, says pilots' association

FPJ News Service

MUMBAI

The Airline Pilots' Association of India (APAI) has expressed its profound concern and deep disappointment with the selective dispensations granted to IndiGo Airlines in respect of the implementation of the revised Flight Duty Time Limitations Civil Aviation Requirement (FDTL CAR) (Phase II). In a strongly worded letter to the director-general of civil aviation, the association said, "This decision, taken despite repeated representations, formal letters and direct discussions with your esteemed office, has undermined the very spirit of the FDTL regulations and gravely compromised the safety of the flying public." The association is a member of International Federation of Airline Pilots' Associations (IFALPA).

Capt Sam Thomas, director of IFALPA, stated, "During our meeting on November 24, it was unequivocally agreed that no dispensation, exemption or variation, particularly those motivated by commercial interests, would be granted to any operator. The consensus was clear: FDTL norms exist solely to safeguard human life and any dilution of these limits would expose pilots, passengers and aircraft to unacceptable risks."

"Yet, in complete contradiction to this understanding, your office has extended selective dispensation to IndiGo for Phase II implementation, allowing them to operate beyond the safety envelope prescribed by the CAR. On the pretext of passenger inconvenience, IndiGo is seeking relief despite having knowingly increased their winter operations while being fully aware of the Phase II implementation of the FDTL CAR."

"What is even more alarming is that Phase II itself already includes many dispensations tailor made to the operators selectively, intended as a transitional relaxation to assist operators. Despite this built-in relief, your office has granted further selective dispensations exclusively to IndiGo, creating a situation where an operator already benefitting from relaxed provisions is given additional layers of relaxation on top of it, without any safety justification. Such a precedent is not only indefensible but



By granting layered, selective dispensations, the DGCA/Govt of India has effectively acknowledged that IndiGo pilots will now fly with reduced rest and increased fatigue, placing their passengers at elevated risk compared to passengers of other airlines

-Airline Pilots' Association of India

also dangerous.

"All operators had almost two years to implement the new FDTL, and that too in two phases. Even with this ample time, IndiGo failed to organise its roster and instead increased its operations for winter 2025 which was approved by your office. It is equally questionable how such large-scale disruptions surfaced 35 days after the implementation of Phase II on November 1 which was informed to them well in advance. These events raise serious concerns that an artificial crisis engineered to exert pressure on the government for commercial gain under the pretext of 'public inconvenience'."

"Our strongest objection is to the nature of the dispensations granted. Not only has the night definition been relaxed, but the permitted number of landings encroaching night has been doubled, from two to four, directly contradicting the original CAR issued by the DGCA. Such modifications fundamentally dilute the protective intent of the regulation and jeopardise pilot alertness and flight safety."

"By granting these layered, selective dispensations, the DGCA/Government of India has effectively acknowledged that IndiGo pilots will now fly with reduced rest and increased fatigue, placing their passengers at elevated risk compared to passengers of other airlines. Aviation safety norms cannot differ from airline to airline based on commercial interests."

"This decision has now set a dangerous precedent. By granting selective exemptions to IndiGo, the DGCA has opened the door for all other operators to cite their own operational, commercial or scheduling reasons to demand similar dispensations from the FDTL CAR. This undermines the very principle and purpose of the CAR itself. If dispensations

can be granted based on each operator's requirements, then the relevance, authority and intent of the FDTL CAR is defeated entirely."

"Can a safety regulation that can be bypassed at the convenience of an operator be considered a safety regulation at all? It is evident that even in the past, the FDTL CAR was put in abeyance immediately after its release, solely to accommodate the commercial interests of the operators," Capt Thomas observed.

He said the decision of the DGCA has destroyed regulatory parity, undermined public trust in DGCA's neutrality, compromised scientifically established fatigue protections."

The Association has demanded the immediate withdrawal of all dispensations granted to IndiGo in relation to FDTL Phase II a thorough investigation into IndiGo's creation of an artificial pilot-shortage narrative, initiation of punitive and legal action against the accountable management of IndiGo for causing public inconvenience, immediate and full enforcement of FDTL CAR Rev 2 of 2024, without exemptions, variations or dispensations.

"IndiGo has gone on record admitting that they misjudged their operational capability, yet, instead of reprimanding or penalising them for causing massive public inconvenience, the DGCA has proceeded to grant them further dispensations. This action has not only rewarded operational mismanagement but has also placed the lives of the flying public in direct danger," Capt Thomas said.

"Should these selective dispensations not be revoked, it must be clearly understood that the DGCA shall bear direct responsibility for any incident, accident, or loss of life arising due to fatigue-related impairment enabled by these exemptions and the pilot shall not be held accountable."

"Our appeal is made solely in the interest of the flying public of India. Passenger safety cannot be compromised for commercial interests under any circumstances. We remain available for any meeting or dialogue with your office to work collectively towards strengthening and assuring passenger safety," the letter added.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HARI BHUMI

DELHI

7 DECEMBER 2025

कांग्रेस ने सरकार
द्वारा उत्पन्न संकट
बताया

एविएशन संकट पर कांग्रेस का हमला और केंद्र सरकार को ठहराया जिम्मेदार

हरिभूमि ब्यूरो नई दिल्ली

देश में जारी विमानन संकट को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है और इसे 'सरकार द्वारा उत्पन्न संकट' बताया है। एआईसीसी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद ससिकांत सैथिल ने इंडिगो द्वारा 5 दिसंबर को 1,000 से अधिक उड़ानों और 6 दिसंबर को सैकड़ों उड़ानों के रद्द होने को लेकर केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया। नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नावडू से उन्होंने पूछा कि क्या वे इस अभूतपूर्व संकट की जिम्मेदारी लेंगे या फिर यात्रियों की परेशानी के बीच सिर्फ औपचारिक बयान देते रहेंगे? उन्होंने कहा कि यह संकट सरकार की "ह्यूमोपॉली नीति" (दो बड़ी कंपनियों के वर्चस्व) का नतीजा है, जिससे विमानन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा कमजोर हुई और व्यवस्था चरमरा गई।

एफडीटीएल के नियम को कमजोर किया गया

सैथिल ने फ्लाइट इयूटी व्यूज लिमिटेड नियमों को हटाने और कमजोर करने पर भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जनवरी 2024 में लागू किए गए और जुलाई 2025 से आंशिक रूप से लागू सुरक्षा नियमों को संकट के समय वापस लेना यात्रियों की सुरक्षा और क्रू मेंबर्स के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।

मोनोपॉली क्यों होने दिया गया

उन्होंने कई हवाई अड्डों को अडानी समूह को सौंपे जाने का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि सरकार चुनिंदा कॉर्पोरेट घरानों को फायदा पहुंचा रही है, जिससे विमानन ही नहीं बल्कि टेलीकॉम और पोर्ट जैसे अन्य क्षेत्रों में भी एकाधिकार की स्थिति बन रही है। इलेक्टोरल बॉन्ड का हवाला देते हुए कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब और उसके प्रमोटर राहुल भाटिया ने भारी मात्रा में बॉन्ड खरीदे, जिनमें से अधिकतर सत्ताधारी दल ने भुनाए।

उठाए सवाल

उन्होंने इसे 'प्रेशी कैपिटलिज्म' (रहते-पूजेवादी) करार देते हुए कहा कि इससे परस्परिष्ठा खत्म हो रही है और राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंच रहा है। सैथिल ने सरकार से सवाल किया कि किमान्ता क्षेत्र को जाबजूबकर एकाधिकार और ह्यूमोपॉली को तयफ तयों फैला गया?



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN

DELHI

7 DECEMBER 2025

सख्ती: मनमाने किराये पर रोक, पांचवें दिन भी 800 उड़ानें निरस्त

नई दिल्ली/मुंबई, एजेसी। इंडिगो संकट के बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने हवाई किराये की अधिकतम सीमा तय कर दी है। वहीं, इंडिगो विमानों के रद्द होने का सिलसिला पांचवें दिन भी जारी रहा। शनिवार को 800 से अधिक उड़ानें रद्द होने से यात्री बेहाल रहे।

मंत्रालय के अनुसार, हवाई किराये की सीमा बिजनेस क्लास और उड़ान श्रेणी की सेवाओं पर लागू नहीं होगी। इसके अलावा मंत्रालय ने इंडिगो को रद्द उड़ानों के टिकट का पैसा यात्रियों को हर हाल में शनिवार रात आठ बजे तक लौटाने को कहा है। साथ ही यात्रियों का सामान अगले दो दिन में वापस करने को कहा है।

दूरी के हिसाब से किराया

किलोमीटर	किराया में
0 से 500	7500
500 से 1000	12000
1000 से 1500	15000
1500 से अधिक	18000

07 दिसंबर रात आठ बजे पर टिकट के पैसे लौटाने को कहा

मंत्रालय ने कहा कि शनिवार देर रात सभी एयरपोर्ट पर हालात सामान्य हो गए। वहीं, डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ पीटर एलवर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया। नोटिस में कहा गया है कि

कंपनी विशेष सेल खोले

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो को निर्देश दिया है कि कंपनी यात्रियों पर किसी तरह का पुनर्निर्धारण शुल्क नहीं लगाएगी। मंत्रालय ने इंडिगो यात्रियों की मदद और रिफंड प्रक्रिया के लिए विशेष सेल खोलने का निर्देश दिया है। ये सेल प्रभावित लोगों से संपर्क कर पैसा वापस करने और दूसरे विकल्प सुझाएगी।

आपके खिलाफ उचित कार्रवाई क्यों नहीं हो। वहीं, रेलवे ने परेशान विमान यात्रियों की सहूलियत के लिए 84 विशेष ट्रेन चलाने का फैसला किया है।

➤ आक्रोश, आंसू, असमंजस P16



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN

DELHI

7 DECEMBER 2025

परेशानी: उड़ान प्रभावित होने के बाद रेलवे स्टेशन पर बढ़ी यात्रियों की भीड़

नई दिल्ली। मुंबई दिल्ली से हैदराबाद यात्रा के संदर्भ में उड़ान रद्द हो गई है। परिणामस्वरूप रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) के अनुसार, उड़ान रद्द होने के बाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) के अनुसार, उड़ान रद्द होने के बाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। परिणामस्वरूप रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है।



नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रजिस्टर को रोकने के लिए बढ़ी संख्या में पहुंचे यात्री।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) के अनुसार, उड़ान रद्द होने के बाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। परिणामस्वरूप रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है।

यात्रियों की सुविधा के लिए 1.5 हजार टिकटों की बिक्री

इसके अलावा, यात्रियों की सुविधा के लिए 1.5 हजार टिकटों की बिक्री की गई है।



अलग-अलग स्टेशनों से विशेष रेलगाड़ियां चलाई

अलग-अलग स्टेशनों से विशेष रेलगाड़ियां चलाई जाएंगी।



इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से यात्री परेशान रहे, दिल्ली में हवाई अड्डे पर दर-दर भटकते रहे यात्री, मुंबई एयरपोर्ट पर हंगामा

हवाई अड्डों पर आक्रोश, आंसू और असमंजस

उड़ानों पर आफत

नई दिल्ली, प्र.सं./एजेसी। इंडिगो की उड़ानें रद्द होने की खबर से शनिवार को भी यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। देशभर के हवाई अड्डों पर आक्रोश, आंसू और असमंजस की स्थिति नजर आई।

दिल्ली हवाई अड्डे पर शनिवार को भी दिन भर यात्री हल्लाकान रहे। विमानन कंपनी इंडिगो की उड़ानों के रद्द या स्थगित होने के चलते सखी जानकारी के लिए यात्री दिन भर एक काउंटर से दूसरे काउंटर तक भटकते रहे। यात्री अन्य विमान सेवाओं द्वारा टिकट की कोशिशों में कई गुना इजाजा किए जाने की भी शिकायत करते नजर आए।

हवाई जहाज के जर्गिए अपना सफर सुगमता से पूरा करने की चाह रखने वालों के लिए पिछले चार दिन खासतौर पर भीड़ बढ़ गई है। यात्रियों ने अपनी परेशानियों बयान करने के लिए सोशल माध्यमों का भी सहारा लिया है। एक यात्री ने बताया कि कई घंटे हवाई अड्डे पर घिताने के बाद भी उन्हें अभी तक माध्यमों का भी सहारा लिया है। एक यात्री ने बताया कि कई घंटे हवाई अड्डे पर घिताने के बाद भी उन्हें अभी तक अपने विमान के बारे में सखी जानकारी नहीं मिल पाई है। जबकि, एक महिला यात्री ने बताया कि मंगलुरु जाने के लिए उन्होंने इंडिगो का टिकट लिया था। लेकिन, विमान के बारे में उन्हें जानकारी नहीं मिल पा रही है। अन्य विमान सेवाओं से भी उन्होंने टिकट के बारे में पता किया। उन्हें चालीस से पचास हजार रुपये में टिकट मिलने की जानकारी दी जा रही है।

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज एयरपोर्ट पर यात्रियों ने हंगामा किया। वहीं, दिल्ली और अहमदाबाद में कुछ यात्री रोते भी दिखाई दिए। यात्रियों में इस बात को लेकर असमंजस था कि उनकी उड़ानें रद्द हो गई हैं तो क्या उन्हें दूसरी फ्लाइट से गंतव्य तक भेजा जाएगा।

श्रीनगर से विमान सेवा ठप : इंडिगो ने जम्मू एयरपोर्ट से ग्यारह में से नौ विमानों का संचालन किया। श्रीनगर एयरपोर्ट से सात विमान सेवाओं को रद्द कर दिया गया। विमानों के अचानक रद्द होने से बड़ी संख्या में यात्री परेशान रहे और मदद के लिए इधर-उधर भटकते नजर आए।



नई दिल्ली के अर्ध-नीआई एयरपोर्ट पर शनिवार को विमान के इंतजार में खड़ी यात्री। • ए.एस.ए.



अहमदाबाद हवाई अड्डे पर उड़ान रद्द होने पर एक महिला यात्री रोती नजर आई। • ए.एस.ए.

बिहार : अगले दो दिनों तक टिकट मिलना मुश्किल
पटना। बिहार के चार हवाई अड्डों से 13 विमान शनिवार को रद्द रहे। इसका असर दूसरी विमानन कंपनियों की उड़ानों पर भी पड़ा है। पटना से अगले दो दिनों तक विमान से नई दिल्ली, मुंबई असादर दूसरी विमानन कंपनियों की उड़ानों पर भी पड़ा है। पटना से अगले दो दिनों तक विमान से नई दिल्ली, मुंबई और बंगलुरु जाना मुश्किल है, क्योंकि अधिकतर सीट फुल है।

उत्तराखंड : सड़क मार्ग यात्रियों को दिल्ली भेजा
देहरादून। जौलीग्रॉउ एयरपोर्ट पर आने वाली इंडिगो की तीन फ्लाइटें शनिवार को रद्द हुईं और तीन ही फ्लाइटें देर से पहुंचीं। भूदनेश्वर और लखनऊ जाने वाले यात्रियों को सड़क मार्ग से दिल्ली को रद्द हुईं और तीन ही फ्लाइटें देर से पहुंचीं। भूदनेश्वर और लखनऊ जाने वाले यात्रियों को सड़क मार्ग से दिल्ली भेजा गया, जहां से उनकी एयरलाइंस में आगे की व्यवस्था की।

उत्तर प्रदेश : एयरपोर्ट पर हालात बेकाबू, मारपीट लखनऊ। फ्लाइटें लगातार निरस्त हो रही हैं। जिनको दूसरी फ्लाइट का टिकट दिया, वह भी निरस्त हो गई। मतीजवाहन लखनऊ एयरपोर्ट पर शनिवार को स्थिति बेकाबू हो गई। यात्रियों का सब अशांति दे गया। दोपहर को टर्मिनल के बाहर इंडिगो काउंटर की लाइन में आगे निकलने की होड़ में नोकझोंक शुरू हुई जो मारपीट में बदल गई। लखनऊ आने और जाने वाली कुल 40 फ्लाइटें निरस्त हुईं हैं। इनमें 23 ऐसी हैं जिनको यहां से रवाना होना था। अभीसी स्थिति एयरपोर्ट पर शनिवार काउंटर की लाइन में आगे निकलने की होड़ में नोकझोंक शुरू हुई जो मारपीट में बदल गई। लखनऊ आने और जाने वाली कुल 40 फ्लाइटें निरस्त हुईं हैं। इनमें 23 ऐसी हैं जिनको यहां से रवाना होना था। अभीसी स्थिति एयरपोर्ट पर शनिवार को हालात और बिगड़ गए। सीआईएएसएफ ने किसी तरह समझौता कर हालात काबू में किए। दूर से आए कई यात्री चार दिनों से लखनऊ के होटलों में ठहरे हैं।

महाराष्ट्र : विमान रद्द होने से यात्री बेहाल रहे
इंडिगो ने मुंबई-पुणे एयरपोर्ट से कई विमानों को रद्द रखा। पुणे एयरपोर्ट से 14 विमानों का संचालन रद्द रखा। दिल्ली, इंदौर, नागपुर, गुवाहाटी, पटना, वाराणसी, चेन्नई और बंगलुरु जाने वाले विमान रद्द रहे। दूसरे एयरपोर्ट से यहां आने वाले 28 विमान भी रद्द रहे।

झारखंड : सात विमान रद्द, किराया छह गुना हुआ
रांची/देवघर। रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से सात विमान रद्द किए गए। दूसरे एयरलाइंस से यात्रियों ने 33 से 39 हजार रुपये में बुकिंग कराकर मुंबई, बंगलुरु, दिल्ली का सफर किया। जबकि रांची से इन शहरों के बीच सामान्य किराया छह से सठे सात हजार रुपये है।

गुस्से में लोग @ एक्स

कू सदस्यों के काम के घंटे कम होने के बाद इंडिगो ने स्टाफ का वेतन घटा दिया। अब सरकार ने कंपनी को राहत दे दी है। खराब नीतियां ही परेशानी है। -अभिजीत गांगुली

इंडिगो सफर को आसान बनाने की बजाए अपनी छवि सुधारने में जुट गई है। कंपनी एयरपोर्ट पर बेबस लोगों की मदद नहीं कर रही है। सोशल मीडिया पर सिर्फ दावे कर रही है। हालात बेहद खराब हैं। -राजीव मंत्री

इंडिगो ने जो किया है उसके लिए उसपर कड़ा जुर्माना लगाया जाना चाहिए। कंपनी के विमान किराया एक साल तक सरकार को तय कर देना चाहिए ताकि आने वाले समय में कंपनी इस तरह की मनमानी न कर पाए। -अभिजीत अख्यर

इंडिगो पर यात्रियों की असुविधा के लिए भारी जुर्माना लगाया जाना चाहिए। कंपनी जब तक अतिरिक्त स्टाफ की भर्ती नहीं कर लेती है तब तक उमान की अनुमति नहीं देनी चाहिए। -अनूप वर्मा

हिंडन के बजाय दिल्ली भेजी उड़ान, यात्री हुए परेशान

ट्रांस हिंडन, थ्रिस्ट संवाददाता। हिंडन एयरपोर्ट से शनिवार को इंडिगो की मुंबई की उड़ान रद्द रही। इसके अलावा वाराणसी से आने वाली उड़ान को दिल्ली डायवर्ट कर दिया गया। इससे यात्रियों को परेशानी हुई। वहीं, हवाई टिकटों की कोशिशों पर बढ़ोतरी ने समस्या और गंभीर बना दिया है।

इंडिगो की उड़ान रद्द होने से हिंडन एयरपोर्ट पर भी विमानों का अखाद्यमन तीन दिन से बाधित है। शुक्रवार को कंपनी की सातों उड़ानें रद्द थीं, जबकि शनिवार को मुंबई की उड़ान रद्द रही। वाराणसी से हिंडन पहुंचने वाली उड़ान को अचानक डायवर्ट कर दिल्ली में उतारना पड़ा। ऐसे में हिंडन पर उतरने वाले यात्री दिल्ली पहुंच गए और उन्हें परेशानी हुई। वाराणसी से आने वाला यह विमान यहां से बंगलुरु रवाना होना था, लेकिन डायवर्जन के कारण यात्री इंतजार ही करते रहे। वायुसेना हर शनिवार को दोपहर तीन बजे रनवे का मॉन्टैनेंस करती है। इसलिए रनवे बंद कर देती है। वाराणसी का विमान दोपहर 12:55 पर आना था और बंगलुरु दोपहर 2:15 पर रवाना होता। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने वायुसेना से बात की, लेकिन अनुमति नहीं मिली। कुछ देर हवा में इंतजार करने के बाद विमान दिल्ली डायवर्ट कर दिया गया। वहीं, एयरपोर्ट पहुंचे यात्री टर्मिनल के अंदर फंसे रहे।

टिकट का पूरा पैसा वापस होगा: इंडिगो

मुंबई, एजेसी। इंडिगो ने बयान जारी कर कहा है कि 05 दिसंबर से 15 दिसंबर तक रद्द हुई उड़ानों के टिकट का पूरा पैसा ऑटोमैटिक तरीके से पैसा वापस किया जाएगा। शनिवार को एक्स पर पोस्ट में कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि टिकट का पैसा वापस करने में किसी तरह का कोई सवाल नहीं किया जाएगा। जिस यात्री ने जिस तरीके से टिकट के लिए भुगतान किया था, उसी तरीके से पैसा वापस दिया जाएगा।

हालात जल्द सामान्य होंगे: इंडिगो ने कहा है कि हालात को स्थिर करने के लिए उसकी टीम काम कर रही है। शुक्रवार की तुलना में शनिवार को रद्द होने वाले विमानों की संख्या में गिरावट देखी गई है। नेटवर्क को ठीक करने को टीम दिन रात काम कर रही है।

सहूलियत के लिए रेलवे चलाएगा 84 विशेष ट्रेन

नई दिल्ली, एजेसी। रेलवे ने इंडिगो विमानों के रद्द होने के बीच 84 विशेष ट्रेन चलाने का फैसला किया है। रेल मंत्रालय ने शनिवार को बयान जारी कर बताया कि ये ट्रेन दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बंगलुरु, पटना और हावड़ा समेत अन्य शहरों के बीच 104 फेरे लगाएंगी।

पब्लिसिटी रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने बताया कि विशेष ट्रेन का संचालन और ट्रेन फेरी का फैसला हालात के आधार बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सभी जोन के अधिकारियों से संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। लोगों को सुविधाओं के साथ विशेष ट्रेन की सुरक्षा के लिए भी जरूरी

- 37 प्रीमियम ट्रेन में जोड़े जाएंगे 116 कोच
- दक्षिण रेलवे ने 18 अतिरिक्त कोच लगाए

इंतजाम करने को कहा गया है। वहीं दूसरी ओर रेलवे ने रेलवे ने यात्रियों की सहूलियत के लिए 37 प्रीमियम ट्रेनों में 116 अतिरिक्त कोच जोड़ने का फैसला किया है।

रेलवे ने बयान जारी कर बताया कि इस फैसले से कई ट्रेन में हजारों की संख्या में अतिरिक्त सीटें उपलब्ध होंगी। दक्षिण रेलवे ने 18 ट्रेन में अतिरिक्त कोच लगाए हैं। ये व्यवस्था 14 दिसंबर से लागू हो गई है।

As crisis continues, govt. imposes cap on airfares

IndiGo operates 1,500 flights on Saturday, will likely return to full capacity of 2,200 flights by Dec. 15, says CEO; caps for domestic fares are in range of ₹7,500 to ₹18,000, depending on distance

Jagriti Chandra
NEW DELHI

The Union government imposed caps on airfares, set a timeline for refunds, and announced special trains to help stranded passengers on Saturday, as IndiGo, the country's largest domestic airline, began a slow return to normalcy.

The airline has experienced a near-total breakdown of operations in recent days, and had cancelled two out of every three of its scheduled flights on Friday.

IndiGo, which operates 2,200 flights daily and accounts for six out of every 10 passengers who travel by air, said it had operated 1,500 flights on Saturday compared with 700 on Friday. Normalcy is expected between December 10 and



Long wait: Passengers waiting at the Chennai airport on Saturday amid continued cancellations. B. VELARHANNI RAJ

15, according to IndiGo chief executive officer Pieter Elbers.

"Over 95% of network connectivity has already been re-established as we are able to operate to 135 out of the existing 138 destinations," the airline said in a statement.

Meanwhile, Minister for Civil Aviation K. Rammo-han Naidu said in a post on X: "The Ministry has invoked its regulatory powers to ensure fair and reasonable fares across all affected routes."

The Ministry has notified limits on economy

DGCA serves show-cause notice on IndiGo CEO

NEW DELHI

The DGCA on Saturday served a show-cause notice on IndiGo CEO Pieter Elbers seeking an explanation within 24 hours on why enforcement action should not be initiated against him for the large-scale flight disruptions that have seen hundreds of flight cancellations over the past week. » PAGE 10

class air fares for domestic flights starting with a cap of ₹7,500 for a distance of 500 km, ₹12,000 for up to 1,000 km, ₹15,000 for up to 1,500 km and ₹18,000 for longer flights.

CONTINUED ON
» PAGE 9

From Page One

As crisis continues, govt. imposes cap on airfares

The caps exclude the user development fee payable to airports, the passenger security fee collected by the Central Industrial Security Force, and taxes.

Refunds by Sunday night

The government has directed IndiGo to ensure that refunds for all cancelled and disrupted flights are completed by 8 p.m. on Sunday. It has also instructed the airline to trace all baggage separated from passengers due to cancellations or delays and deliver them to their residences or designated addresses within 48 hours.

IndiGo has also announced a full waiver of cancellation and rescheduling fees for travel between December 5 and 15, allowing passengers to cancel or modify their bookings. This is in addition to refunds owed to all the other passengers whose flights were cancelled by the airline over the past few weeks.

Special trains

To help passengers stranded by the flight cancellations, Indian Railways has introduced more than 75 special trains connecting multiple cities across the country. East Coast Railway, for instance, will run six trains to connect passengers between destinations in Odisha, including Bhubaneswar, Sambalpur, and Puri, and Delhi, Mumbai, and Vishakapatnam.

It will also add coaches to four trains, including the Bhubaneswar-New Delhi Tejas Rajdhani and the Puri-Shalimar Garib Rath.

Western Railway will also run seven special trains on special fares on the following routes: Mumbai Central-New Delhi, Mumbai Central-Bhivani, Mumbai Central-Shakur Basti, Bandra Terminus-Durgapura, Valsad-Bilaspur, Sabarmati-Delhi, and Sabarmati-Sarai Rohilla.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDU

DELHI

7 DECEMBER 2025

DGCA serves showcause notice on IndiGo CEO

Jagriti Chandra

NEW DELHI

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on Saturday served a show-cause notice on IndiGo CEO Pieter Elbers seeking an explanation within 24 hours on why enforcement action should not be initiated against him for the large-scale flight disruptions resulting in hundreds of flight cancellations over the past week.

“Whereas such large-scale operational failures indicate significant lapses in planning, oversight, and resource management, and *prima facie* non-compliance on the part of the airline” with the rules governing pilot rest and duty norms, read the notice.

“As the CEO, you are responsible for ensuring effective management of the airlines, but you have failed in your duty to ensure timely arrangements for the conduct of reliable operations and the availability of requisite facilities to the passenger,” it added.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDU

DELHI

7 DECEMBER 2025

Ground to air

A factual narrative on the growth and prospects of the aviation sector in India

Murali N. Krishnaswamy

murali.n.krishnaswamy@airports.gov.in

Advancements in aviation – a world of fast-paced technological developments – can be riveting for the enthusiast and perplexing for the casual observer. These are the two reader groups that Shiv Kumar Mohanka, Deputy Inspector General, Central Industrial Security Force, attempts to appeal to in his book (it is an e-book too), *Above and Beyond – Exploring the Amazing World of Aviation*.

India, according to global aviation data markers, has found a place as one of the largest aviation markets, placed among other leaders such as the U.S., the U.K., China and Japan, and is growing at an impressive rate on a year-on-year basis.

As a result, Indian aviation has witnessed multi-dimensional growth in the form of better air connectivity, low-cost carrier services, airline fleet expansion, and also the modernisation of airport infrastructure.

This last factor, for instance, has resulted in headline grabbing statements – airport terminals, especially in the metros, that win accolades for terminal rating and even special prizes for ‘interiors’,

and airports that hold out hope of helping the aviation sector evolve further. The author, for instance, acknowledges that a lot of what he learned during the planning and execution of Terminal 2 at Bengaluru airport was his tailwind in the writing of this book.

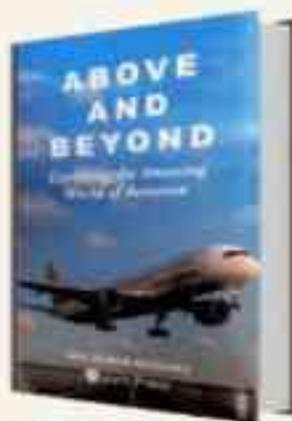
Bird's eye view

The 454-page book, across eight chapters, covers a swathe, touching almost every aspect of aviation, from ground to air. These include

details such as runway design, maintenance and operations, air traffic control and management, airport technology and innovation, aviation weather and meteorology, aviation human factors and crew resource management, medical emergencies, and cybersecurity challenges encountered in the sector. There are also details on ticket pricing strategies and rights of air passengers – which would be appealing to an air passenger in this part of the world.

Of interest too is the chapter, ‘Weighting of passengers and baggage by airlines’. An engrossing fact is the programme called the ‘Passenger and Weight Survey’, where the data is used to “calculate the average weight of passengers” and, in turn, the “maximum take-off weight for aircraft”. There is a look at helicopter aviation, military aviation history, which includes the Indian Air Force, and drone technology, which could have been knit better with the rest of the book.

The author has tapped industry sources and media reports – *The Hindu* included – to weave together, with illustrations, a factual storytelling of the sector and industry. The aim has been to produce a concise handbook, but a more engaging style would have recast the reading experience.



Above and Beyond – Exploring the Amazing World of Aviation

Shiv Kumar Mohanka
Juris Press

₹650



Indian aviation has witnessed multi-dimensional growth in the form of better air connectivity and airline fleet expansion, among others. © Getty Images



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES

DELHI

7 DECEMBER 2025

AAIB may head to US as part of AI-171 crash probe

Neha LM Tripathi

letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: A team from the Aircraft Accidents Investigation Bureau (AAIB) is expected to travel to the US this month with the cockpit voice recorder and flight data recorder information from Air India Flight 171 for detailed analysis at facilities run by the National Transportation Safety Board (NTSB), multiple officials told HT.

The visit will be the last major step before the investigation into the June 12 crash is completed, with the final report expected

before the June 2026 deadline, one of these people said, asking not to be named.

"Investigators will conduct detailed analysis at the US facilities to determine why the aircraft's fuel switches moved during takeoff," this person said, explaining that a detailed analysis of the audio will help establish whether the fuel switches were indeed physically moved from the "run" to cut-off position.

"Investigators will conduct detailed analysis at the US facilities to determine why the aircraft's fuel switches moved during takeoff," this person said. ❧

Govt issues show cause notice to IndiGo CEO, caps fares for airlines

Neha LM Tripathi

letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The aviation regulator DGCA on Saturday issued a show cause notice to IndiGo chief executive officer Pieter Elbers, holding him directly accountable for "significant lapses in planning, oversight, and resource management" and giving him 24 hours to explain why enforcement action should not be initiated for violations that precipitated the country's worst aviation crisis in years.

The civil aviation ministry separately imposed emergency

THE CIVIL AVIATION MINISTRY IMPOSED EMERGENCY FARE CAPS ON DOMESTIC FLIGHTS AND ASKED INDIGO TO PROCESS REFUNDS BY SUNDAY

fare caps on domestic flights and ordered IndiGo to complete all refunds by Sunday evening, as tens of thousands of stranded passengers across Indian airports confronted surging ticket prices, missing luggage and

mounting anger in the fifth day of the operational meltdown.

The show cause notice from the Directorate General of Civil Aviation, issued on Saturday evening, cited IndiGo for "prima facie non-compliance" with Aircraft Rules and Civil Aviation Requirements, accusing the airline of failing to provision adequate arrangements to implement revised crew fatigue rules and failing to provide requisite facilities to passengers during massive flight disruptions.

The notice gives Elbers until Sunday evening to respond. ❧



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES

DELHI

7 DECEMBER 2025

Regulatory retreat poses flying safety hazard, say experts

Neha LM Tripathi

nehatri@hindustantimes.com

NEW DELHI: Hard-fought regulations designed to protect both aviation safety and pilot wellbeing—won through 13 years of litigation catalysed by a 2010 crash that killed 158 people — have been undone to accommodate an airline whose mismanagement did not prepare despite ample notice, experts and pilots have said.

The Directorate General of Civil Aviation on Friday granted IndiGo sweeping exemptions from crew fatigue standards that pilot unions fought for over a decade to establish, eight months after the Delhi high court disposed of the case believing India had finally achieved enforceable protections aligned with global benchmarks.

The regulatory retreat, prompted by IndiGo's cancellation of hundreds of flights due to what the airline admitted were "misjudgment and planning gaps", has triggered warnings from aviation experts that India's willingness to compromise court-approved safety standards for one carrier's operational convenience exposes the entire system to preventable catastrophe.

The litigation began in 2012

two years after an Air India Express Boeing 737 overshot the runway at Mangalore, plunged into a gorge and exploded, killing 158 passengers and crew. Only eight survived. Investigators determined the commander had been "disorientated" after reportedly sleeping through much of the three-hour flight.

The Indian Commercial Pilots Association, Indian Pilots Guild and Federation of Indian Pilots petitioned the Delhi High Court, arguing that Indian scheduling practices pushed crew to unsafe limits and demanding implementation of fatigue mitigation norms aligned with global safety standards that had been adopted by aviation authorities worldwide.

"It had taken a lot of effort and time to align the Indian FDTL to global or near global standards," a former bureaucrat said, noting that the regulatory framework represented years of painstaking work to elevate Indian safety protocols to international benchmarks.

A former airline official warned of cascading consequences beyond immediate safety concerns. "This is not only a risk for pilots, but a risk for passengers as well as the airline. Any setback



Stranded passengers at the Varanasi airport on Saturday.

incident could mean loss of lives, equipment and lead to increase in costs for the airline in terms of lease as well as insurance. If an airline cannot adjust its needs with a near two-year headstart, the operations and intentions are both questionable."

The new regulations brought India into alignment with ICAO standards that had been adopted across major aviation markets. The rules increased mandatory weekly rest periods from 36 to 48 hours, limited night time landings to two per week from six, and expanded the definition of night

duty to match international norms—changes designed to prevent the kind of crew exhaustion that contributed to the Mangalore disaster.

Aviation safety consultant Mark D Martin issued withering criticism of the regulatory retreat. "Never has the DGCA retracted a critical safety and human factor risk mitigation regulation. Retracting the FDTL to accommodate one airline sends a spine-chilling message to the world that India's safety regulations are bendable, stretchable, biased and partial."

Martin warned the decision

would trigger international scrutiny. "India's safety incident rate and global safety ranking repeatedly has drawn criticisms from the ICAO, EASA and the FAA, and with the DGCA's present soft, spineless stance on FDTL and crew fatigue, has already sent ripples, caution and triggers of SFA (Safety Assessment of Foreign Aircraft) inspection with world regulators since FDTL rules apply to Indian VT aircraft flying on international routes. It won't be soon that they would begin receiving 'show cause' notices by the ICAO."

Industry veteran Capt Shakti Lunkha said the exemptions revealed systematic failure. "The airline had two years to prepare for the new FDTL rules but it did not bother to do so, forcing the government to relax the norms as per their requirement, which is putting not only the pilots but also the passengers at risk."

The Airline Pilots Association of India, which represents over 6,000 pilots, expressed "profound concern" over the "selective dispensation", warning that any dilution in FDTL norms "would expose pilots, passengers and aircraft to unacceptable risks".

Data submitted by IndiGo to DGCA shows the airline's require-

ment for pilots-in-command increased from 2,280 in October to 2,422 in November under the new norms. As of December, IndiGo employs 2,357 pilots-in-command—a deficit of 65. The airline maintained hiring and pay freezes while expanding winter capacity by 8.6% to an average of 2,145 flights daily, creating the very crew shortage it now cites to justify exemptions from rules designed to prevent pilot fatigue.

The exemptions remain valid until February 30, 2026, with DGCA conducting 15-day reviews of IndiGo's progress on crew recruitment. A four-member committee has been constituted to investigate the crisis, with findings due within 15 days.

As one industry expert put it: "Airlines trust million-dollar machines with pilots who are expected to be alert. The fatigue risk along with stress can be a combination which the airline needs to avoid in its own interest. As the government seeks to stabilise operations and airlines scramble to recover schedules, the central question now is whether compromising on fatigue standards for one carrier risks exposing the entire aviation system and its passengers to preventable danger."

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES

DELHI

7 DECEMBER 2025

Hindustan Times

IndiGo CEO gets show cause notice

By **AM Gupta**

NEW DELHI: The aviation regulator DGCA on Saturday issued a show-cause notice to IndiGo CEO Navin Chawla, holding him directly accountable for "inefficient airport planning, overflight and resource management" and giving him 24 hours to explain why enforcement action should not be initiated for violations that precipitated the industry's recent air traffic crisis in June.

The civil aviation ministry separately imposed emergency curbs on domestic flights and ordered IndiGo to complete all scheduled flights by Sunday evening, as one of the suspended scheduled passenger airlines across Indian airports cancelled ongoing ticket plans, blocking luggage and receiving cargo in the 10th day of the operational shutdown.

The show-cause notice from the Directorate General of Civil Aviation, issued Saturday evening, held IndiGo for "prima facie non-compliance" with Aircraft Rules and Civil Aviation Requirements, including the airline's failure to provide adequate arrangements to complete critical time slot and take-off to provide separate facilities to passengers during routine flight disruptions.

"Such large-scale operational failures indicate significant lapses in planning, overflight, and resource management, and in prima facie non-compliance on the part of the airline," the notice, addressed to the CEO, stated. "As



(Left) An airport employee guides the passengers outside the IndiGo kiosk at the Kempegowda International Airport in Bengaluru; (above) stranded passengers get low attention with the staff at Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport in Mumbai on Saturday.

CEO you are responsible for efficient management of the airline but you have failed in your duty to ensure timely arrangements for medical of vulnerable operators and the availability of requisite facilities to the passengers."

The notice gives Chawla and IndiGo two weeks to respond, warning that "failure to submit your reply within the stipulated period shall result in the matter being decided 'ex parte'—meaning DGCA will proceed with enforcement action without his response."

Earlier, the ministry capped airlines at ₹7,344 for routes up to 300km, ₹12,000 for 300-1,000km, ₹21,000 for 1,000-1,500km, and ₹36,000 for routes above 1,500km, including airport fees and taxes—the first time such caps have been imposed since the Covid-19 pandemic in 2020—after which it issued an "unreasonable surge"

in ticket prices that now forces airlines to increase normal rates.

"To enable a prudent passenger from any form of opportunistic pricing, the ministry has invoked its regulatory powers to ensure fair and reasonable fares across all affected routes," the ministry said in a statement.

The intervention came as IndiGo is in a fine-impairment phase of the operational, reported to have suspended approximately 1,500 flights in nearly 70% of its daily operations, the highest single-day toll since the shutdown began Tuesday.

The airline said Saturday operations improved to "over 1,000 flights by end of day", suggesting approximately 700 cancellations, still representing roughly one-third of normal daily operations.

The carrier has now cancelled approximately 1,600 flights since Tuesday.

IndiGo denied Friday's news groundings as a deliberate "show" strategy. "The main objective was to reduce the network, systems, and capacity so that we could start taking steps with higher number of flights, improved stability and there are some early signs of improvement," an airline spokesperson said.

The airline would had resumed connectivity to 25 of its 28 operational destinations across 25% of its network. "While we understand that we have a long way to go, we are committed to build back the trust of our customers," the spokesperson said, thanking government agencies and apologising to customers and staff "for their patience and cooperation

through these rough times".

The ministry's intervention followed widespread reports of airlines suspending the entire international routes after IndiGo's massive cancellations obliterated capacity across the sector. Based on bookings on major routes had crossed ₹60,000-₹80,000, with Delhi-Mumbai return fares reaching ₹100,000 compared to typical rates of ₹20,000-₹25,000.

Saturday's government intervention came a day after DGCA ground IndiGo's ongoing disruption from seven foreign routes—while issuing a show-cause notice to IndiGo to give the airline breathing room until February 10—on a move that did nothing to alleviate the immediate chaos of last-minute, unannounced cancellations and stranded passengers.

The regulations on Friday overnight IndiGo's operations limiting plus four hours at night

and withdrew a rule prohibiting substitution of airline hours for mandatory weekly rest, after the airline admitted to "unusually short and planning gaps" in adhering to Flight Duty Time Limit as business that came into force in November.

The Airline Pilots Association of India expressed "profound concern" over the intervention, warning that "grossly oversteering the safety of the flying public". The regulator responded by appealing to pilot associations "to extend their cooperation at the moment in view of the large-scale disruption that is being witnessed and the time taken".

IndiGo shares fell 1.2% since the last trading day since the crisis began, eroding market capitalisation by ₹6,200 crore to ₹1,07,440 crore. The airline, which commands 60% of India's domestic market operate more than 1,000 flights daily with a fleet exceeding 600 aircraft across routes Airbus A320neo family.

The crisis has underscored the fragility of IndiGo's business model, predicated on relentless cost optimisation with minimal operational buffers, and exposed how the airline's heavy reliance on Airbus A320neo family—through deferred on-boarding and maintenance—meant a lack of alternative aircraft types to deploy when operations were disrupted, with a reliance on the India's fleet expansion plans.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES

DELHI

7 DECEMBER 2025

| AAIB EFFORTS |

Indian team to visit US for AI-171 data analysis

Neha LM Tripathi

neh@hindustantimes.com

NEW DELHI: A team from the Aircraft Accidents Investigation Bureau (AAIB) is expected to travel to the US this month with the cockpit voice recorder and flight data recorder information from Air India Flight 171 for detailed analysis at facilities run by the National Transportation Safety Board (NTSB), multiple officials told HT.

The visit will be the last major step before the investigation into the June 12 crash is completed, with the final report expected before the June 2026 deadline, one of these people said, asking not to be named.

"Investigators will conduct detailed analysis at the US facilities to determine why the aircraft's fuel switches moved during takeoff," this person said, explaining that a detailed analysis of the audio will help establish whether the fuel switches were indeed physically moved from the 'run' to cut-off position.

The Air India Boeing 787 Dreamliner, flying from Ahmedabad to London Gatwick, crashed immediately after takeoff on June 12, killing all but one of the passengers on board.

According to the preliminary



The Air India aircraft debris in Ahmedabad.

report released on July 12, engine shutdown caused the crash after fuel switches transitioned to the off position shortly after takeoff.

The report revealed cockpit voice recordings showing one pilot realising fuel had been cut off to both engines, while his colleague denied initiating the action. However, the report did not identify which pilot said what.

"The report by AAIB will be very detailed, addressing all issues with respect to the flight on that particular day," a second official said, adding that the focus is on providing clarity to passengers and the industry on the possible reasons for the crash.

The US facility can analyse noise captured by the cockpit voice recorder (CVR) to help investigators understand whether

the aircraft's fuel control switches were transitioned from the run to cutoff position, the second official added.

"During the visit, the health of the switch will also be assessed, as the facility is equipped to determine the maintenance status of the switch," this person said. The switches had been recovered from the wreckage.

The NTSB lab is equipped with specialist gear for deeper scrutiny of flight data recorders, especially cockpit voice records, one of the officials quoted above added. The CVR captures all ambient noises in the cockpit, not just what pilots say. The cockpit area microphone picks up clicks from switches being flipped, the whirring of landing gear extension or retraction, and changes in engine noise.

By correlating the sounds on the CVR with the data recorded on the flight data recorder, investigators can gain valuable insight into the crew's actions, decisions and reactions to specific events or warnings, the person said.

The plan to visit US comes amid reports of differences between NTSB and AAIB officials during the early days of probe. Indian government and AAIB officials have not commented on these accounts and said the agencies have been working together.

FARE CAPS TO PROTECT PASSENGERS FROM OPPORTUNISTIC PRICING: MINISTRY

Govt caps airfares, IndiGo CEO told to explain in 24 hrs

Operational failures indicate planning lapses: Show-cause notice to CEO

Sukalp Sharma
New Delhi, December 6

WITH AIRFARES skyrocketing due to large-scale cancellation of flights by domestic aviation market leader IndiGo, the government on Saturday stepped in to regulate fares for all airlines by prescribing caps. As widespread disruptions in operations entered the fourth day, the government also issued a show-cause notice to IndiGo CEO Pieter Elbers asking him to respond within 24 hours why no action should be taken against him. Elbers has been the CEO of IndiGo since September 2022.

The Ministry of Civil Aviation (MoCA) Saturday invoked

—CONTINUED ON PAGE 2

MORE REPORTS P 9, 13



At Terminal 1 of Delhi's IGI Airport on Saturday. AMIT MEHRA

• **Maximum domestic fare**

Rs 7,500 FOR ROUTE UP TO 500km (E.G. DELHI TO CHANDIGARH)		Rs 12,000 FOR 500-1,000km (E.G. DELHI TO PATNA)
Rs 15,000 FOR 1,000-1,500km (E.G. DELHI TO MUMBAI)		Rs 18,000 FOR ROUTES ABOVE 1,500 km (E.G. DELHI TO CHENNAI)

- Limits exclude airport levies and taxes; do not apply to business class or flights under the UDAN scheme
- Fare caps apply to all bookings, whether made directly with airlines or through online travel agents

E. EXPLAINED

Govt firefights Indigo-induced pain

Poor planning by the country's largest airline has resulted in an unprecedented crisis. Warning signals were visible through November, but before the government acted, it descended upon passengers with flight cancellations and skyrocketing fares.



Airfares

its regulatory powers in an otherwise free market aviation sector "to ensure fair and reasonable fares across all affected routes" and protect passengers from "any form of opportunistic pricing".

The airfare caps are: Rs 2,500 for a stage length of up to 500 km (Delhi-Mumbai/Chandigarh), Rs 12,000 for 500-1,000 km (Delhi-Bhopal/Jammu), Rs 15,000 for 1,000-1,500 km (Delhi-Mumbai/Kolkata), and Rs 18,000 for over 1,500 km (Delhi-Chennai/Bengaluru).

These caps are inclusive of airport levies and taxes, and are not applicable for business class fares and on flights operated under the regional connectivity scheme, the MoCA order stated. The fare limits are applicable for travel "until fares stabilise or till further review", it said.

The show-cause notice to Elbers said that "such large-scale operational failures indicate significant lapses in planning, oversight, and resource management, and prima facie non-compliance on the part of the airline" with the rules governing pilot rest and duty norms. Similar notice has been issued to IndiGo Chief Operating Officer Isher Paragran, who is also the Accountable Manager for the airline. Paragran has been the airline's COO since November 1, 2024. The DGCA requires every airline to design

ate a key senior executive as the Accountable Manager.

On Friday, the DGCA had granted IndiGo special concessions from a few changes related to night operations for pilots in the new Flight Duty Time Limitation norms till February 10. These include lifting the cap on the number of night landings for IndiGo pilots, which had been reduced to two in the new FDTL norms from six earlier and doing away with the restrictions on the maximum number of hours a pilot can fly in the night, which were capped at eight hours instead of maximum permissible 10 hours in a 24-hour period.

These should help IndiGo in the coming days and weeks, but the chaos in the airline's carrier permit with over 800 cancellations on Saturday. The airline said it was on its way to operate over 1,500 flights by the end of day, compared with 700 flights Friday. The airline has over 2,300 daily flights. "With regards to destinations, over 95% of network connectivity has been re-established as we are able to operate to 135 out of the existing 138 destinations in operations," an IndiGo spokesperson said.

This continued to put pressure on air fares. For instance, one-way fare for Monday, December 8, on all Delhi-Mumbai Air India flights, as displayed on its website, was at least 25 per cent higher than the Rs 15,000 cap, despite the government order. A similar trend was ob-

served with fares offered by other airlines.

Industry sources said the fare caps are being implemented progressively and systems are being recalibrated accordingly, so it might take some time for the changes to reflect in offered fares.

"The objective of this directive is to maintain pricing discipline in the market, prevent any exploitation of passengers in distress, and ensure that citizens who urgently need to travel—including senior citizens, students, and patients—are not subjected to financial hardship during this period," MoCA said.

"These fare limits shall be applicable for all forms of bookings, regardless of whether the purchase is made directly through the airline's official website or through various online travel agents' platforms. The airlines shall maintain air ticket availability across all buckets for travel and if need be consider capacity enhancement on sectors characterised by surge in demand," the order said.

Airfares are deregulated in India and are decided by market forces, but the government can intervene to regulate fares if major disruptions hit the sector. For instance, airfare bands were imposed by the government during Covid-19. After two months of shutdown following the pandemic when domestic air travel was opened up, the government introduced seven

lower and upper fare bands based on flight duration. These were reviewed periodically.

MoCA on Saturday said it will continue to closely monitor fare levels through real-time data and active coordination with airlines and online travel platforms, it said, adding that any deviation from the prescribed norms will "attract immediate corrective action in the larger public interest".

The ministry also directed the carriers to avoid "steep or unusual upward fare revisions" on sectors hit by flight cancellations.

An Air India spokesperson said that since December 4 economy class airfare on non-stop domestic flights of both Air India and Air India Express have been proactively capped to prevent the usual demand-and-supply mechanism being applied by revenue management systems.

"We are aware of screenshots of last-minute increases with one-stop or two-stop flights or a combination of economy and premium economy or business cabins taken from third party platforms. It is not technically possible to cap all such permutations, but we are engaging such platforms to exercise oversight," an Air India spokesperson said.

"Air India and Air India Express are seeking to add capacity to help travellers and their luggage reach their destinations as quickly as possible," the spokesperson said.

Corporate Communications Directorate

INDIAN EXPRESS

DELHI

7 DECEMBER 2025

PASSENGERS SUFFER ON DAY 3 OF INDIGO CRISIS

Fewer cancellations but chaos continues, fares still sky high

Drishti Jain

New Delhi, December 6

"THEY CANCELLED my flight... but on the website, it still shows that the flight is delayed. My mother (60) has a spinal injury. That is why I chose flight instead of trains," said Shubham Panda (26) as he scrambled to look for options after waiting for hours in the queue at the IndiGo reservation counter of Terminal 1 at Delhi's Indira Gandhi International Airport (IGIA) on Saturday afternoon.

Travelling along with his parents and brother, he reached the Capital from Vrindavan in Uttar Pradesh in the morning to return to his home in Bhubaneswar. Many like him continued to bear the brunt of the chaos as disruptions in the IndiGo flight schedules continued for the third straight day. Around 106 IndiGo flights were cancelled at the IGIA. In comparison to Friday, the chaos had subsided but worried passengers were still struggling to plan their journey ahead. They checked the screens displaying the status of the flights, hoping the word "cancelled" won't appear in front of their own.

In front of Gate number 5 of



Passengers wait at T1 of Delhi airport on Saturday. ANS/VEENA

T1, a newly-wed woman - dressed in a red sari and heavy jewellery - slept on a luggage trolley. She had got married just a few hours back, and was scheduled to travel with her in-laws to Odisha. "We were at the wedding... How will we know that flights were being cancelled? *Pata rehna toh aadmi doosra jagah karna* (If we had known earlier, we would have figured out another way) but we got no message," said Bhagwan Sharma (58), a relative, as he got up after one of his relative said that there are chances the flight will take off.

The Ministry of Civil Aviation MoCA on Saturday issued

an official directive for all the airlines mandating strict adherence to the fare caps. However, passengers were still scratching their heads looking at the airfares.

Booked in the first week of October, the four flight tickets back home cost the Panda family around Rs. 22,000. However, Panda claimed that the return tickets are now costing him Rs. 21 lakh. "This is absurd. I'm not travelling to another country. We Indians are facing a crisis," he said.

In its directive, MoCA said, "These caps will remain in force until the situation fully stabilises."

Another male passenger who had a business meeting scheduled in Bengaluru, tried to check his options. He was told by one airline that all flights were booked till December 9. And then he managed to find an available ticket for Rs. 65,000, scheduled to fly after December 9. "Nobody is following the guidelines, they all are extorting money. More than me, people who have connecting flights are suffering," he said, adding that customer care of IndiGo has been of no use.

A fellow passenger standing behind him said, "The sad part is all airlines are taking advantage of the situation," he added.

"This is the first and the last time I'm travelling with IndiGo," said second-year college student Aryan Dev from Nepal who has semester exams from December 9 in Dehradun. "My first flight got rescheduled from 3 pm to 6 pm but I am unable to get my boarding pass," he said, standing in the long queue at the reservation counter.

At the reservation counter, restless passengers tried to get a solution as the crowd swelled. Several alleged a poor number of staff stationed to assist the affected passengers.

Corporate Communications Directorate

INDIAN EXPRESS

DELHI

7 DECEMBER 2025

IndiGo disruptions set off fears amid peak tourist season in Goa

Pavneet Singh Chadha
Punaji, December 6

DISRUPTIONS IN the flight operations of IndiGo — India's largest airline that accounts for over 60% of domestic passenger traffic — over the past few days have set off concerns among tourism industry stakeholders in Goa, who fear year-end footfall in the coastal state could be impacted if flight cancellations and delays persist.

As many as 59 flights were cancelled at Goa's two airports Friday as passengers and tourists remained stranded for hours amid uncertainty. Jack Sukhija, president of the Travel and Tourism Association of Goa, the apex body representing the hotel and travel trade in the state, said, "It is being reported the situation

may stabilise by next week. But, in the short term, there will definitely be an adverse impact on tourist footfall in coming days. The Free Independent Traveller (FIT) segment will be impacted."

This comes during the peak tourist season, as the coastal state — already singled by a barrage of criticism on social media over the past year — is fighting a perception battle to attract tourists, especially foreigners. Data shows while there has been a steady rise in domestic tourist arrivals in the past few years, the foreign tourist arrivals are far from the pre-Covid mark. Figures from the state tourism department showed Goa recorded 71.27 lakh domestic and 9.37 lakh foreign tourists in 2019, however, between January and June this year, there were 51.83

lakh domestic tourists and 2.71 lakh foreign tourists.

Industry stakeholders said airlines are also profiteering by "price gouging" and charging excessively high fares due to the widespread disruption. "We are getting reports of guests cancelling trips due to uncertainty regarding flight schedules and skyrocketing fares. These disruptions are coinciding with the peak tourist season. Some events and weddings may face cancellations. There will also be curbs on music and liquor due to the upcoming zila panchayat polls. So, all this may have a ripple effect, and the tourist footfall will be impacted if the flight disruptions continue," Santosh Sangam Divkar, president of Small and Medium Hoteliers Association in Goa, said.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

INDIAN EXPRESS

DELHI

7 DECEMBER 2025

KNOWN FOR 'INTERNATIONALISATION'

IndiGo CEO for 3 years, Elbers faces govt heat

Elbers has been instrumental in IndiGo's evolution into a "fit-for-purpose" airline

Sukalp Sharma
New Delhi, December

TURNING UP the heat on IndiGo's top management, aviation regulator Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on Saturday issued show cause notices to the airline's chief executive officer Pieter Elbers and its accountable manager and chief operating officer Isidre Porques over the widespread disruptions in the carrier's flight operations this week, it is learnt.

Both the top officials have been given 24 hours by the regulator to explain why enforcement action should not be taken against them.

According to sources, strict action could be in the offing for India's largest airline and its top executives in view of the disruption due to which scores of flights have been cancelled on a daily basis this week. The action is expected to be taken on the basis of the report of the four-

member inquiry committee that was set up by the DGCA on Friday. The panel has two weeks to submit its report.

"Whereas, as the CEO, you are responsible for ensuring effective management of the airlines but you have failed in your duty to ensure timely arrangements for conduct of reliable operations and the availability of requisite facilities to the passengers," the DGCA's notice to Elbers is learnt to have said.

Elbers, who has 30 years of aviation business experience under his belt, has been at the helm of IndiGo since September 2022, just as the airline came out of the pandemic. Prior to joining IndiGo, he was the President & Chief Executive Officer of Dutch carrier KLM for eight years. His tenure so far at IndiGo has seen the airline expand its network far and wide beyond India, a strategy he likes to call "internationalisation".

Elbers has also been instrumental in the IndiGo's evolution from a typical low-cost carrier into a "fit-for-purpose" airline, which now offers a business class product on its top routes, and has even entered the wide-body long-haul segment with flights to various European cities. IndiGo is now counted among the world's top airlines by passenger volumes, and has

in recent years tightened its stranglehold over India's domestic aviation market with a dense and high-frequency network. The period has also seen the airline placing world record-breaking aircraft orders.

According to sources in the know, the DGCA notices said the large-scale operational failures at IndiGo indicate significant lapses in planning, oversight, and resource management, and prima facie reflect non-compliance by the airline on some provisions of the Aircraft Rules, 1937 and the new Flight Duty Time Limitation (FDTL) rules. They stated IndiGo failed to provide the affected passengers proper information and facilities that are mandatory in case of flight delays and cancellations.

Top officials of the Ministry of Civil Aviation (MoCA) held a meeting today with Elbers today, and the IndiGo CEO was asked to review the ongoing disruption and address the problem on an immediate basis. The meeting was attended by Civil Aviation Minister K Ram Mohan Naidu, Civil Aviation Secretary Samir Kumar Sinha, and DGCA Director General Faiz Ahmed Kidwai, along with other senior officials.

FULL REPORT ON

WWW.INDIANEXPRESS.COM



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

INDIAN EXPRESS

DELHI

7 DECEMBER 2025

Decoding DGCA's selective exemptions to IndiGo for easing flight disruptions

Sukalp Sharma
New Delhi, December 6

INDIA'S LARGEST airline IndiGo is in a crisis, which has thrown the country's entire civil aviation ecosystem out of gear. With scores of flights cancelled daily this week, thousands of passengers were stranded, and scenes of chaos erupted at major airports across India.

As the disruption continued to deepen, the airline received a rap on the knuckles from the country's aviation authorities, who also initiated an inquiry into the widespread disruption. But they blinked and India's aviation regulator DGCA on Friday granted IndiGo a temporary one-time exemption from some night operations-related changes in the new Flight Duty Time Limitation (FDTL) norms for its Airbus A320 pilots.

The temporary rollback, which will be in place till Feb-

ruary 10, is likely to help IndiGo — caught grossly unprepared for the new crew rest norms — to get its act together and stabilise operations. The DGCA has also granted a few other temporary relaxations to IndiGo. The airline now expects the situation to normalise by December 10-15.

Exemptions granted to IndiGo

Under the temporary exemption granted to IndiGo, the definition of 'night' for the airline will mean midnight to 5 am, instead of midnight to 6 am, as prescribed in the

new FDTL rules. They also allow IndiGo pilots flying during these hours to perform up to six landings; the new norms had capped night landings to just two. The DGCA has also released 13 Flight Operations Inspectors (FOIs) on deputation with it from IndiGo for flying duties and simulator checks for a week. The order stated that they are being granted solely to

facilitate operational stabilisation and must not be construed as dilution of safety requirements. The new norms stipulated that no other leaves could be substituted against the mandatory weekly rest period of 48 hours for pilots; this has been withdrawn with immediate effect by the DGCA. It said the exemptions granted to IndiGo will be reviewed, fort rightly with the airline required to submit a progress report every two weeks. IndiGo was also directed to submit within 30 days a roadmap for full compliance with the new rules.

The primary reason for this disruption is crew shortages. As per the DGCA, IndiGo informed it that the disruptions "have arisen primarily from misjudgement and planning gaps in implementing" the second phase of new FDTL rules, with the airline accepting that the actual crew requirement for the new rules exceeded what it had anticipated.

FULL REPORT ON
WWW.INDIANEXPRESS.COM



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

JAANSATTA

DELHI

7 DECEMBER 2025

जागी सरकार, किराए पर अंकुश

7,500 रुपए और 500-1,000 किलोमीटर के लिए टिकट की कीमत 12,000 रुपए तय की गई है। 1,000 से 1,500 किलोमीटर तक चलने वाली उड़ानों के लिए किराया 15,000 रुपए तक सीमित है तथा 1,500 किलोमीटर से अधिक के लिए अधिकतम सीमा 18,000 रुपए तय की गई है। उदाहरण के लिए, दिल्ली-मुंबई उड़ान, जिसकी दूरी लगभग 1,300 किमी है, में कम से कम 'इकोनॉमी' श्रेणी का किराया 18,000 रुपए तक सीमित होगा। यह सीमा तब तक लागू रहेगी जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती। इसमें उपयोगकर्ता विकास शुल्क (यूडीएफ), यात्री सेवा शुल्क और हवाई टिकटों पर कर शामिल नहीं हैं।

इंडिगो के उड़ान संचालन में कम से कम पांच दिनों से काफी बाधा आ रही है, जिससे बड़ी संख्या में उड़ान रद्द और विलंबित हो रही हैं। शनिवार को देश की सबसे बड़ी एअरलाइन ने 800 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं, जबकि शुक्रवार को रद्द उड़ानों की संख्या एक हजार से अधिक थी। मंत्रालय ने कहा कि यह वास्तविक

समय डेटा और एअरलाइन तथा आनलाइन यात्रा मंचों के साथ सक्रिय समन्वय के माध्यम से किराया स्तर की बारीकी से निगरानी करना जारी रखेगा। निर्धारित नियमों से कोई भी अमान्य बदलाव होने पर जनहित हित में तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि ये किराया सीमाएं सभी प्रकार की बुकिंग पर लागू होंगी, भले ही खरीदारी सीधे एअरलाइन की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से की गई हो या विभिन्न आनलाइन यात्रा एजेंट मंच से की गई हो।

सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि प्रभावित यात्रियों से कोई पुनर्निर्धारित शुल्क न लिया जाए। सूत्रों ने बताया कि इनमें से 124 उड़ान (63 प्रस्थान और 61 आगमन) बंगलुरु हवाई अड्डे पर जबकि 109 उड़ानें (51 प्रस्थान और 58 आगमन) मुंबई हवाई अड्डे पर रद्द की गईं। इस बीच, पायलटों के संगठन 'एअरलाइंस पायलट्स एसोसिएशन (एएलपीए) इंडिया' ने डीजीसीए द्वारा इंडिगो को दी गई राहत पर कड़ी आपत्ति जताई है।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

JAANSATTA

DELHI

7 DECEMBER 2025

इंडिगो की उड़ानें बड़े पैमाने पर रद्द होने का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 6 दिसंबर।

देश की सबसे बड़ी एअरलाइन इंडिगो की उड़ानें बड़े पैमाने पर रद्द होने के मामले अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट के वकील नरेंद्र मिश्रा ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर इस पूरे संकट पर त्वरित संज्ञान लेने और मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। पत्र के माध्यम से दावर वाचिका में कहा गया है कि इंडिगो द्वारा बीते कुछ दिनों में 1700 से अधिक उड़ानें रद्द करने और गंभीर देशी के कारण लाखों यात्री देशभर के हवाई अड्डे पर फंस गए। इससे एक तरह का मानवीय संकट पैदा हो गया है।

वकील नरेंद्र मिश्रा ने इसे यात्रियों के मौलिक अधिकार, विशेषकर अनुच्छेद 21 (जीवन और गरिमा का अधिकार), का गंभीर उल्लंघन बताते हुए सुप्रीम कोर्ट से त्वरित हस्तक्षेप की अपील की है। मिश्रा द्वारा भेजी गई इस विस्तृत वाचिका में कहा गया है कि देशभर में इंडिगो की उड़ानें लगातार पीछे दिन पी वाधित रही। छह बड़े मेट्रो शहरों में एअरलाइन की प्रदर्शन क्षमता 8.5 फीसद तक गिर गई। हजारों यात्री (जिनमें बुजुर्ग, बच्चे, शिवांग और बीमारों से बूझ रहे लोग शामिल हैं) हवाई अड्डे पर घंटों तक फंसे रहे।

वकील नरेंद्र मिश्रा ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि यह विमान सेवा में गंभीर कुप्रबंधन और अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है। नई उड़ान नीति लागू करने में एअरलाइन की गलत योजना के कारण अक्षयजन ठप हो गया। हवाई अड्डे पर खाने-पीने, आराम, कपड़े, दवाइयों और रहने की बुनियादी सुविधाएं तक नहीं थी गईं। जबकि एअरलाइन ने खुद मान लिया है कि उसके पास पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी।

इंडिगो संकट का असर

एयरपोर्ट पर पांचवे दिन भी हाहाकार

उड़ानें रद्द

रहे हैं। रिपोर्ट के लिए यह कदम: प्रधान के मूलाधिक, इंडिगो की कई टीम समग्र-सारिणी को निरधार करने, देरी को कम करने और इस अवधि के दौरान ग्राहकों को सहजता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। यात्रियों को उनके पैसे वापस करने के संदर्भ में इंडिगो ने कहा कि सहायता के लिए ग्राहक कंपनी की वेबसाइट पर जा सकते हैं या ग्राहक सहायता टीम से संपर्क कर सकते हैं।



यह तब कितना किराया	
दूरी (किलोमीटर में)	किराया (₹ में)
500	7,500
500 से 1,000	12,000
1,000 से 1,500	15,000
1,500+	18,000

सरकार ने बेलगाम हवाई किराए पर लगाई लगान

तमान एयरपोर्ट पर बुरा हाल, संकट में यात्री



शनिवार को घटने में आयातक नाराज। इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इंडिगो की उड़ानों में बड़े पैमाने पर संचालन के बीच कनेक्टिंग एयरलाइंस स्टेशन के चारों ओर भी फुलवॉक कर रहे हैं।

DGCA के नए नियमों से इंडिगो में संकट

साप्ताहिक अडान **नाइट ड्यूटी**

सैलानी स्टेशन ८ से सुबह ८ तक सिफ

नाइट ड्यूटी पर लिमिट → अडान साप्ताहिक ड्यूटी १०० घण्टी से, अब लिमिट १ डी ड्यूटी

लगातार नाइट सिफ्ट पर रोक → लगातार ३ ड्यूटी से ज्यादा ड्यूटी नहीं कर सकते

नाइट ड्यूटी परियोजना लिमिट → डी-नाइट ड्यूटी साप्ताहिक में अधिकतम १ घंटे से अधिक घण्टी नहीं

संबंधी उड़ानों के बाद रेट → अडान साप्ताहिक ड्यूटी १०० घण्टी से अधिक नहीं कर सकते

नई दिल्ली, लोकसत्या। इंडिगो को उड़ान बंदित होने से बड़े हाईड किराये पर लगान लगाते हुए सरकार ने शनिवार को दुई के अधिनियम के अंतर्गत ७,५०० से १८,००० रुपये के बीच तक कर दी। शनिवार को ये देश को सबसे बड़े एयरलाइन ने ८०० से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं।

नया विमानन मंत्रालय ने एक आदेश में कहा कि किराया सीमा, उड़ान शुरू की जाएगी, बिजनेस क्लास और उड़ान केंद्रों के लिए लागू नहीं है।

इसलिए आदेश में स्पष्ट नहीं किया गया कि यह सीमा केवल इकोनॉमी क्लास पर ही लागू होगी।

● **किराये की होती निगरानी:** मंत्रालय ने बताया है कि यह आदेश के अंतर्गत उड़ानें रद्द कर दीं। शनिवार को ये देश को सबसे बड़े एयरलाइन ने ८०० से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं।

कराए जाने पर उड़ानें रद्द करने में तुरंत रुकना शुरू कर दिया।

● **दो पैज का आदेश:** इंडिगो किराए की सीमा लगाने पर दो पैज के आदेश में मंत्रालय ने कहा कि ये किराया सीमाएं सभी प्रकार की उड़ानों पर लागू होंगी, चाहे ही करीदारी क्लास एयरलाइन की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से भी रद्द हो या विभिन्न एयरलाइन यात्रा एजेंटों के भी रद्द हो।

● **यह होना अब किराया:** सीमा के अंतर्गत, ५०० किलोमीटर तक की

उड़ान के लिए किराया ७,५०० रुपये और ५००-१,००० किलोमीटर के लिए टिकट की कीमत १२,००० रुपये तक की रद्द है। वहीं १,००० से १,५०० किलोमीटर तक चलने वाली उड़ानों के लिए किराया १५,००० रुपये तक सीमित है तथा १,५०० किलोमीटर से अधिक के लिए अधिकतम सीमा १८,००० रुपये तक की रद्द है।

● **उदाहरण से समझें:** दिल्ली-मुंबई उड़ान, जिसकी दूरी लगभग १,५०० किलोमीटर है, इसमें कम से

कम इकोनॉमी क्लास का किराया १८,००० रुपये तक सीमित होगा। यह सीमा एक तक लागू होगी जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती। इसमें उद्योगिक विकास शुल्क (एडवैज), पाईप लाइन शुल्क (पीएलएच) और हाईड टिकटों पर कर शामिल नहीं है। इंडिगो के उड़ान संचालन में कम से कम किराये पांच दिनों से काफी कमी आ रही है, जिससे बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द और किलवित हो रही हैं।

पांचवे दिन भी ८०० से अधिक उड़ानें रद्द

शनिवार को देश की सबसे बड़ी एयरलाइन ने ८०० से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं, जबकि शनिवार को रद्द उड़ानों की संख्या १,००० से अधिक थी। कई एयरपोर्ट पर ग्राहकों की स्थिति देखने की मिली।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

MILLANIUM POST

DELHI

7 DECEMBER 2025

Air India & AI Express look to add capacity amid IndiGo flight disruptions

NEW DELHI: Air India Group is looking to add capacity to help passengers impacted by the IndiGo flight disruptions.

"Since 4 December, economy class airfares on non-stop domestic flights have been proactively capped to prevent the usual demand-and-supply mechanism being applied by revenue management systems," a statement said on Saturday.

Both Air India and Air India Express have put in place caps on economy class fares.

The statement from Air India came hours after the government announced introduction of airfare caps amid



IndiGo flight disruptions.

Air India also said it is not technically possible to cap fares for all flight permutations.

"Air India and Air India Express are seeking to add capacity to help travellers and their baggage reach their destinations as quickly as possible," the statement said. P11

Corporate Communications Directorate

MILLANIUM POST

DELHI

7 DECEMBER 2025

IndiGo fiasco sparks political sparring

PREETHA NAIR & PARVEZ SULTAN

@ New Delhi

AMID widespread disruptions in IndiGo's flight operations, political criticism intensified on Saturday, with the Congress calling the turmoil a "government-made disaster" born of faulty policies, negligence and favouritism, even as CPI (M) Rajya Sabha MP John Brittas wrote to Prime Minister Narendra Modi seeking a Joint Parliamentary Committee or judicial inquiry into what he described as an unprecedented crisis in the civil aviation sector and a sharp spike in airfares.

The Congress claimed that the ongoing IndiGo chaos was not an accident but the direct outcome of the BJP government's "relentless push to manufacture a duopoly in the sector" Addressing a press conference at the AICC headquarters, Congress MP Sasikanth Senthil said IndiGo's cancellation of flights has brought the nation's air travel to its knees. "The BJP government's reckless handling of aviation safety exposes the full extent of its negligence. After



releasing the Flight Duty Time Limitation (FDTL) rules on January 8, 2024, and after partially implementing them on July 1, 2025, the BJP government now shamelessly withdrew these critical safety protections in the middle of a sector-wide meltdown," he said.

"This is not just irresponsible; it is outrageous. By scrapping rules specifically designed to prevent pilot fatigue, the BJP government has allegedly jeopardised passenger safety and thrown the well-being of cockpit crew into uncertainty," he said.

What transformed op failure into national scandal

John Brittas said the scale, speed and severity of the disruption following the enforcement of revised Flight Duty Time Limitation norms by Directorate General of Civil Aviation (DGCA) had exposed "deep structural failures in regulatory preparedness", leaving oversight and consumer protection weak and "ordinary passengers dangerously vulnerable."

Posing questions to the government, Senthil asked why it has, in the last 11 years, allowed aviation to "shrink into a monopoly and duopoly instead of building a competitive, diverse sector". "Why did the DGCA fail to ensure IndiGo complied with the FDTL rules released in January 2024 and partially implemented from July 2025 and fully on November 1? Did the government ever issue warnings or compliance notices to IndiGo, or was the airline protected from enforcement altogether?"

"Given the electoral bond disclosures showing massive

purchases by InterGlobe group entities and its promoter, is the BJP's financial proximity to IndiGo the real reason behind this extraordinary leniency at the cost of passengers' safety?" he asked.

Meanwhile, Brittas said the scale, speed and severity of the disruption following the enforcement of revised Flight Duty Time Limitation (FDTL) norms by the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) had exposed "deep structural failures in regulatory preparedness," leaving oversight and consumer protection weak and "ordinary passengers dangerously vulnerable." "What transformed this operational failure into a national scandal is the manner in which the disruption was converted into a profiteering opportunity. Domestic airfares skyrocketed to extortionate levels that defy any logic, demand or fairness. Emergency travelers, students, workers, and families in distress were forced to either abandon essential travel or pay ransom-like sums for basic connectivity," Brittas's letter said.

AIRFARE LIMITS SET FROM Rs 7.5K TO Rs 18K DEPENDING ON DISTANCE

IndiGo: Flight mayhem prompts...

IndiNo: Flight mayhem prompts fare caps

800+ FLIGHTS CANCELLED | REFUNDS BY TODAY EVENING | 95% NETWORK RESTORED

MPOST BUREAU

NEW DELHI/ NEW DELHI: Private carrier IndiGo cancelled over 800 flights on Saturday, the fifth day of the ongoing crisis, even as the government imposed a cap on airfares and directed the airline to process all refunds by Sunday evening.

The airline's on-time performance from six metro airports plunged to 3.7 per cent on Friday, as per the Civil Aviation ministry website. The government said regulatory action will be initiated against the airline in case of any non-compliance.

After days of chaos triggered by the disruption of flight operations, IndiGo claimed to have re-established 95 per cent of its network connectivity in terms of destinations. The carrier operated to 135 out of the 138 destinations on Saturday and is on course to operate over 1,500 flights by the end of the day, IndiGo said in a statement.

Apologising again, the airline said, "While we understand that we have a long way to go, we are committed



Passengers at Terminal 3 (T3) of the Indira Gandhi International Airport, in New Delhi, on Saturday

to build back the trust of our customers."

IndiGo, in a statement, also said it is addressing all customer refund issues on "priority". The refund process for all

cancelled or disrupted flights must be completed by 8 pm on Sunday, the Civil Aviation ministry said in a statement.

"Airlines have also been instructed not to levy any

rescheduling charges for passengers whose travel plans were affected by cancellations," it said.

IndiGo has also been instructed to set up a dedicated

passenger support and refund facilitation cells.

The low-cost airline had cancelled nearly a thousand flights on Friday, the "most severely impacted day" in

CLOSER LOOK

• The fare limits, excluding applicable charges, are not applicable for business class and UDAN flights, the ministry said in an order

• However, the order did not provide clarity on whether the caps are applicable for economy class tickets or both economy and premium economy class tickets

• Under the limits, for a flight flying up to 500 kilometres, the fares are capped at Rs 7,500 and for 500-1,000 kilometres, the ticket price cap is Rs 12,000



• For flights operating 1,000-1,500 kilometres, the fares are limited at Rs 15,000 and for above, 1,500 kilometres, the cap is Rs 18,000

• The cap means that for a Delhi-Mumbai flight, which is covered in a distance of over 1,300 kilometres, the fare for at least the economy class is capped at Rs 18,000

terms of cancellations. In its statement, IndiGo said that it "operated a little above 700 flights on Friday connecting 113 destinations".

Continued on P4

Crowds at airports thinned out on Saturday, but several irate passengers gathered outside Bengaluru and Mumbai airports as hundreds of flights were cancelled, on the fifth day of a crisis that has hit the country's biggest airline.

In the two-page order on capping the airfares, the ministry said disruptions in flight operations of one of the scheduled airlines has resulted in flight cancellations, leading to capacity constraints and unreasonable surge in the fares on a number of sectors.

The fare limits, excluding applicable charges, are not applicable for business class and UDAN flights, the ministry said in an order.

However, the order did not provide clarity on whether the caps are applicable for economy class tickets or both economy and premium economy class tickets.

Under the limits, for a flight flying up to 500 kilometres, the fares are capped at Rs 7,500 and for 500-1,000 kilometres, the ticket price cap is Rs 12,000.

For flights operating 1,000-1,500 kilometres, the fares are limited at Rs 15,000 and for above, 1,500 kilometres, the cap is Rs 18,000.

The cap means that for a Delhi-Mumbai flight, which is covered in a distance of over 1,300 kilometres, the fare for at least the economy class is capped at Rs 18,000.

The limits will be in place till the situation stabilises, the ministry said in a statement. It excludes User Development Fee (UDF), Passenger Service Fee (PSF), and taxes on air tickets.

The ministry, in the statement, said it will continue to closely monitor fare levels through real-time data and active coordination with airlines and online travel platforms, adding that any deviation from the prescribed norms will attract immediate corrective action in the larger public interest, it added.

"These fare limits shall be applicable for all forms of bookings, regardless of whether the purchase is made directly through the airline's official website or through various online travel agents' platforms," it said.

The ministry has also asked airlines to avoid steep or unusual upward fare revisions on sectors affected by the cancellations.

An analysis of fares on airlines' websites on Friday showed that a one-way one-stop economy-class SpiceJet Kolkata-Mumbai flight ticket for December 6 costing up to Rs 90,000, and a similar ticket of Air India for Mumbai-Bhubaneswar going up to Rs 84,485.

Indian Association of Tour Operators (IATO) President Ravi Gosain said unpredictable spikes damage consumer confidence and create chaos for tour operators.

The regulator DGCA provided temporary relief to IndiGo — partially owned by Rahul Bhatia — by rolling back the night duty definition to 12 am-5 am from 12 am-6 am earlier, and allowing its pilots to do six night landings from two earlier, besides other relaxations.

Meanwhile, the pilots' body, Airlines' Pilots Association (ALPA) India, has taken a "strong" objection to the DGCA's "selective and unsafe" relief to IndiGo, saying that the relaxations have not just "destroyed regulatory parity but also placed millions of passengers at 'heightened risk'".

The latest FDTL norms, which entail increased weekly rest periods to 48 hours, extended night hours, and limiting the number of night landings to only two, as against six earlier, were also initially opposed by other domestic airlines, including Tata Group-owned Air India.

WITH AGENCY REPORTS

Corporate Communications Directorate

MORNING STANDARD

DELHI

7 DECEMBER 2025

Maintaining pricing discipline



The objective is to maintain pricing discipline, prevent any exploitation of passengers in distress, and ensure that citizens who urgently need to travel are not subjected to financial hardship, the Union govt said

UP TO 500 KM

₹7,500

500-1,000 KM

₹12,000

1,000-1,500 KM

₹15,000

OVER 1,500 KM

₹18,000

TICKET AVAILABILITY

Airlines must maintain ticket availability across all fare buckets. They may increase capacity on high-demand sectors, govt said



Ticket price before fare cap kicked in



Fare caps exclude User Development Fee, Passenger Development Fee & other taxes

They do not cover Business class tickets and flights operated under UDAN scheme

No clarity yet on whether the caps for economy class tickets apply for premium economy as well

Govt caps fares, wields whip

IndiGo CEO gets DGCA show-cause notice; 800 cancellations on Sat; ticket refund by Sun

S LALITHA @ New Delhi

THE Ministry of Civil Aviation on Saturday stepped in to address the greed of some airlines exploiting the IndiGo mess as fares went beyond 8X on some sectors. It imposed strict caps on domestic fares with the maximum of ₹18,000 for an economy class ticket. Later in the day, the Director General of Civil Aviation slapped a show-cause notice on IndiGo's CEO to respond within 24 hours why action should not be taken against him for the massive chaos.

The ministry also directed IndiGo to clear all pending passenger refunds for all cancelled or disrupted flights by 8 pm on Sunday, 7 December.

The fare cap of ₹7,500-18,000 (see graphic) prescribed by the ministry was still on the higher side, with fliers being made to pay for the needless chaos. These caps will remain in place "until fares stabilise or till further review", the ministry said.

The caps exclude levies like



A passenger rests while waiting at Terminal 1 of the Indira Gandhi International Airport for her flight, in New Delhi on Saturday | PTI

User Development Fee, Passenger Development Fee and other taxes. They do not cover Business class tickets and flights operated under the regional connectivity scheme (UDAN), the order stated.

As for refunding, the ministry cautioned that any delay or non-compliance by Indigo would invite immediate regulatory action. The system of

automatic refunds will remain active until operations stabilise completely.

Indigo quickly responded with a "No questions asked. All refunds for your cancellations will be processed automatically to your original mode of payment." The airline also announced full waiver on all cancellations/reschedule requests of bookings made between De-



Airlines have also been instructed not to levy any rescheduling charges for passengers whose travel plans were affected by cancellations

—Ministry of Civil Aviation's order

cember 5 and December 15.

In another directive, the ministry directed IndiGo to ensure that all baggage that was separated from passengers due to cancellations or delays be traced and delivered to each passenger's residential or chosen address within 48 hours.

IndiGo for the first time obliquely quantified the day's cancellations — around 800. "By the end of day, we would have operated over 1,500 flights. With regards to destinations, over 95% of network connectivity has already been re-established as we are able to operate to 135 out of the existing 138 destinations in operations. There is a recovery," IndiGo said. **P3 & P7**



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

MORNING STANDARD

DELHI

7 DECEMBER 2025

IndiGo commuters wait for refunds and fare cap

ADITI RAY CHOWDHURY @ New Delhi

I am usually a person who can handle high-pressure situations, but the last 48 hours were like a nightmare to me; I literally had a panic attack," said Aikantik Bag, who was travelling from Lucknow to Kolkata on Wednesday night.

Aikantik is not the only person to face this uncertainty; hundreds of other passengers travelling by the IndiGo flights have faced cancellations over the past week, some even at the last minute. Many have still not been able to trace their check-in luggage, while many await their refunds.

The Ministry of Civil Aviation (MoCA) on Saturday stepped in and ordered IndiGo Airlines to clear all pending passenger refunds by 8pm on Sunday. The directive came with a stern warning that failure to comply will result in "immediate regulatory action". Additionally, the ministry has directed the airline to ensure that all the baggage separated from the passengers due to cancellations or delays is traced and delivered to their residential or chosen address within the next 48 hours.

However, many passengers have reported issues of no refund and luggage not reaching even after all the formalities.

"Even after submitting my flight details on the refund portal of IndiGo, no option of refund is visible," says Aikantik. He further said, "I had completed my check-in for that



Passengers wait in a queue at TI of the IGI Airport on Saturday. Domestic carrier has cancelled several flights | SAYANTAN GHOSH

flight, and it got cancelled. Also, the option for a refund shows as disabled on my end. Two of my checked-in pieces of luggage are still untraceable," he added. Dr Shaarique, who was supposed to travel on an IndiGo flight from Bangalore to Pune on Saturday, received a message regarding the cancellation at 1 am on Friday night. "No refund has been issued yet, but I have received an email saying that it will be processed in a few days," he said.

Many people have taken to social media slamming the airline for the situation. Some of them have also claimed that they got a message a night before their flight regarding a cancellation but received another message the next day saying that their flight is ready for departure and information

on the gate number as well. Frustrated passengers have raised questions on social media about whether this is a scam so that the airline doesn't have to issue a refund.

Meanwhile, the ministry stepped in on Saturday to curb the unusually high airfares charged by certain airlines during the ongoing operational chaos at IndiGo. According to the directive, the airfare has been limited to ₹7,500 for up to 500 km; ₹12,000 for 500-1,000 km; ₹15,000 for 1,000-1,500 km; and ₹18,000 for over 1,500 km.

However, even though the majority of flights are now reflecting normal rates on different routes, many are still showing exorbitant fares. Some Air India flights from Delhi to Bengaluru for December 10 show a price of around ₹37,000, which



Even after submitting my flight details on the refund portal of IndiGo, no option of refund is visible. I had completed my check-in for that flight, and it got cancelled. Also, the option for a refund shows as disabled on my end. Two of my checked-in pieces of luggage are still untraceable

Aikantik, Passenger

is much above the limits that have been placed.

Talking about a similar situation, Ayantika Pal, who has recently cancelled her parents' flight from Kolkata to Delhi with IndiGo and booked it with Air India, said, "I thankfully paid 7k per person for the same." However, she said, "SpiceJet flights on the same route showed me a price of around ₹40,000 for December 21."



Corporate Communications Directorate

MORNING STANDARD

DELHI

7 DECEMBER 2025

IndiGo chaos pushes up bus fares in K'taka cities

INDRA 5 @ Bengaluru

AFTER IndiGo's mass cancellations triggered chaos for air travellers, private bus operators seized the moment, hiking fares to exorbitant levels following inflated flight fares.

Tickets from Bengaluru to Mumbai touched nearly ₹ 9,000, with steep spikes on routes to Ahmedabad and Pune, leaving stranded passengers with few affordable options as the crisis deepened.

According to Nataraj Sharma, President of the Karnataka Private Bus Owners' Asso-

ciation, fares surged sharply after the cancellations, with operators charging four to eight times the usual rates.

"As of Saturday, anyone travelling to Mumbai or Pune is paying no less than ₹3,000, and prices are going up to nearly ₹ 9,000," he said. He condemned the practice, adding that on Friday, some out-of-state operators charged up to ₹13,000 for a Bengaluru to Mumbai ticket, exploiting passengers desperate to find alternate transport. Shobhit Saurabh, cribbing

about the cost he paid for a bus seat said, "I booked IndiGo flight for ₹5,000, IndiGo cancels flight, and promises to refund with apologies. I booked a bus for ₹ 8,000 to travel from Pune to Bengaluru."

Kempegowda International Airport recorded 165 cancellations on Saturday alone, 86 arrivals and 79 departures, as the IndiGo disruption entered its fifth day. Although crowds eased slightly, hundreds of passengers remained stranded while waiting for their baggage.

The railways have stepped in to help stranded passengers in Bengaluru due to the IndiGo flight cancellations, as five special services have been introduced. South Western Railway (SWR), in coordination with Central, South Eastern and Southern Railway, has announced special trains between December 6 and 10 to assist thousands of passengers affected. Multiple services will operate on key routes including Bengaluru to Chennai, Yesvantpur to Hazrat Nizamuddin and Bengaluru to Pune.





भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

MORNING STANDARD

DELHI

7 DECEMBER 2025

Amid IndiGo crisis, SpiceJet Air India adding capacity

ARSHAD KHAN @ New Delhi

AS IndiGo grapples with a severe operational crisis, Tata Group carriers Air India and Air India Express said they are increasing capacity to help stranded passengers and ensure baggage delivery. The airline also clarified that it cannot technically control last-minute fare spikes on third-party booking platforms, where domestic one-way fares surged above ₹1 lakh, prompting government intervention.

“Since December 4, economy class fares on Air India and Air India Express non-stop domestic flights have been proactively capped to prevent the usual demand-and-supply pricing mechanism from kicking in,” an Air India spokesperson said. “We are aware of screenshots showing expensive itineraries with stops or mixed-cabin bookings on third-party platforms. It is not technically possible to cap every permuta-



tion, but we are engaging with these platforms to exercise oversight.”

The spokesperson added that both airlines are working to add capacity to help travellers reach their destinations at the earliest. SpiceJet, which has a smaller domestic market share, has also announced 100 additional flights over the next few days.

Airfares on key routes rose more than tenfold after widespread cancellations by IndiGo triggered panic booking. Fares on sectors such as Delhi-Bengaluru, Delhi-Chennai and Kolkata-Mumbai were quoted at unprecedented levels — between ₹70,000 and ₹1 lakh — on Friday and Saturday.

After public outrage, the government stepped in on Saturday, imposing temporary caps in the range of ₹7,500 to ₹18,000 depending on distance. IndiGo’s mass cancellations — linked to a shortage of pilots and cabin crew — have drastically reduced capacity, particularly in and out of Delhi. The airline, which normally operates more than 2,200 flights daily, cancelled over 1,000 flights on Friday and about 850 on Saturday.

With IndiGo controlling 63% of India’s domestic market, the disruption forced the government to grant the airline a temporary exemption from new Flight Duty Time Limitation (FDTL) norms.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES

DELHI

7 DECEMBER 2025

इंडिगो के CEO को 24 घंटे का नोटिस

सख्ती: DGCA ने पूछा- क्यों न आपके खिलाफ ऐक्शन लिया जाए

राहत: कैपिंग होगी, फ्लाइट्स का अधिकतम किराया ₹18000 तय

मुश्किल: शनिवार को भी इंडिगो ने 800 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसल की

Mansesh Aggarwal
@timesofindia.com

नया दिल्ली: देश में इंडिगो संकट के बीच सरकार को और से उसके CEO कोटार काफ़ी को नोटिस दिया गया है। विमान नियामक DGCA ने उनसे पूछा है कि ऐसे बड़े सार्वजनिक के बाद उनके खिलाफ़ ऐक्शन क्यों न लिया जाए। CEO को 24 घंटे में जवाब देने को कहा गया है।

इंडिगो को आज रात 8 बजे तक रिफ़ूंड पूरा करना होगा

इससे पहले एयर इंडिया की बहुरे कोमो को देरु संभार से जल्दी अधिकतम रोकें लय को। अन्य एयरलाइंस

को फ्लाइट किराये की लिमिट ₹7,500-₹18,000 के बीच रखनी होगी। यह लिमिट बिजनेस क्लास और उड़ान स्कीम वाले टिकटों पर लागू नहीं होगी। दिल्ली के अत्यान्व होने तक यह कैपिंग लागू होगी। किराये में टैक्स शामिल नहीं है। विम यात्रियों को वापस को गया है उनका पूरा लाकर 48 घंटे के भीतर पैसों का वापस की काय कर है। विजिट एक्शन मिनिस्ट्री ने इंडिगो को आदेश दिया कि वह प्रभावित यात्रियों को टिकटों का रिफ़ूंड देने का काम तुरंत रात 8 बजे तक पूरा करे। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा कि नॉन-स्टॉप सीटें उड़ानों को इकट्ठी करके के किराये को अल्पतम कैपिंग को है। शनिवार को भी इंडिगो ने 800 से ज्यादा फ्लाइट कैंसल की।



संकट घड़ी शनिवार को भी एयर पैसेजर्स को डिजिटली का सन्धान करना पड़ा। कई एयरपोर्ट पर लोग नाराज दिते।

इससे ज्यादा किराया नहीं...

सभी टिकट कैटेगॉरि में की कर सं नॉन-स्टॉप सारकार	दूरी (किमी. में)	अधिकतम किराया
	500 तक	₹7500
	500-1000	₹12000
	1000-1500	₹15000
	1500 से ज्यादा	₹18000

इंडिगो संकट पर PMO ने मंत्रालय से मांगी जानकारी

इंडिगो संकट पर केंद्र सरकार सख्त कदम उठा सकता है। एयरलाइन कंपनी की पूरी टीएम कैपेसिटी को उलख किया जा सकता है। सरकार इसके लिए लयन विकल्पों पर विचार कर रही है। सीएम अधिकारियों के अनुसार, अगर वास्तव में उड़ानें सारकार संभार में इस मामले पर विचार से जाकर दे सकता है। विम भी अपने इन्फो इस मुद्दे को उठाने की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार, PMO ने विजिट एक्शन मिनिस्ट्री से इस मामले पर जानकारी मांगी है।

फ्लाइट के किराये में गैरजरूरी बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए सभी एयरलाइनों को निर्धारित किराया सीमा का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया गया है।
-राम मोहन लखत, केंद्रीय मंत्री

यात्रियों की रिफ़ूंड प्रक्रिया को पूरा किया जा रहा है। टीम का फोकस उड़ानों की स्थिति ठीक करने और यात्रियों की मदद पर है। -इंडिगो

होगी आसानी

रेलवे चला रही 84 स्पेशल ट्रेन

इंडिगो संकट को दूर करने दिक्कतों में काम लगे को बाद के लिए रेलवे ने शनिवार को सभी जॉनों में 84 स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की। नई दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बंगलूर, चंडी और कोयंबटूर जैसे प्रमुख सारों में ट्रेन टिकटों की स्थिति का विश्लेषण करने के बाद इन ट्रेनों की व्यवस्था की गई। ये ट्रेने 104 फीस सारणी।

परेशान यात्री बोले- कैपिंग बेअसर



पांचवें दिन भी पैसेजर्स को राहत नहीं, उड़ानें रद्द

नया दिल्ली: एयर यात्रियों को शनिवार को भी राहत नहीं हुई। कृष्णा नगर में फ्लाइट के लिए एयरपोर्ट पहुंचने से मिनटों में उड़ानें रद्द होने को जानकारी मिली। शनिवार को दिल्ली से जाने-वार्ने कार्य 150 उड़ानें रद्द हुईं। दिल्ली से मुंबई जाने वाले मनीष बजने हैं। 'मेरी दिल्ली-बंगलूर फ्लाइट कैंसल हुई। मुझे इसी फ्लाइट चुन करनी पड़ी और का 30 हजार रुपये से ज्यादा को पड़ी। मुझे का दो अंगुल को भी फ्लाइट दिल्ली से कैंसल हुई। उनका कदम था कि कैपिंग का असर नहीं मिलेगा।' पृष्ठ 26

'कोलकाता का किराया 22 हजार'

दिल्ली से कोलकाता जा रही उड़ानों की भी फ्लाइट कैंसल की। यह बताया है, 'जैतन लखरी का, जो बंदी एयरपोर्ट पर विमान के बाद 22 हजार का टिकट लिया। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट पर कई लोग मिले, जो इतराज के लिए, काटी के लिए, सीटिंग के लिए जा रही थे। जल्दी से जुड़ जाते थे।

Corporate Communications Directorate

PIONEER

DELHI

7 DECEMBER 2025

इंडिगो संकट पर एक्शन में आई सरकार

रह उड़ानों के रिफंड की समयसीमा तय

एनएस। नई दिल्ली

इंडिगो की उड़ान स्थगित होने से हजारों यात्रियों के प्रभावित होने के बीच नगर विमानन मंत्रालय ने एरिआ को एयरलाइन को निर्देश दिया कि रद्द की गई उड़ानों के लिए टिकट के रिफंड की प्रक्रिया त्वरित रूप से शुरू कर ली जाए। सरकार ने स्पष्ट की यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि यात्रियों के लंबे हुए सामानों को अपने दो दिनों में उन तक पहुंचा दिया जाए। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो द्वारा मुंबई को 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द करने और एरिआ को पांचवें दिन व्यवधान जारी रहने के बीच मंत्रालय ने कहा कि रिफंड प्रक्रिया में किसी भी देरी या गैर-अनुपालन पर तत्काल विचारक कार्रवाई की जाएगी।

मंत्रालय ने बयान में कहा, सभी रद्द या स्थगित उड़ानों के लिए रिफंड प्रक्रिया त्वरित रूप से शुरू करने को कहा गया, एयरलाइन को यह भी निर्देश दिया गया है कि वह उन यात्रियों से कोई पूर्वनिर्धारित शुल्क न ले जिसकी यात्रा योजना रद्द होने से प्रभावित हुई हो। एरिआ को निर्दिष्ट हवाई अड्डों पर 400 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। इंडिगो को यह भी निर्देश दिया गया कि वह यात्रियों के लिए विशेष सहायक और रिफंड सुविधा केंद्र स्थापित करे।

बयान में कहा गया, जब तक परिस्थिति पूरी तरह से स्थिर नहीं हो जाता, स्थायी रिफंड की प्रणाली चक्रित रहेगी। इसके अलावा, मंत्रालय ने कहा कि एयरलाइन यह सुनिश्चित करे कि उड़ान रद्द होने पर देरी के कारण यात्रियों के लंबे हुए सामान का पूरा जवाबदार जाए और अपने 48 घंटों के भीतर उन तक पहुंचाए जाए।



इंडिगो ने रद्द की 400 से अधिक उड़ानें

मुंबई। नगर विमानन कंपनी इंडिगो ने अपने संचालन संशोधन समन्वयक के बीच नगर एरिआ अड्डे पर 400 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। मुंबई में यह उल्लंघन थी। इनमें से 224 उड़ानें (63 प्रस्थान और 61 आगमन) बैंगलुरु हवाई अड्डे पर जबकि 100 उड़ानें (51 प्रस्थान और 58 आगमन) मुंबई हवाई अड्डे पर कर दी गईं। इनमें लंबे हुए सामान को इंडिगो ने दोपहर के हवाई अड्डे पर 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी थीं। इंडिगो के संचालक (मुख्य कार्यकारी अधिकारी), पीटर एल्बर्ट ने इस संघर्ष संकट पर तीन दिन तक मुंबई सभों करने के बाद मुंबई को एक वैश्वीय संदेश में इन उल्लंघनों के कारण यात्रियों को दुर्भाग्यपूर्ण के लिए माफी मांगी।

बढ़ते हवाई किराये पर सरकार सख्त

नई दिल्ली। इंडिगो की उड़ान स्थगित होने के कारण हजारों टिकटों की बढ़ती कीमतों के बीच सरकार ने एरिआ को टूटने के आसार पर हवाई किराये की रकम 7,500 रुपये से 18,000 रुपये तक सीमित कर दी। नगर विमानन मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विमान सीमा, लागू मुद्राओं को छोड़कर, विमानों के भीतर और उड़ान क्षेत्रों के लिए लागू नहीं है। हालांकि, बयान में स्पष्ट नहीं किया गया कि या सीमा केवल इकोनॉमी क्षेत्र पर है या प्रीमियम इकोनॉमी क्षेत्र पर भी लागू होगी। सीमा के अंतर्गत, 500 किलोमीटर तक की उड़ान के लिए विमान 7,500 रुपये और 500-1,000 किलोमीटर के लिए टिकट की कीमत 12,000 रुपये तक की गई है। जो 1,000 से 1,500 किलोमीटर तक चलने वाली उड़ानों के लिए, विमान 15,000 रुपये तक सीमित है तथा 1,500 किलोमीटर से अधिक के लिए अधिकतम सीमा 18,000 रुपये तक की गई है।

इंडिगो संकट पर मंत्रालय बीसा, सभी स्टाफ पर लागू होगी किराया सीमा

एयर इंडिया समूह बढ़ाएगा क्षमता

नई दिल्ली। इंडिगो की उड़ान स्थगित होने से प्रभावित यात्रियों को मदद के लिए एयर इंडिया समूह क्षमता बढ़ाने पर विचार कर रहा है। यह विचारक से गैर-स्टॉप। एयर उड़ानों में इकोनॉमी क्षेत्रों के हवाई किराये को पहले से ही सीमा में रख रहा है, जोकि वास्तविक मूल्य और आयुर्वि के नियम का जवाब न पड़े। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस दोनों ने इकोनॉमी क्षेत्रों के किराये पर सीमा निर्धारित कर दी है। यह समान सरकार द्वारा इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान के बीच हवाई किराये पर सीमा लागू करने की प्रक्रिया के कुछ घंटे बाद आया। एयर इंडिया ने यह भी कहा कि सभी उड़ानों के लिए विमानों पर सीमा निर्धारित करके उड़ानों की रकम से संभर नहीं है।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI

DELHI

7 DECEMBER 2025

सरकार सख्त : यात्रियों को रिफंड दे

बढ़ते हवाई किराया पर भी सरकार ने लगाई ब्रेक, एयरपोर्टों पर अफरातफरी

पंजाब केसरी/मुंबई/नई दिल्ली

एयरलाइंस इंडिया ने अपने सीनियर अधिकारियों के बीचों बीच शनिवार को 800 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। इस बीच सरकार ने भी विमान कंपनी पर कड़ाई की। सरकार ने हवाई किराया पर सख्त रफाई दी और एयरलाइंस को रजिस्टर शुल्क तक सभी रिफंड प्रक्रिया को पूरा करने का आदेश दिया है। सरकार ने कहा है कि किसी भी तरह की अनियमितता पर एयरलाइंस के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी। उच्च विमान मंत्रालय ने कहा कि रद्द या बर्खास्त उड़ानों के रिफंड को प्रक्रिया रजिस्टर शुल्क आदि तक पूरी हो जाने चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि एयरलाइंस को यह भी निर्देश दिया गया है कि रद्दीकरण से प्रभावित यात्रियों से किसी भी प्रकार का शल्क नहीं वसूल जाएगा। इंडिया को एक विशेष बानी साक्ष्य और रिफंड सुविधा प्रकोष्ठ स्थापित करने के लिए भी कहा गया है। अखबार में कहा गया है, 'इन प्रकोष्ठ को प्रभावित यात्रियों से स्वयं संपर्क करने और यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है कि उन्हें रिफंड और वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था के लिए धर-धर पीछे न भागना पड़े।'



सरकार ने जारी की गाइडलाइंस

एयरलाइंस से कहा गया है कि जिस यात्रियों से वैजेज चेक-इन करा लिया था उसके बाद उनकी उड़ान रद्द हो गयी या उड़ानें देरी हुई, उनके वैजेज यात्री के घर पर या उनके द्वारा उपलब्ध कराये गये पते पर भिजवा दिये जाएं। इससे पहले, शुक्रवार को नगर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने अपना यह आदेश वापस ले लिया था जिसमें हर सप्ताह घाबले के 48 घंटे की अनिवार्य विभाग की अवधि को साप्ताहिक अवकाश से मिलाने की मसहरी की गयी थी। साथ ही उड़ानें इंडिया को भाइल ट्यूटी संबंधी नियमों में भी 10 फरवरी तक कुछ रियायत दी है।

किराया तय

नवीनतम सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद तय है कि 500 किलोमीटर तक की दूरी तक के लिए अधिकतम किराया 7,500 रुपये होगा। वहीं, 500 किलोमीटर से 1,000 किलोमीटर तक की दूरी के लिए किराया की सीमा 12,000 रुपये तक की गयी है। एयरलाइंस 1,000 किलोमीटर से 1,500 किलोमीटर के लिए 20,000 रुपये तक वसूल सकती है। वहीं, 1,500 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी के लिए अधिकतम किराया 30,000 रुपये तक किया गया है।



यात्रियों को पैसा वापस दिलाना प्राथमिकता

विमान कंपनी इंडिया ने कहा कि उसने शनिवार को 800 से अधिक फ्लाइंग उड़ानें रद्द कर दीं। शुक्रवार को कंपनी ने 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी थीं। कंपनी ने कहा कि वह यात्रियों को रिफंड के पैसे वापस किए जाने से जुड़े सभी मुद्दों को 'प्राथमिकता' के अन्तर्गत संबोधित कर रही है। इंडिया को डीजीसीए की ओर से फ्लाइंग के लिए नयी उड़ानें शुरू और आराम अर्थात् के मानदंडों के तुरंत धरन में बड़ी छूट दी गई है। कंपनी ने विमान सुरक्षा निदेशक को बताया कि धरन-2 एरिटीएल आरम्भकाल के लिए रीस्टर योजना और खलक धरन की उपलब्धता में उसे महत्वपूर्ण संक्रमणकारी कृतिवों का समना करना यह कह है। इंडिया ने कहा कि वह पूरे स्टैक में अपने परिवारन को फ्लो पर लाने के लिए 'दृढ़तापूर्वक' काम कर रही है। विमान कंपनी ने एक बयान में कहा, 'शनिवार को रद्द उड़ानों की संख्या 850 से कम है, जो शुक्रवार की तुलना में काफी कम है। इन अगले कुछ दिनों में इस संख्या को धीरे-धीरे कम करने की दिशा में काम कर रहे हैं।'

शनिवार को भी 800 से अधिक उड़ानें रद्द

सीईओ को नोटिस: डीजीसीए ने इंडिया एयरलाइंस के सीईओ को उड़ानों में हुई भारी देरी और रद्दीकरण के कारण

कारण घाबले नोटिस जारी किया है। 24 घंटे में अखबार देरें को कहा गया। अखबार को देने पर होगी कार्रवाई। इंडिया ने

संबंधित उड़ान ट्यूटी समय सीमा को लागू करने में विफलता के कारण अखबार पर निलंबन संभव का खतरा किया

ई एयरलाइंस ने नियम 1937 के नियम 42ए और संबंधित प्रावधानों का पालन नहीं किया है। (पृष्ठ 4 भी देखें)

Airfares capped, IndiGo asked to clear all refunds

STATESMAN NEWS SERVICE
New Delhi, 6 December

The Ministry of Civil Aviation on Saturday directed IndiGo to clear all pending passenger refunds without delay, even as more than 400 domestic flights were cancelled as the crisis affecting the airline continued into its fifth day.

The ministry also invoked its regulatory powers to curb soaring ticket prices following disruptions in the private carrier's flight operations.

"It has been mandated that the refund process for all cancelled or disrupted (IndiGo) flights must be fully completed by 8 pm on Sunday, 7 December. Airlines have also been instructed not to levy any rescheduling charges for passengers whose travel plans were affected by cancellations," the ministry said in a statement.

The ministry said that any delay or non-compliance in refund processing will invite immediate regulatory action.

IndiGo has been instructed to set up dedicated passenger support and refund facilitation cells which will be required proactively contact



Passengers wait at Terminal 1 of the Indira Gandhi International Airport in New Delhi on Saturday amid IndiGo flight disruptions across the nation.

affected passengers and ensure that refunds and alternative travel arrangements are processed without the need for multiple follow-ups.

The Ministry has directed IndiGo to ensure that all baggage that was separated from passengers due to cancellations or delays is traced and delivered to the passenger's residential or chosen address within the next 48 hours.

In order to protect passengers from any opportunistic pricing, the ministry also invoked its regulatory powers to ensure fair and reasonable fares

across all affected routes. The ministry's directive came after airfares on several major routes surged to extraordinary levels as IndiGo cancelled thousands of domestic departures.

The sudden grounding created an immediate shortage of seats, triggering a sharp rise in last-minute ticket prices across the country. Delhi-Mumbai fares on Air India peaked at Rs 60,000 on Friday.

On the Chennai-Delhi route, tickets on Air India Express touched Rs 41,000, and SpiceJet quoted as high as Rs 69,000.





भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

STATESMEN

DELHI

7 DECEMBER 2025

IndiGo cancels 3 flights in Jammu, disrupts passengers' travel plans

AGENCIES

Jammu, 6 December

IndiGo cancelled three out of ten scheduled flights at Jammu Airport on Saturday, while a fourth flight faced delays, further disrupting passenger travel plans amid widespread cancellations across India. The disruptions add to the operational challenges faced by one of the country's largest airlines.

Passengers expressed frustration over last-minute cancellations that disrupted their travel plans. One passenger from Delhi said she had already faced inconvenience two days ago and missed attending a wedding due to flight disruptions. She added that she is now unsure whether she will be able to travel home on her 10:15 am scheduled IndiGo flight.

"I am glad it has started today...there was a lot of harassment two days before...I was travelling from Delhi to



Jammu for a wedding, but I was not able to attend the wedding..all the money and time were wasted..They have spoiled my occasion..I have a flight from Jammu Airport..let me see if it works..I am glad if it is working..I should atleast reach home on time..my kid is waiting," the passenger told ANI.

Kashish, another traveller, shared that his aunt faced significant inconvenience due to the cancellations, stating his aunt was stranded for nearly 12 hours at Delhi Airport while travelling between Jammu and Delhi. He added that since yesterday, they have been struggling because they were not receiving clear updates on

the status of their flights.

"I came here to drop my aunt, who is travelling from Jammu to Delhi..since yesterday we are struggling..we are not receiving clear updates on the status of the flights...my aunt, while coming to Jammu, was stuck for 12 hours at Delhi Airport..such a big airline..Such unprofessional conduct...they are not listening...there is no process...in name they are a big airline...they just know how to make profits in their books..."

Reacting to reports that nine out of eleven flights were operating at Jammu Airport, Kashish welcomed the news but remained sceptical, saying that they are unsure how long their luck would hold.





भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

STATESMEN

DELHI

7 DECEMBER 2025

IndiGo chaos sparks outrage: Congress slams government's 'duopoly model'

STATESMAN NEWS SERVICE

New Delhi, 6 December

With the aviation sector reeling from a major crisis, with IndiGo cancelling over 1,000 flights on 5 December, and hundreds more on 6 December, leaving thousands of passengers stranded, Congress MP Sasikanth Senthil has slammed the BJP government, saying Prime Minister Narendra Modi promised "ease of air travel" through UDAN but delivered "cease of air travel" instead.

Addressing the media persons on Saturday, Senthil linked the crisis to government prioritising corporate interests over passenger safety and welfare.

"The present IndiGo chaos is not an accident. It is the direct



outcome of the BJP government's relentless push to manufacture a duopoly in the sector, and the disastrous consequences of that agenda are now exploding in full public view, Senthil said.

He further added: "IndiGo's cancellation of more than 1,000 flights on 5 December, 2025, with hundreds more being axed on 6 December, has brought the nation's air travel to its knees. This crisis is not a natural breakdown; it is the predictable fallout of the BJP government

that has been hell-bent on crushing competition, rewarding favourites, and reshaping an entire national industry to suit a tiny circle of corporate allies."

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) had released Flight Duty Time Limitation (FDTL) rules in January 2024, but they were partially implemented from July 2025 and fully from 1 November, 2025. However, the government withdrew these rules amid the crisis, sparking concerns over pilot fatigue and passenger safety.

Congress leader Rahul Gandhi had also blamed the government's "duopoly model" for the chaos, saying India deserves fair competition, not "match-fixing monopolies."



KTR blames Centre, IndiGo for aviation chaos

STATESMAN NEWS SERVICE

Hyderabad, 6 December

Criticising the Centre and airlines over the IndiGo crisis, BRS working president KTRama Rao today warned that the chaos at airports across the country was the result of the concentration of power in the hands of a few.

He pointed out that the aviation sector was in the hands of just two companies and alleged that all industries under the current government have been monopolised. He warned that the enforcement of new labour codes would see similar crises in other sectors as well.

Rao was speaking on the Centre's new labour codes at a round-table conference of trade unions at the Telangana Bhavan, organised on the death anniversary of Dr BR Ambedkar, when he cited the IndiGo crisis to make his point on how the new labour codes would lead to exploitation.

The former IT and industry minister said that airports have now been reduced to



railway stations and bus stations.

He criticised the airline, pointing out that despite DGCA issuing the directives on pilot deployment last year, IndiGo failed to make alternative arrangements, leading to the large-scale disruptions in IndiGo's flight operations. It also did not bow down even when the Centre backtracked.

Rao said after five days, the Centre rolled back its directives. DGCA failed in effectively enforcing its own directives. He reminded that the aviation sector in India was currently in the hands

of just two companies – Air India and IndiGo.

"This is what happens when the entire power is concentrated in the hands of a few. All industries are monopolised - from airports to seaports to railways. When these 2-3 people decide, the entire country comes to a standstill," said Rao.

He conceded that there should be ease of doing business, but it should also be accompanied by quality and fair practices.

KTR, as Rao is popularly known, said that the IndiGo-like crisis would spread to other

sectors if the new labour codes come into force. He accused the BJP and Congress of colluding to pass such Bills, taking advantage of the absence of the BRS in the Lok Sabha.

He also questioned how Revanth Reddy's government would implement the new labour codes in Telangana. "How would the Congress government implement the Bill here in Telangana when Sonia Gandhi opposed it in Delhi?" he asked while slamming the Centre for not considering the country's social realities while framing policies.



IndiGo flight chaos triggers massive passenger distress at city airport

STATESMAN NEWS SERVICE
Kolkata, 5 December

Disruptions in IndiGo flights have triggered widespread passenger distress across major airports in the country, with Kolkata facing the brunt of the crisis over the past three days.

Protests broke out at Netaji Subhas Chandra Bose International Airport on Friday as hundreds of stranded flyers vented their anger over repeated delays and cancellations by the country's largest airline.

According to official data available till 9 a.m. on Friday, IndiGo recorded 320 delayed departures and 92 cancellations between 3 and 5 December. Of the 308 scheduled arrivals and departures involving the



airline at Kolkata Airport during this period, a substantial portion was thrown off schedule, paralyzing routine operations. Passengers were seen standing in serpentine queues, crowding boarding

counters and waiting for hours without clarity on their travel plans. Airport officials cited staff shortage, coupled with severe operational pressure, as key factors behind the disruption.

Social media platforms

were flooded with complaints from irate passengers who accused the airline of poor communication and lack of preparedness to handle the crisis. The situation escalated further on Friday morning



when IndiGo announced an unprecedented shutdown of all departures from Dutt's IndiGo Gandhi International Airport till 11.59 p.m. Citing "escalating operational disarray", the airline informed passengers from

afternoon onwards that all outboard flights from the national capital stand suspended. IndiGo typically operates around 235 outboard flights daily from Delhi, and the mass cancellations created

near total paralysis at IGI Airport. Passengers were left stranded with no immediate alternatives, forcing many to abandon or reschedule their travel plans.

Friday marked the third consecutive day of the

airline's nationwide operational crisis. More than 750 flights were cancelled across India during the day, in addition to over 550 cancellations on Thursday, severely impacting movement through major hubs including Mumbai, Bengaluru and Hyderabad. Airports reported large crowds, rising tempers and mounting uncertainty as travellers scrambled for refunds, rebooking or alternative arrangements. Airport authorities and the airline are in continuous communication to restore normal operations. However, with the crisis spreading across multiple metro airports and affecting thousands of passengers, full normalisation is expected to take time.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

STATESMEN

KOLKATA

6 DECEMBER 2025

Centre orders probe into IndiGo fiasco



Flight passengers wait with their baggage as many IndiGo services stand cancelled at Indira Gandhi International Airport, in New Delhi on Friday. © AP/PTI

STATESMAN NEWS SERVICE

New Delhi, 5 December

The Centre has taken urgent and proactive measures to address the ongoing disruption in flight schedules, particularly those of IndiGo Airlines and decided to institute a high-level inquiry into the disruptions, Civil Aviation Minister Ram Mohan Reddy announced here on Friday.

In a statement, he said the Flight Duty Time Limitations (FDTL) orders of the DGCA have been placed in abeyance with immediate effect. "Without compromising on air safety, this decision has been taken solely in the interest of passengers, especially senior citizens, students, patients, and others who rely on timely air travel for essential needs," he added.

He said the government has decided to institute a high level inquiry into this disruption. The inquiry will examine what went wrong at IndiGo, determine accountability wherever required for appropriate actions, and recommend measures to prevent similar disruptions in the future, ensuring that passengers do not face such hardships again.

The minister's statement came in the wake of IndiGo facing operational disruptions for yet another day today, with the cancellation of over 750 flights across the country.

Mr Reddy said that in addition to this, several operational measures have been directed to ensure that normal airline services are restored at the

earliest and that the inconvenience caused to travellers is significantly reduced.

"Based on the immediate implementation of these directives, we expect that flight schedules will begin to stabilise and return to normal by tomorrow. We anticipate that complete restoration of services will be achieved within the next three days," he added.

Meanwhile, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has accepted IndiGo's request for relaxation in rules related to pilot night duty.

In the approval issued by the DGCA on Friday, it stated that IndiGo has been granted exemption from two provisions of the Flight Duty Time Limitation (FDTL) until 10 February 2026. For IndiGo, night duty will now be considered from 12 midnight to 5 a.m. until 10 February. Under existing rules, night duty is defined as from 12 midnight to 6 a.m.

Additionally, rules state that for duty that begins outside night-duty hours but continues into night duty, the maximum flight time can be eight hours and the maximum duty time can be 10 hours. During this period, a pilot can carry out a maximum of two landings. IndiGo has been granted exemption from this rule as well.

IndiGo will submit a report every 15 days detailing crew working hours, steps taken to increase the number of crew members, and improvements in operations. The DGCA will review the exemption every 15 days.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

TIMES OF INDIA

DELHI

6 DECEMBER 2025

IndiGone: What We Learnt

Overworked pilots or hell for flyers, that's the choice IndiGo gave us. Not just govt, even the airline, never mind its big market share, should know this can't go on. But Indians, get ready to pay more as pilot safety rides fully kick in

Chetan Bhagat



By now you've probably seen the scenes, the videos and the chaos certainly unfolding at Indian airports. It always feels like an enemy nation landed our airlines every overnight. The airports? IndiGo, which controls over 90% of the market, and has spectacularly crushed its pilot roster. Thousands of flights have been cancelled daily.

The face of millions of Indian Laddoo passengers are frustrated. Weddings, conferences, birthdays, birthdays - all disrupted. What appointments? Great. Money? Better. Time? Exhausted. Airlines? IndiGo ground staff - who had more jobs in this - are now the nation's punching bags. Meanwhile, the rest of the industry is having a nice party.

PILOTS - unless, of course, you were among the lucky ones who got in the air over overnight, scrambling to find a window seat and a dinner. With their Indian flying every year - mostly on IndiGo - did you know someone who did?

To be fair, IndiGo has been the one shining star in India's graveyard of airlines. Ask the pilots of Jet Airways, Kingfisher and Air India. While they (mostly) frantically huddle around - making money in a business where glamour is a myth and bankruptcy has been before every Indian-owned carrier.

India has had a few other airlines that were things people would spend on - religion, weddings and their children's education. Other than that, IndiGo has been the only one that survived. IndiGo's success story is that, for years on board - they sell weight. Instead, you get those legendary cold sandwiches. What else do you get? Sure, there's dehydrated water extracted with the same water. Fine.

However, while it's so much an experience, IndiGo has the very job of passengers - take you from point A to point B, in relatively clean flights, and with a focus on on-time performance. It's therefore ironic that an airline holding a torch around on-time performance is knocked out of its own schedule.

What triggered this chaos? New DGCA rules - not

sudden ones, but announced almost two years ago - that finally came into effect. The simplicity: they want pilots to sleep, properly. Like eight hours of actual rest, not a nap after three red-eye flights. Fewer night duties, longer breaks. Basically: treat pilots like humans, not flight robots.

And that's bad for business. More overworked every pilot. More pilots mean more cost. More cost means higher prices for flights - and hence - go up to ₹300.

Finally, the rules kicked in and the whole IndiGo system - despite dominating Indian skies collapsed. The airline is in a crisis.



It is super tempting to blame the regulator DGCA and its rules. But such a reputation that if a new rule comes out, then it's the one that the regulators are the problem. However, in this case, DGCA was only aligning India with global standards - ICAO in US, EASA in Europe. Pilot fatigue isn't a joke - a sleep pilot is not what you want flying a commercial jet. But, if a pilot is overworked and hence lacks focus while flying, the result can be catastrophic. Hence, making a pilot as much as possible so that Indians can sleep more on flights is a dark idea.

Plus, the regulator did not show the rules to overnight. They gave 22 months for the airlines to implement them.

But IndiGo that probably led the regulator would extend the implementation again, and therefore didn't take enough steps. In a sense, IndiGo was right. The blame it unleashed on the public has forced the civil aviation ministry to get the rules in place.

IndiGo is no longer just a private company. It is India's aviation sector. If it doesn't fly, we don't have aviation in this country. Is such a dependence healthy for the economy? That's something we all have to wonder. There's nothing wrong with private companies, or when we depend every day on them. However, private companies (at least) have different objectives, driven by their investors. IndiGo's objective is to keep costs low and maintain and grow market share - and for that, regulations that require them to spend more on pilots are not welcome. They will have a lower (or no) profit, but it's better to have a loss as much as possible, and it's better to have a loss than to have a profit.

In all this, two stakeholders suffer the most - the pilots (who don't get enough rest) and the customers (who are stranded and harassed at airports). But in addition, the private IndiGo ground staff, working under wages being withheld, only because they are wearing the blue IndiGo uniform, as if they are responsible for the thousands of flights that were cancelled.

What India has learned from all this is:

- IndiGo needs to get its act together. Sure, IndiGo has changed, however, pilot pay is non-negotiable. Stop that dehydrated water or reduce its size to half. Don't screw around, well-rested pilots.
 - Regulator needs to communicate to the public what happened, but they became the fall guy, which they already are.
 - Indian companies need to get their priorities right. They are not just for profit, but also pay for good services. Else, it will come back to bite you.
 - Finally, to IndiGo staff, sorry again, for all the stress and anxiety that piled up on you. It wasn't your fault. We are all pawns in the grinding wheel of capitalism, and sometimes we get crushed in the process.
- Take rest, IndiGo pilots. And here's hoping you were approached and get Indian skies soaring again.

Corporate Communications Directorate

TIMES OF INDIA

DELHI

7 DECEMBER 2025

DGCA showcauses IndiGo's CEO, COO; gives them 24 hrs

Times News Network

New Delhi: Directorate General of Civil Aviation (DGCA) issued on Saturday show-cause notices to IndiGo CEO Pieter Elbers and the airline's accountable manager, COO Isidre Forqueras, and sought replies within 24 hours. The airline is staring at serious regulatory action.

The notice has pointed out that the main reason for massive flight disruptions was that IndiGo had not prepared to implement the new PFTL, which came into force on Nov 1, 2025. The notice says there were lapses in planning, oversight and resource management for the same, which is in violation of rules.

It also points out that IndiGo neither gave required information on flight cancellations to passengers nor provided facilities that are



DGCA said that IndiGo neither gave required information on cancellations nor provided facilities that are mandatory in such cases

mandatory in cases of cancellations and delays.

"Such large-scale operational failures indicate significant lapses in planning, oversight, and resource management, and is prima facie non-compliance on the part of the airline... as the CEO you are responsible for

ensuring effective management of the airline but you have failed in your duty to ensure timely arrangements for conduct of reliable operations and the availability of requisite facilities to the passengers," the notice says.

Highly placed govt sources say accountability will be fixed and action taken against all those found responsible for the unprecedented mess IndiGo passengers have faced over past few days. "This is simply not acceptable. Heads will have to roll," said a senior official.

IndiGo is staring at significant financial penalties that govt can impose. "We have so far not asked for anyone to be removed as that will further hamper the recovery of the airline that has stalled. Once schedule integrity is restored, that issue will be looked at," said sources.

Mad rush for private jets amid chaos created by IndiGo flight disruptions

Corporates And Wedding Hosts Major Clients

Mamta V @timesofindia.com

Mumbai: An Embraer E175LR private jet was rushed to Guwahati on Saturday to bring back 36 children of top corporate executives after they were stranded in Kaziranga when IndiGo cancelled its flights. The scramble has become emblematic of the sudden rush for charter aircraft in India as disruptions at the country's largest airline ripple through the peak travel and wedding season.

"Typical movements included Delhi-Udaipur, Jaipur, Jodhpur, all popular wedding destinations, apart from Hyderabad and Chennai," said Gautam Sahni of Noida-based Subha Aviation, which specialises in airline charters. He described the spike as "unprecedented", driven entirely by destination wedding



Flyers wait outside IGI as IndiGo flights continue to be disrupted

groups and smaller groups of 50-100 whose scheduled flights were cancelled at short notice: "Look for 50-seater airline jets and you will find that nothing is available in the market today because, ultimately, you have to take aircraft away from a scheduled carrier's flow."

"Every airline does charters, but none can support this kind of sudden demand, especially at a time their scheduled flights are flying packed because of IndiGo disruptions," he said.

In one instance, he added, an eight-seater aircraft had

to be flown empty from Delhi to Kolkata to pick up a wedding party after their airline connection broke down.

Mandar Bharde, of Mumbai-based MAB Aviation, said past four days had brought a flood of enquiries, led largely by destination weddings and year-end travel. "Every day we are getting requests from destination wedding hosts in Jaipur and Udaipur. Dec is peak vacation season and all charter flights are full," he said. Bharde added that Mumbai has about 8-10 charter aircraft while Del-

hi has about 20, but most operators were already busy before the airline disruptions worsened the crunch.

Rahul Muchhal, of Accretion Aviation, said: "We've been getting 200-250 calls daily over the past three days, not much from Mumbai, and mostly for Delhi-Goa, Delhi-Udaipur and Mumbai-Delhi. But today, nothing is available. The actual bookings were mainly from corporate houses who needed to shift people urgently."

So, how much do these charters cost? A 30-seater Delhi-Udaipur charter was quoted at about Rs 17.6 lakh plus taxes, touching Rs 20 lakh all-inclusive; the operator did not divulge the aircraft type. Smaller aircraft such as the 7-seater King Air B200 on the Delhi-Vadodara sector cost Rs 11 lakh for a round trip. Aircraft type also dictates the price.

A 13-seater Embraer Legacy aircraft cost Rs 20 lakh to charter, including 18% GST, and a 7-seater Bombardier Learjet went for Rs 18-19 lakh.

Corporate Communications Directorate

TIMES OF INDIA

BANGLORE

6 DECEMBER 2025

Flight chaos mounts, tempers flare at KIA

INDIGO MESS As Cancellations Go Up, Passengers Left Stranded With No Clarity Or Food

Nithya.Mandayam
@timesofindia.com

Bengaluru: Keeppegowda International Airport (KIA) — both Terminals 1 and 2 — witnessed scenes of anger and exhaustion as hundreds of stranded passengers chanted “Down Down, IndiGo”, following 291 flight cancellations since Dec 2, including a whopping 292 on Friday alone. The ripple effect of nationwide operational disruptions left travellers with no clarity, no food, and in many cases, not even access to basic facilities.

Rohan Srinivas, an entrepreneur flying to Delhi, said he was told to “wait indefinitely”. “There is absolutely no information. They’ve checked in our bags, and now we can’t even retrieve them. We’re just stuck here,” he said, surrounded by several equally distressed travellers. “Every one hour, the IndiGo flight officials announce an updated time, but then it changes after an hour, which makes it impossible for us to leave the airport.”

Among those stuck were students heading to crucial MBA entrance exams, families travelling for weddings, and elderly passengers sitting on the floor for hours. “I have my exam tomorrow (Saturday). I’ve been here since 6am,” said Vidhya Prakash, a 23-year-old trying to fly to Hyderabad. “All they say is to wait. How long can we just wait? If I miss the exam, the college won’t hold a re-exam, and I’ll have to waste a year.”

Sources within IndiGo admitted that crowd management has become the biggest challenge. “People are flocking to the terminal even after receiving cancellation messages. There’s simply no place to move,” an official said.

Meanwhile, passengers complained of worsening conditions at both terminals. “I haven’t had food in seven hours. Every restaurant is out of food,” said Karan Bora, a passenger heading to Madhya Pradesh. “The crowds are so big that even water kiosks are empty.”

Several others were seen struggling with medical needs. “I’m diabetic, I need my medicines every four hours,” said Revathi Narayan, a 67-year-old traveller who was waiting since Thursday night, after her luggage was checked in and she could not retrieve it.

Parents with young children said the washrooms became unusable because of the surge in footfall. “The washrooms are dirty, overflowing. My four-year-old is crying be-

NO SANITARY PADS, NO ASSISTANCE

A young woman who ran out of sanitary napkins was unable to get any at the airport pharmacy, which had exhausted its stock. Frustrated, she sought help from staff but received none. Her father, angered by the situation, confronted the pharmacy and IndiGo officials, demanding answers and shouting in protest over the lack of basic necessities and support for flyers.

FACING ARDUOUS BUS JOURNEY

Priyansh Vijayvargiya, a distance MBA student from Indore, is growing increasingly anxious about his IndiGo flight scheduled for Saturday. The same flight was cancelled on Dec 3 and 4, and he is yet to receive any communication from the airline regarding the status of his journey. Priyansh contacted his college for guidance but was told that his exams on Dec 6 would proceed as planned, leaving him with no flexibility. With uncertainty mounting, he is now considering an arduous alternative: taking a bus to Hyderabad and then another long bus ride to Indore.

cause she is scared to even enter them,” said Aparna Kumar, a Bengaluru resident travelling to Kolkata.

Some passengers said they felt trapped. “We can’t exit because our bags are inside, and we can’t cancel our flights because we won’t get a full refund... we need to wait for hours in the airport till IndiGo cancels our flights,” Mohammed Faizal, a Kochi-bound passenger, told TOI.

Where’s the help?

Others complained that IndiGo’s help desk remained unmanned for long stretches. “We were walking from counter to counter like headless chickens,” said Sandeep Naik, a flyer to Jaipur. “No one told us if the flight would even operate today.”

Video clips circulating from both terminals showed angry passengers confronting staff, chanting slogans, and demanding refunds, accommodation, or at least an explanation. With cancellations continuing for the third straight day, KIA officials said they are “managing the situation with available resources”. However, passengers maintained that the response has been far from adequate.



AIR TRAVEL CRIPPLED: Hundreds of passengers were left fuming at Bengaluru airport as IndiGo’s nationwide disruptions led to 292 flight cancellations Friday. With no information, food or basic facilities, travellers had to wait endlessly as flight departure times kept shifting





भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

TRIBUNE

DELHI

7 DECEMBER 2025

Adhere to fare cap: Govt to airlines amid flight disruptions

TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, DECEMBER 6
Domestic flight cancellations and delays at IndiGo continued into a fifth consecutive day on Saturday, affecting tens of thousands of passengers across the country. Travellers faced long waiting times and steep last-minute fare increases amid the ongoing operational crisis.

The airline issued an apology on Friday, assuring passengers all cancelled flights would be fully refunded. IndiGo, India's largest carrier

with a fleet of over 400 aircraft and nearly 2,300 daily flights, has seen punctuality fall sharply due to an unforeseen shortage of pilots, officials said, citing planning shortcomings. Authorities are closely monitoring the situation.

With disruptions expected to continue for several more days, the Civil Aviation Ministry intervened on Saturday over concerns about unusually high ticket prices on certain routes.

The ministry directed all airlines to adhere strictly to newly prescribed fare caps,

which will remain in place until operations return to normal.

Amid rising passenger frustration, BJP MP Manoj Tiwari said the situation showed early signs of improvement. "I said yesterday as well that we will have positive news within 24 hours. The positive news is here. The situation has improved a little today itself. Operations will be normal in 2-3 days," he said, expressing confidence that airlines and aviation authorities are working swiftly to restore regular schedules.



A passenger waits for her flight at Terminal 1 of the Indra Gandhi International Airport, in New Delhi, Saturday. MUKESH AGGARWAL



Corporate Communications Directorate

TRIBUNE

DELHI

7 DECEMBER 2025

Show-cause notice to IndiGo as crisis deepens; airfares capped

800 flights cancelled on Day 5 | Ministry orders prompt refund to flyers

SNEHILAR SENGA
Senior Correspondent

NEW DELHI, DECEMBER 5 The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on Saturday issued a show-cause notice to IndiGo CEO Peter Wilton seeking an explanation for the massive flight disruptions that caused severe inconvenience and distress to passengers.

The regulator attributed the chaos to the airline's failure to make adequate arrangements for the prompt refund of tickets under the approved Flight Duty Time Limit (FDTL) norms. The large-scale operational failure indicated significant lapses in planning, oversight and resource management, the regulator said in the notice.

"As the CEO, you have failed in your duty to ensure timely arrangements for conduct of reliable operations and the availability of requisite facilities to the passengers," it said, directing Wilton to reply within 24 hours.

As the airline's operational breakdown left passengers stranded for a 4th consecutive day, the Centre moved to contain the crisis by imposing strict fare caps, directing immediate refunds and seeking regulatory action for any delays.

The airline, which cancelled over 800 flights on Saturday



Travelers board the IndiGo flight at New Delhi International Airport.

TICKET PRICE CEILING	
FARE TYPE	DISCOUNT
₹7,500	Up to 500 km
₹12,000	500-1,000 km
₹15,000	1,000-1,500 km
₹18,000	Beyond 1,500 km

IN LINE OF FIRE

- The DGCA capped IndiGo CEO, saying he failed in his duty to ensure smooth conduct of operations.
- Sources said the govt was displeased that the crisis overshadowed media coverage during Putin's visit.

alone, has triggered one of the worst disruptions in recent years. Under the temporary fare ceiling now in force, economy fares cannot exceed ₹7,500 for routes up to 500 km, ₹12,000 for 500-1,000 km, ₹15,000 for 1,000-1,500 km and ₹18,000 for distances beyond 1,500 km. These limits apply across airline websites and retail travel portals until fare stability. The ministry

said the cap was essential after witnessing "unprecedented" spikes at travel desks assembled for alternatives.

The government intervention, sources said, followed a high-level meeting between the Ministry of Civil Aviation, the DGCA, senior officials and IndiGo representatives, during which top functioning verbally passed for the removal of the airline's CEO.

The sources told The Tribune that the government was particularly displeased that the airline prolonged media coverage during Russian President Vladimir Putin's visit, diverting attention from a high-profile diplomatic engagement.

Alongside fare regulation, the government has mandated that IndiGo clear all pending refunds for cancelled or disrupted flights by 3 pm on December 7. Airlines have also been barred from levying rebooking charges for affected passengers. Officials said any failure to comply would invite immediate enforcement action.

IndiGo has been instructed to set up a dedicated support and refund facilitation system. The ministry said automatic refunds would continue until flight operations return to normal.

It said the airline must also ensure all baggage separated from passengers due to cancellations or misconnections was traced and delivered to their residence or chosen address within 48 hours. Airlines have been asked to maintain transparent communication on tracking and delivery and offer compensation where applicable under passenger rights norms.

COVER PHOTO BY SNEHA S

Show-cause notice to IndiGo as crisis...

FROM PAGE 1

Civil Aviation Minister Ram

Mishra Naik said the government had invoked its regulatory powers to ensure fairness at a time when passengers were affected. He said the ministry would continue to monitor services across airlines and booking platforms. The official directive issued on Saturday also requires airlines to maintain timely availability across touchpoints and increase additional capacity on routes with soaring passenger demand. IndiGo, in a statement, said it was working to stabilise operations and reduce delays. It said cancellations had dipped below 80 flights on Saturday and that schedules were expected to improve over the

next few days.

Airline union criticism, industry reports on alleged deeper structural failures. Nitin Jadhav, president of the Indian Association General of Aviation, claimed the crisis stemmed from management decisions rather than pilot actions and alleged that the DGCA "looked the other way", calling for a probe into both the regulator and the airline.

Other carriers distanced themselves from the chaos in fares. Air India said it had been voluntarily limiting economy fares on domestic routes since December 4 to avoid automated pricing spikes during the disruption.

Political pressure also mounted. Lok Sabha MP Kapayee Sinha demanded that the Centre take action against IndiGo, arguing that the scale of cancellations had caused significant financial losses and inconvenience nationwide. She urged the government to ensure greater competition in the sector.

With thousands of passengers still stranded, the Railways had arranged 22 special trains to manage the spill-over, such as triggered by the massive disruption in air travel. The unprecedented collapse followed weeks of rising strain within IndiGo's pilot workforce after the airline revised duty schedules under the relaxed

FDTL norms. The new framework reduced maximum duty hours and allowed rest periods, leading to widespread fatigue-related grievances.

Tensions escalated further after a series of rostering changes last week, prompting large numbers of pilots to call in sick, sharply reducing crew availability and crippling the network. Several week-long cancellations had crossed 1,000 a day, with severe delays rippling across the country. Saturday's numbers, though lower, still reflect a system far from stable. On December 5, the Ministry of Civil Aviation decided to phase the revised FDTL Civil Aviation Requirements in stages.





The system blinked when it needed to uphold the one principle the sector cannot abandon — safety above convenience

THE MAKING OF THE aviation mess

SHIKHAR SINGH

THE aviation mess that unfolded last week was not a story of seasonal haze or visibility issues, and certainly not a story of sudden weather disruptions. What India witnessed was the collapse of a policy framework that had been years in the making, undone in a single meeting behind closed doors.

Thousands of passengers were left stranded across airports, airlines scrambled for cover, and the government responded with a decision that has now raised more questions than answers, placing newly revised fatigue-management rules on hold, despite clear judicial directions, scientific evidence, and repeated warnings from pilots and the unions.

The week began with IndiGo cancelling flights at an unprecedented scale, grounding operations across key metro cities, leaving terminals overflowing with confused, exhausted passengers. By mid-week, more than a thousand cancellations had been reported. Queues stretched across departure halls and airline staff struggled to pacify angry flyers whose plans had collapsed without explanation. But the cause, unusually, had nothing to do with weather, air quality, runway closures, or airport congestion.

IndiGo's attempt to realign its roster to comply with the revised Flight Duty Time Limit (FDTL) rules — norms announced in February and implemented in two stages, July 1 and November 1 — had resulted in an immediate shortage of adequately rested pilots. The airline, already functioning on high utilisation and minimal spare capacity, simply did not have enough crew members who met the new rest requirements.

For months, the aviation ecosystem knew this day was coming. The revised fatigue rules were not sudden. They had been debated, drafted, circulated, litigated, and defended across years. They were the

product of long-standing concerns raised by pilots that duty-time limits were significantly weaker than international standards, allowing longer duties, shorter breaks, more night operations and more back-to-back early-morning departures than were considered safe elsewhere.

The new rules introduced tighter caps, limits on duty hours during circadian-low periods between 2 am and 6 am, reduced maximum night-time flying, restrictions on consecutive night landings, clearer fatigue-risk thresholds and most crucially, a minimum 48-hour-weekly rest requirement aligned with global fatigue-mitigation frameworks.

These changes were not cosmetic. They were essential corrections to a system in which pilots often carry sleep debt without realising its cumulative effect. Fatigue is not dramatic like a mid-air engine failure; it is subtle, often invisible, and always dangerous. It affects judgement, reaction time, situational awareness, and multi-tasking, all skills without which aircraft operations cannot remain safe.

International studies have repeatedly shown that fatigued pilots are more prone to errors and slower to detect abnormalities. Former safety panels in India acknowledged these concerns. Global regulators acted years ago. India, after lagging behind for long, had finally decided to move in the same direction.

And then it moved backwards. On December 5, the Ministry of Civil Aviation decided to place the revised Flight Duty Time Limit (FDTL) Civil Aviation Requirements in abeyance. The justification offered was that the industry required "more time" to transition and that immediate enforcement would cause widespread disruption to passengers. A committee of inquiry, the Ministry said, would be constituted to examine the sequence of events that led to the crisis, assess airline preparedness, and review the operational impact of the new norms.



Airlines had months to prepare for the new roster rules, yet IndiGo, the largest carrier with the deepest bench strength, entered December underprepared. (PI)

The DGCA was directed to gather detailed data from all airlines for the committee's analysis.

But for pilots' unions, the Ministry's move was nothing short of a rollback of essential safety protections. Following the Ministry's order, the Airline Pilots Association of India (ALPA India) issued a statement condemning the decision. "This step directly contradicts the honourable court's directions, which mandate the enforcement of fatigue-mitigation standards rooted in aviation science. Keeping the FDTL in abeyance not only undermines judicial authority, but also places pilots and passengers at heightened risk by delaying essential fatigue protections," ALPA India said.

The association urged the Ministry and the regulator to "uphold the court's order in both letter and spirit and to prioritise the safety of the pilots and travelling public above all commercial considerations".

This reference to the judiciary is not rhetorical. It goes to the heart of the controversy. The Delhi High Court, in more than one matter concerning fatigue and pilot welfare, had emphasised that fatigue-mitigation is a safety issue, not a labour dispute. It stressed that the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has a statutory obligation to protect passengers, statutory obligation to protect passengers, and that scientific fatigue norms cannot be indefinitely delayed. When the revised FDTL rules were notified earlier this year, they were widely understood to be the direct outcome of the court's insistence that safety cannot wait for convenience.

Yet the Ministry's decision to suspend

these very rules has not been accompanied by any reference to the court's earlier observations. No statement has clarified whether the judiciary was consulted. No explanation has been given on how a scientifically backed, court-aligned safety standard can be passed on administrative grounds.

What makes the rollback even more striking is the chronology. Airlines had months to prepare. Rosters were supposed to be adjusted well in advance. The regulator had repeatedly stated that the norms were not negotiable. Yet IndiGo, the largest carrier with the deepest bench strength, entered December underprepared. Instead of assisting or compelling compliance, the system responded by suspending the rules themselves. It was a reversal few in the industry expected, and even fewer can justify.

The inquiry committee announced by the Ministry is now expected to examine this breakdown. As per the Ministry, the inquiry will examine what went wrong at IndiGo, determine accountability wherever required for appropriate action, and recommend measures to prevent similar disruptions in the future, ensuring that passengers do not face such hardships again.

But the events of the past week have exposed a deeper, more uncomfortable truth: the country's aviation system is running with far less buffer than passengers assume. When one airline falters, the entire network strains. When a regulatory deadline arrives, operators scramble. And when the fatigue rules — designed to prevent accidents — are inconvenient, they can be paused.

The impact on passengers has been immediate and harsh. Overnight, terminals in Delhi, Mumbai, Bengaluru, and Kolkata turned into holding areas for thousands stranded without clarity. Elderly passengers waited for hours without assistance. Important medical travel, job interviews, academic admissions, and family emergencies were thrown into disarray. All this not due to weather, technical failures, or air-traffic limitations, but due to inadequate roster planning.

The Ministry said its priority was to stabilise operations and restore public confidence. Airlines say they need more time to adjust staffing. But the unions argue that stability built on suspended safety norms is illusory and that the cost of fatigue will eventually be paid by those on board.

The Delhi High Court's voice echoes quietly behind this storm. Fatigue rules exist because safety cannot be compromised. They are not suggestions. They are not optional. They are obligations.

The inquiry committee may eventually assign responsibility. Airlines may redesign rosters. The DGCA may revise or reissue norms. But till the central question is answered — why safety rules, grounded in science and supported by judicial direction, were suspended instead of enforced — turbulence in the sector will continue long after the cancelled flights are forgotten.

Because in the end, this crisis has shown that fatigue wasn't just a risk in the cockpit. It was a risk across the entire system, a system that blurred when it needed to uphold the one principle aviation cannot abandon: safety above convenience.

Functioning on high utilisation and minimal spare capacity, IndiGo fell way short in complying with the fresh norms, leading to chaos. (PI)

